ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सरकार गिराने का सपना देख रही भाजपा: रामलिंगारेड्डी @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 14 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-134

पीएम मोदी के वाराणसी रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

भारी जन-उत्साह ने दी पीएम मोदी की जीत की गारंटी

वाराणसी, 13 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से नामांकन दाखिल करने की पूर्व संध्या पर सोमवार को भव्य और जोरदार रोड शो निकाला। महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण से शुरू हुआ वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी का रोड शो विकास रथ पर निकला, जिस पर मोदी संग महाराज योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह सवार थे। मोदी-योगी की

शंख और शहनाई की गूंज के साथ हर-हर महादेव का उद्घोष

12 राज्यों के सीएम की मौजूदगी में नामांकन दाखिल करेंगे पीएम

जोड़ी का मैजिक पूरे वाराणसी में दिखा। हर हर महादेव और जयश्रीराम की जयकार के बीच स्थानीय लोगों ने अविस्मरणीय स्वागत कर यह बता दिया कि उनके बीच 56 इंच के सीने वाला दमदार व्यक्तित्व फिर से उनका प्रतिनिधित्व करने आया है।

शाम पांच बजे काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सिंह द्वार पर महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना रोड शो प्रारंभ किया। लगभग ढाई घंटे से अधिक का रोड शो काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर समाप्त हुआ।

काशी के कोतवाल काल भैरव से अनुमति लेकर नामांकन करेंगे मोदी

वाराणसी, 13 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री एवं काशी के सांसद नरेंद्र मोदी मंगलवार को काशी के कोतवाल काल भैरव से अनुमति लेकर नामांकन करेंगे। मंगलवार को गंगा सप्तमी के साथ ही पुष्य नक्षत्र का संयोग बन रहा है। प्रधानमंत्री के नामांकन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा शासित और गठबंधन वाले 12 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। इसके अलावा अन्य केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पदाधिकारियों की भी मौजूदगी रहेगी। नामांकन के पहले सुबह करीब 9 बजे पीएम दशाश्वमेघ घाट पर मां गंगा को नमन कर सकते हैं। उनका क्रूज़ से नमो घाट तक जाना भी प्रस्तावित है।

व्यवस्था से शिकायत करने में आगे, वोट डालने में पीछे

चौथे चरण में भी हुआ कम मतदान

तेलंगाना में 61.56 एवं आंध्र प्रदेश में 68.20 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया का चौथा चरण आज पूरा हो गया। इसके साथ ही कुल 378 सीटों के मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके। गुजरात की सूरत सीट से भाजपा उम्मीदवार का निर्विरोध निर्वाचन तय हो चुका है। सोमवार को 10 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 96 सीटों पर मतदान हुआ। मतदान के साथ ही कुल 1717 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। चौथे चरण में भी पहले के तीन चरणों की तरह ही कम मतदान हुआ।चुनाव आयोग के मुताबिक मतदान के चौथे चरण में तेलंगाना में 61.56 प्रतिशत मतदान हुआ। आंध्र प्रदेश में मतदान का प्रतिशत 68.20, बिहार में 55.92 प्रतिशत, जम्मू-कश्मीर में 36.88 प्रतिशत, झारखंड में 63.88 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 69.02 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 52.93 प्रतिशत, ओड़ीशा में 64.23 प्रतिशत, उत्तर प्रदेश में 58.00 और पश्चिम बंगाल में 76.02 प्रतिशत मतदान हुआ।

पहले चरण में 66.14 प्रतिशत, दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत और तीसरे चरण में 65.68 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई है।

2019 के मुकाबले तीनों चरणों में इस बार कम वोटिंग हुई। चौथे दौर में जिन 96 सीटों पर मतदान हुआ उनमें 2019 में 69.12 प्रतिशत मतदान हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की अराजकता और मनमानी उजागर

खुदमुख्तारों ने अयोग्य लोगों को बना दिया जज

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

जजों की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की अराजकता और मनमानी एक बार फिर उजागर हुई है। कॉलेजियम के खुदमुख्तारों ने अयोग्य लोगों को जज बना दिया और योग्य अभ्यर्थियों को किनारे कर दिया। कॉलेजियम की ऐसी अनैतिक हरकत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई है।

कॉलेजियम ने सारे नियम-कानून और नैतिकता को ताक पर रख कर हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में दो अयोग्य जजों की नियुक्ति कर दी। इन नियुक्तियों के खिलाफ हिमाचल प्रदेश के ही दो जिला जजों चिराग भानु सिंह और अरविन्द मल्होत्रा ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनकी शिकायत है कि राज्य के सबसे वरिष्ठ जिला जज होने के बावजूद उनकी वरिष्ठता और योग्यता का ध्यान नहीं रखा गया और कॉलेजियम ने दूसरे जूनियर लोगों को जज नियुक्त कर लिया। दोनों जजों ने आरोप लगाया है कि इस नियुक्ति के दौरान नियमों का पालन नहीं हुआ और सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों को नजरअंदाज कर दिया गया।

मुख्य न्यायाधीश के पास शिकायत पहुंची

जबकि इन दोनों का नाम मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में कॉलेजियम द्वारा अग्रसारित भी किया गया था। दोनों जजों ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि नाम की संस्तुति मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के कॉलेजियम के बाद देश के कानून मंत्रालय ने भी की थी।

कानून मंत्रालय ने एक पत्र लिख कर हिमाचल प्रदेश के हाईकोर्ट कॉलेजियम को मल्होत्रा और सिंह के नामों पर विचार करने के लिए कहा था।

विदेशी ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा की डिफेंस इंडिया रिपोर्ट

भारत के रक्षा बजट में आसमानी उछाल

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

दुनिया के हर सेक्टर में भारत तेजी से अपनी शीर्ष जगह बना रहा है। अगले 10 साल में भारत रक्षा क्षेत्र में सबसे बड़े निवेश और उत्पादन के लिए तैयार है। एक विदेशी फर्म की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत रक्षा उपकरण, आधुनिक तकनीक और सेवा की बढ़ती मांग के बीच रक्षा क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-32 में 138 बिलियन अमेरिकी डॉलर का ऑर्डर देने की योजना बना रहा है। विदेशी ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा की डिफेंस इंडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की सरकार स्वदेशी मैनुफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी के विकास को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल नीति सुधारों, प्रोत्साहनों और पहलों के माध्यम से रक्षा क्षेत्र को सक्रिय रूप से समर्थन दे रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2030 में रक्षा कैपिटल आउटले का हिस्सा कुल रक्षा बजट का 37 प्रतिशत तक बढ़ जाएगा, जो वितीय वर्ष 2024 में 26 प्रतिशत के आसपास है। यह वितीय वर्ष 24-30 में 15.5 ट्रिलियन रुपए के कैपिटल के बराबर होगा, जो पिछली अवधि की तुलना में पर्याप्त वृद्धि का संकेत देता है।

अगले 10 साल में भारत के रक्षा क्षेत्र में होगा 138 बिलियन निवेश

रक्षा निर्यात ने अबतक के सारे रिकॉर्ड तोड़े, 21,083 करोड़ पहुंचा

रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा एयरोस्पेस के क्षेत्र में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश शामिल है, जिसमें विमान, हेलीकॉप्टर, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), एवियॉनिक्स और संबंधित प्रणालियों में निवेश शामिल है।

सुशील कुमार मोदी नहीं रहे

पटना/नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी का सोमवार को नई दिल्ली में निधन हो गया । वह 72 वर्ष के थे। श्री मोदी गले में कैंसर की बीमारी से पीड़ित थे और उनका इलाज दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में चल रहा था, वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। इससे पहले बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने पिछले महीने ही राजनीति से संन्यास लिया था। लोकसभा चुनाव के बीच उन्होंने यह ऐलान किया था। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा था कि पिछले छह माह से कैंसर से संघर्ष कर रहा हूं। अब लगा कि लोगों को बताने का समय आ गया है। लोकसभा चुनाव में कुछ कर नहीं पाऊंगा। प्रधानमंत्री को सब कुछ बता दिया है। उनके परिवार में उनकी पत्नी के अलावा दो पुत्र हैं। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर इसकी पुष्टि की।

धर्म के आधार पर पाकिस्तान इस्लामिक राष्ट्र बना

तो भारत हिंदू राष्ट्र क्यों नहीं बन सकता: कंगना

कुल्लू, 13 मई (एजेंसियां)।

जब 1947 में धर्म के आधार पर पाकिस्तान को एक इस्लामिक देश बना दिया गया था, तो फिर भारत को हिंदू राष्ट्र क्यों नहीं बनाया? हमारे पूर्वजों ने मुगलों और अंग्रेजों की गुलामी देखी थी। उसके बाद कांग्रेस का कुशासन भी देखा। ये कहना है हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा की उम्मीदवार और अभिनेत्री कंगना राणावत का। उन्होंने हिंदू राष्ट्र की पैरवी करते हुए कहा कि इसे अब हम हिंदू राष्ट्र बनाएंगे।

कंगना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एक चुनावी जनसभा के दौरान बोल रहीं थीं। उसी दौरान उन्होंने ये बातें कहीं। कंगना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को युगपुरुष करार देते हुए कहा के असल मायनों में देखें तो वास्तविक आजादी तो 2014 के बाद मिली। सोचने की स्वतंत्रता, अपना धर्म और सनातन की स्वतंत्रता के साथ ही इस देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की स्वतंत्रता।

उल्लेखनीय है कि फिल्म अभिनेत्री और भाजपा प्रत्याशी कंगना राणावत लंबे वक्त से राष्ट्रवादी सोच के साथ बोलती रही हैं। इससे पहले भी जब उनका भाजपा से कोई लेना-देना नहीं था, तब भी वह पीएम मोदी की तारीफ करती रही हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की 2021 में तारीफ करते हुए कहा था कि यही सच्ची आजादी है। उन्होंने तब भी कहा था कि देश को सच्ची आजादी तो 1947 नहीं, बल्कि 2014 में मिली है।भाजपा ने 2024 लोकसभा इलेक्शन में कंगना राणावत को हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से चुनावी मैदान में उतारा है। यहां उनका मुकाबला कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह से है। मंडी में सातवें चरण में वोट डाले जाएंगे। मंडी लोकसभा सीट से जब भाजपा ने उम्मीदवार बनाया तब कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता ओछेपन पर उतर आए थे। एक महिला होने के बाद भी कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ताओं में से एक सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना राणावत की तस्वीर शेयर करते हुए टिप्पणी की थी, मंडी का क्या भाव है।

आपा सांसद स्वाति मालीवाल का अरविंद केजरीवाल पर संगीन आरोप

केजरीवाल ने अपने पीए से स्वाति मालीवाल को पिटवाया

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

आम आदमी पार्टी (आपा) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालिवाल ने दिल्ली पुलिस से शिकायत की है कि अरविंद केजरीवाल ने अपने पीए से उन्हें पिटवाया। स्वाति मालीवाल ने कहा, मुझे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पीए विभव कुमार से पिटवाया है। इस मामले में दिल्ली पुलिस की टीम अरविंद केजरीवाल के घर पर भी पहुंची और पूछताछ की।

दिल्ली पुलिस को सोमवार सुबह आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने फोन किया और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इशारे पर उनके निजी सचिव (पीए) विभव कुमार ने स्वाति के साथ मारपीट की। इस सूचना पर पुलिस कंट्रोल रूम की जिप्सी मौके पर पहुंची, तो स्वाति मालिवाल ने उनके साथ मारपीट किए जाने की पुष्टि की। स्वाति ने मेडिकल जांच कराने से मना कर दिया और पुलिस अधिकारियों से कहा कि वह बाद में पुलिस को लिखित रिपोर्ट देंगी। इस मामले पर दिल्ली भाजपा ने सवाल उठाते हुए कहा, जिस केजरीवाल के घर में महिला आयोग की अध्यक्ष सुरक्षित नहीं। उस राज का यारों क्या कहना? इस मसले पर केजरीवाल को जवाब देना चाहिए। भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने कहा, आज सुबह केजरीवाल के घर में स्वाति को पुलिस क्यों बुलानी पड़ी?

कांग्रेस सरकार के जाते ही नक्सलियों के हाथ-पांव हो गए ढीले

4 महीने में सौ ढेर, 400 सरेंडर

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

पूर्ववर्ती केंद्र सरकार संसद में यह बात स्वीकार कर चुकी है कि भारत में सबसे ज्यादा खून लाल आतंक की वजह से बहता है। साल 2004 की 4 नवंबर को नए-नए प्रधानमंत्री बने डॉक्टर मनमोहन सिंह ने कहा था कि नक्सलवाल भारत की आतंरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी चुनौती है। साल 2010 में दंतेवाड़ा में नक्सलियों के हमले में सीआरपीएफ के 76 जवान शहीद हो गए थे और लगभग पूरी बटालियन का ही सफाया हो गया था। नक्सलवाल उस दौर में देश के 220 जिलों में था, जिसमें 83 जिलों में उनका काफी प्रभाव था। अबूझमाड़ के जंगल कुछ सालों तक अबूझ ही थे। लेकिन पिछले कुछ महीनों में नक्सलियों की जिस तरह से कमर टूट रही है और सुरक्षा बल उनका एक के बाद एक सफाया कर रहे हैं, वो बदली हुई सरकार का, उसकी इच्छाशक्ति का और बदलती रणनीति का नतीजा है। बदले दौर में यह भी स्पष्ट हुआ कि नक्सलियों को कांग्रेस और कट्टरपंथी तत्व पाल-पोस रहे थे और संरक्षण दे रहे थे।

नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भाजपा नीत राजग सरकार ने भारत देश के सबसे बड़े दुश्मन यानी वामपंथी हिंसा से निपटने की जो रणनीति अपनाई है, वो बेहद कारगर होती दिख रही है। मोदी सरकार ने साल 2027 तक पूरे देश को लाल आतंक से मुक्ति दिलाने का लक्ष्य रखा है। ये लक्ष्य तभी पूरा हो सकता था, जब नक्सलियों को उनकी ही मांद में घुसकर न सिर्फ चुनौती दी जाए, बल्कि उनकी जड़ों पर भी करारा प्रहार किया जाए।

नक्सलियों को पाल-पोस रही थी कांग्रेस

अब पिछले कुछ माह से नतीजे भी सामने आ रहे हैं। अकेले छत्तीसगढ़ में पिछले 4 माह में नक्सलियों के खिलाफ कई बड़े ऑपरेशन हुए हैं। इन ऑपरेशंस में सौ से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके हैं, जिनमें शीर्ष कमांडर तक शामिल हैं, तो 400 से ज्यादा सरेंडर कर मुख्यधारा में लौट चुके हैं।

मोदी सरकार ने जब नक्सलवाद के सफाए का लक्ष्य निर्धारित किया, तब सबसे ज्यादा जिस बात पर चर्चा हुई, वो थी नक्सलियों के खिलाफ रणनीति बनाने की। ऐसे में गृह मंत्रालय ने ये तय किया कि सीमा की रखवाली के साथ ही कश्मीर में आतंकवाद का सामना कर चुके बीएसएफ और अन्य फ्रंटल अर्धसैनिक बलों को भी नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई में सामने लाया जाए।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33°

न्यूनतम : 22°

कर्नाटक स्तरीय भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी सिद्ध प्रभाजी एवं साध्वी उदित यशा जी के पावन सानिध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा कर्नाटक स्तरीय भिक्षु दर्शन प्रशिक्षण कार्यशाला अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ साध्वी द्वारा सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। भिक्षु श्रद्धा स्वर समूह द्वारा विजय जीत का संगान किया गया। अभातेयुप राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने सभी का स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अभातेयुप द्वारा निर्देशित भिक्षु दर्शन कार्यशाला पर प्रकाश डालते हुए तेयुप राजाजीनगर के प्रति मंगलकामना संप्रेषित की। साध्वी सिद्ध प्रभा जी ने फरमाया कि मुनि थिरपालजी एवं मुनि फतेहचंदजी स्वामी ने आचार्य श्री भिक्षु से निवेदन किया कि अपने मौन का त्याग करते हुए जन-जन को भगवान महावीर के सिद्धांत से अवगत करवाएं। स्वामीजी से संबंधित अनेक दृष्टान्त से उपस्थित जन वेदनी से अवगत करवाया। आचार्य भिक्षु ने धनवंतरी के रूप में जैन सिद्धान्त को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है। साध्वी उदितयशा जी ने कहा कि जो भिक्षु दर्शन को समझ पायेगा वह उलझन को सुलझ-एगा। कार्यशाला में लगभग 200 सदस्यों की उपस्थिति रही, जिसमें लगभग 80 सदस्यों ने साध्वी द्वारा एक वर्ष में भिक्षु दर्शन पुस्तक का स्वाध्याय करने का संकल्प किया। कार्यशाला को सुव्यवस्थित आयोजन करने में प्रायोजक परिवार गुरु पुनवानी हनुमानमल, संजय बैद, रोशनलाल, दिनेश पोखरणा, मनोहरलाल, गौतम चंदजी गन्ना एवं गौतमचंद, संपतलाल दक परिवार का सहयोग प्राप्त हुआ।

मुख्य अतिथि विमल कटारिया, विशिष्ट अतिथि अभातेयुप वरिष्ट उपाध्यक्ष पवन मांडोत, दिनेश पोखरणा, संभाग प्रमुख अमित दक, राजाजीनगर सभा अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी, महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए परिषद परिवार के प्रति शुभकामनाएं संप्रेषित की। मंच संचालन राजेश देरासरिया एवं आभार संयोजक सतीश पोरवाड़ ने व्यक्त किया।

केयुप की अनोखी पहल, लोगों के लिए शीतल पेयजल की व्यवस्था

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में, अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा द्वारा राहगीरों के लिए जगह जगह शुद्ध एवं शीतल जल सेवा का शुभारंभ किया गया। जिसमें दस अलग अलग व्यापारिक क्षेत्र मिनर्वा सर्कल, सुदामा नगर, सदर पत्रपा रोड, चिकपेट, एवेन्यू रोड, ओल्ड तरगुपेट, मलेश्वरम, हलसुर, जुम्मा मस्जिद रोड में वाटर डिस्पेंसर लगाए गए। बेंगलूरु में बढ़ती गर्मी के कारण पिछले कुछ ही दिनों में अलग अलग दस जगहों पर दस वाटर डिस्पेंसर लगाए गए है। जिससे राहगीरों को शुद्ध एवं शीतल जल उपलब्ध हो सके। मानव सेवा के प्रोजेक्ट चेयरमैन प्रमोद गुलेच्छा एवं गिरीश राकेचा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट के मुख्य लाभार्थी कुशल राज, प्रमोद कुमार गु-लेच्छा, फैबियो फर्निशिंग एवं फ्यूचरा किचन सिंक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के गौतमचंद, निकेश, आशीष बाफना रहे। इन डिस्पेन्सेर के जरिए हर महीने लगभग 40000 लीटर शुद्ध पेयजल से जरूरतमंदों की प्यास बुझेगी। युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना ने सभी वॉटर डिस्पेन्सर के लाभार्थी परिवार की अनुमोदना करते हुए स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर लाभार्थी परिवार के साथ, ट्रस्ट मंडल के महा मंत्री एवं युवा परिषद के संघरक्षक कुशल राज गुलेछा, युवा परिषद के चेयरमैन भरत रांका, अध्यक्ष पंकज बाफना, उपाध्यक्ष मनीष गुलेचा एवं विकास पारख, महामंत्री विकाश खटोड़, सहमंत्री हेमंत गुलेछा, कोषाध्यक्ष भरत कोठारी, निलेश मेहता, विनोद बाफना, गौतम कोठारी, अरुण भंसाली, तेजस, कुणाल बड़कतीया, त्रिलोक गोलिया, ललित डाकलिया, हेमंत कवाड, मनीश धारिवाल, उत्तम छाजेड, गिरीश बोहरा, सुरेश बाफना, गौरव संकलेचा आदि सदस्यगण उपस्थित थे।

कार्यकर्ता स्नेह मिलन एवं धन्यवाद सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के गुंजूर के एक निजी होटल में लोकसभा चुनाव के बाद कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन तथा स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नरेंद्र मोदी को पुनः देश का प्रधानमंत्री बनाने के लक्ष्य पर पार्टी की ओर से दिन रात काम करने वाले सभी शुभचिंतकों, नेताओं एवं देवतुल्य कार्यकर्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन हेतु आयोजित कार्यक्रम में सांसद पीसी मोहन, पूर्व मंत्री अरविंद लिम्बावली एवं क्षेत्रीय विधायक मंजुला लिम्बावली की उपस्थिति में भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बेंगलूरु मध्य प्रत्याशी एवं सांसद पी.सी.मोहन ने तमाम कार्यकर्ताओं के सहयोग, समर्थन एवं परिश्रम को लेकर हृदय से धन्यवाद, आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी के आधार स्तंभ है। पूर्व मंत्री अरविंद लिम्बावली ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ की हड्डी है। बिना कार्यकर्ताओं की मेहनत के कोई जीत संभव नहीं हैं। क्षेत्रीय विधायक मंजुला लिम्बावली ने कहा कि आज भारत काम विश्व पटल पर उजागर करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनाने के लिए देशभर के भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। कार्यक्रम में लोकसभा चुनाव संयोजक वेंकटरमनप्पा (पापन्ना), सह संयोजक मुनिकृष्णप्पा, नगर मंडल अध्यक्ष मनोहर रेड्डी, ग्रामीण अध्यक्ष बी.एन. नटराज, तिरुमल बाबू, चरित्र कुमार, भूपेश कश्यप, थानाराम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट की नवीन कार्यकारिणी गठित

तेजराज मालानी अध्यक्ष, कुशलराज गुलेच्छा महामंत्री नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी की नवीन कार्यकारिणी का गठन दादावाड़ी आराधना भवन में हुआ। गठन हेतु आयोजित बैठक में सर्वप्रथम मंगलाचरण के पश्चात पूर्व अध्यक्ष निर्भय लाल गुलेच्छा ने पधारे हुए समस्त सदस्यों का स्वागत किया और पिछले कार्यकाल में सम्पन्न हुए कार्यों में समस्त कार्यकारिणी सदस्यों के सहयोग हेतु धन्यवाद आभार व्यक्त किया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने पिछले कार्यकाल में हुए कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी ने आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। जिसे आम सभा में पारित किया गया। तत्पश्चात नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें अध्यक्ष पद पर तेजराज मालानी के नाम पर चर्चा हुई और सदन की सहमति से उन्हें अध्यक्ष घोषित किया गया।

उन्होंने सभी नवीन कार्यकारिणी सदस्यों का स्वागत किया और आगामी दो वर्षों के कार्यक्रमों की रुपरेखा बताई। संघ में नए और ऊर्जावान सदस्यों को जोड़ने के साथ संघ के महत्वपूर्ण दिवस जैसे चातुर्मास प्रवेश, वार्षिक ध्वज-ारोहण, दादा गुरुदेव मेला कार्यक्रमों में संघ के अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ते हुए उनकी उपस्थिति में भव्यातिभव्य रूप से मनाना ट्रस्ट के मुख्य उद्देश्यों में एक है।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबूलाल भंसाली और उपाध्यक्ष तनसुख राज गुलेच्छा को बनाया गया। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट मंडल गुरु भगवन्तों के पठन पाठन की सेवा प्रदान करने में सदैव अग्रणी रहेगा। महामंत्री के रूप में कुशलराज गु-लेच्छा की घोषणा की गई। नवनियुक्त महामंत्री ने बताया कि पर्युषण महापर्व में विभिन्न प्रकार की धार्मिक क्रियाओं एवं तपस्याओं का आयोजन करना एवं साधु साध्वी जी भगवन्तों की विहार वैयावच्च सेवा और उनकी सार सम्हाल और भी अच्छी तरह से करना और उनको सुख साता पहुंचाने का भरसक प्रयास करना है।

कोषाध्यक्ष के पद की जिम्मेदारी रनजीत ललवानी को सौंपी गई। उन्होंने कहा कि जैन भाईयों के ठहरने एवं उनके भोजन की व्यवस्था पर और ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। संयुक्त सचिव के पद पर धर्मेन्द्र संकलेचा को नियुक्त किया गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता की जिम्मेदारी अरविन्द कोठारी को दी गई। अन्य कार्यकारी सदस्यों में पूर्व अध्यक्ष निर्भय लाल गुलेच्छा, सुरेंद्र कुमार रांका, अरविन्द कोठारी, अशोक शाह, मूलेश मालू, पारसमल पगारिया, मनोज कुमार भन्साली, कुशल डोसी, नरेंद्र पारख, अशोक चोपडा, कैलाश संकलेचा को नियुक्त किया गया। सलाहकार सदस्यों के रूप में महेंद्र कुमार रांका, तेजराज गुलेच्छा, विजयराज डोसी, घेवरचंद साकरिया, तिलोकचंद बोथरा, महेंद्र कुमार भंसाली के साथ कॉप्स सदस्यों में पुखराज कावड़, उम्मेदमल बाफना, अनिल भडकतिया, रमेश गु-लेच्छा, किरण भंसाली को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया और प्रचार प्रसार संयोजक की जिम्मेदारी ललित डाकलिया को प्रदान की गई।

जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा युवा महोत्सव 7-9 जून को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारत भर के जीतो युवाओं में नेटवर्किंग बढ़ाने, उत्पादक विच-ारों को समझने एवं विभिन्न आकर्षक गतिविधियों में भागीद-ारी का एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से जीतो बेंगलूरु साउथ के युवा विंग द्वारा आगामी 7-9 जून को एक युवा महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा जून में आयोजित होने वाले जीतो ग्रोथ समिट के एक हिस्से के रूप में इसका आयोजन होगा। महोत्सव की तैयारियों हेतु आयोजित बैठक में जीतो साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने कहा कि युवा महोत्सव युवा सदस्यों को अपने कौशल को बढ़ाने, अपने ज्ञान का विस्तार करने और समान विचारधारा वाले व्यक्तियों और पेशेवरों से जुड़ने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि यह व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास में योगदान देने वाले मजेदार और समृद्ध आयोजनों में भाग लेने का एक सुनहरा मौका है। जीतो बेंगलूरु साउथ के युवा विंग अध्यक्ष पिंकेश मेहता ने जानकारी दी कि युवा महोत्सव में प्रतिभागियों की संख्या 600 प्लस होने की उम्मीद है, जिसमें विभिन्न अध्यायों और क्षेत्रों से उपस्थित लोग महोत्सव की गतिविधियों में शामिल होने और इसकी सफलता में योगदान देने के लिए एक साथ आएंगे। महामंत्री संदीप पगारिया के अनुसार जीतो यूथ फेस्टिवल से बहुत से अनुभव प्राप्त होते हैं, जिनमें नया ज्ञान, कौशल और संपर्क शामिल हैं। प्रतिभागी इस आयोजन से मूल्यवान अंतर्दृष्टि, सार्थक बातचीत और ऐसी यादें लेकर जा सकते हैं जो व्यक्तिगत विकास और तरक्की में योगदान देती हैं। जीतो साउथ महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने व्यवसायिक विकास एवं आपसी संबंधों में वृद्धि हेतु युवाओं को मिल रहे इस स्वर्णिम अवसर को भुनाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर जीतो साउथ तथा युवा विंग के पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य मौजूद थे।

साध्वी धर्मप्रभाजी व स्नेहप्रभाजी ने किया नगर प्रवेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूज्य महासती श्री धर्मप्रभाजी और मधुर व्याख्यानी विदुषी साध्वी रत्न स्नेहप्रभाजी का रविवार को नगर प्रवेश श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सन गार्डन के तत्वावधान में हुआ। तेरापंथी सभा भवन से सभी सदस्य साध्वी के सानिध्य में विल्सन गार्डन स्थानक भवन पहुंचे। सर्वप्रथम महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। विल्सन गार्डन संघ की ओर से मीठालाल मकाना ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया। हनुमंतनगर संघ की ओर से अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, मंत्री सुरेश धोका ने कहा कि आप सभी के सहयोग से चातुर्मास 2024 में ज्यादा से ज्यादा धर्म की गंगा बहनी चाहिए एवं आध्यात्मिक शैक्षणिक चातुर्मास हो। सुरेश छल्लानी ने अपने विचार रखे। साध्वीवृंदों का आगामी चातुर्मास हनुमंतनगर में होना निश्चित है। श्री धर्मप्रभाजी ने सभा को सम्बोधित करते हुए चातुर्मास काल में ज्यादा से ज्यादा धर्म ध्यान करने की प्रेरणा दी एवं विल्सन गार्डन संघ को साधुवाद दिया। इस अवसर पर नेमीचंद भंसाली, सज्जनराज बोहरा, उत्तमचंद पिछोलिया, माणक बोहरा, हुक्मीचंद बाफना, पारसमल दुग्गड, नेमीचंद दक, संजय सिंघवी, कल्याण सिंह भुरड़, हुक्मीचंद कांकरिया, भवरलाल गादिया, ताराचंद भंडारी, शांतिलाल भंडारी, तग-तराज बाफना, अशोक धोका, चंद्रप्रकाश लोढ़ा, शांतिलाल खिवेसरा, सुवालाल दक, देवराज कोठारी, नेमीचंद चोरडिया एवं मंत्री अभय बांठिया, ज्ञानचंद लोढ़ा समेत अन्य उपस्थित रहे। संचालन मीठालाल मकाना ने किया।

ब्यावर संघ युवा शाखा ने किया वर्षीतप तपस्यार्थियों का बहुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ब्यावर संघ युवा शाखा बेंगलूरु द्वारा वर्षीतप के तपस्यार्थियों का बहुमान किया गया। युवा शाखा के कार्यकारिणी सदस्यों के परिवार में वर्षीतप के तपस्वी विजयलक्ष्मी, अरविन्द कोठारी, अक्षय भागचंद श्रीश्रीमाल का माला और स्मृति चिन्ह से अभिनन्दन किया गया। युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया ने तपस्वियों के सम्मान में कहा कि कठिन तप से आत्मा उज्जवल बनती है और निकाचित कर्म भी क्षीण हो जाते हैं और परमात्मा से सभी तपस्यार्थियों के उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की। बहुमान कार्यक्रम में श्री ब्यावर संघ के सलाहकार पन्नालाल कोठारी, महामंत्री अरविन्द कोठारी, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष विकास खटोड़, कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, सह कोषाध्यक्ष भरत कोठारी के साथ तरुण बोथरा, नितेश बोहरा, लकी बोहरा, मनीष बाफना, दिलीप हिंगड़, प्रतीक गादिया, हेमन्त गुलेच्छा, वर्धमान श्रीश्रीमाल, सुनील भण्डारी, अंजन मेहता, रोशन लोढ़ा, जितेन्द्र खिंवसरा, महावीर गुगलिया, कुनाल मरलेचा, सुशील बाफना, विकास पारख आदि सदस्य उपस्थित थे।

साधक जिनवाणी पर सच्ची श्रद्धा रखें

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंत नगर के तत्वावधान में आयोजित प्रवचन सभा में प्रखर व्याख्याता महासती विपुल दर्शना जी ने सोमवार को हनुमंत नगर जैन स्थानक में कहा कि साधक जिनवाणी पर सच्ची श्रद्धा रखें।

उन्होंने भगवान महावीर के उपदेशों की प्रासंगिकता प्रकट करते हुए कहा कि प्रभु महावीर ने संसारी जीवों को तारने के लिए जिनवाणी फरमायी है। जिनेन्द्र भगवान के वचनों में अनुरकत होने वाला एवं जिनवाणी को श्रवण कर अपने जीवन में सम्यक आचरण करने वाला जीव परित संसारी बन सकता है। आज व्यक्ति की हालत यह हो गई कि कुछ काम नहीं होने या जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों का निर्माण होने पर ही इंसान को देव गुरु धर्म, जिनव-ाणी की याद आती है। उन्होंने कहा कि मोक्ष का रिजर्वेशन करना है तो धर्माराधना को जीवन में उचित स्थान देना ही होगा। हनुमंत नगर संघ अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया। साध्वी का मंगलवार का प्रवचन भी सुबह 9.15 बजे से जैन स्थानक हनुमंत नगर में होगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *शहर के कोरमंगला में रविवार को बीजेटीसीटी होली कप का फाइनल मैंच खेला गया। फाइनल 11 स्टार और सफायर के बीच खेला गया। कप्तान दीपक बलिया ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला लिया। 11 स्टार ने 13 ओवर में 119 रन का लक्ष्य दिया। कप्तान संदीप कोठारी के सफायर ने भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन 113 रन बना कर 5 रन से हार गए। 11 स्टार ने अपना 9वां बीजेटीसीटी कप जीता। मैच के आखिरी गेंद में फैसला हुआ। मैन ऑफ द मैच ऑलराउंडर प्रदीप कोठारी रहे।*

विधान परिषद चुनाव में हमारे सभी प्रत्याशियों की जीत निश्चित: बी.वाई.विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधान परिषद चुनाव के लिए सोमवार को दो उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने विश्वास के साथ कहा कि हमारे सभी उम्मीदवार जीतेंगे। उन्होंने शहर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा हमारी पार्टी, जेडीएस पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में, हमारे दो उम्मीदवारों ने शुभगारे में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है।

उन्होंने कहा कि विधान परिषद में व्यापक अनुभव रखने वाले हमारे दोनों उम्मीदवार एक बार फिर बड़े अंतर से विजयी होंगे। भाजपा और जेडीएस पार्टियों ने मिलकर लोकसभा चुनाव का सामना किया था। उन्होंने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि इस चुनाव का मिलकर मुकाबला करने से हमारे उम्मीदवार सभी निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल करेंगे। विपक्षी नेता आर. अशोक ने कहा कि सिद्धरामैया के साथ चाहे कोई भी प्रचार करे, कांग्रेस के पास यहां टिके रहने की कोई संभावना नहीं है। वाईए नारायणस्वामी और ए.देवेगौड़ा की जीत तय है। उन्होंने कहा कि ए देवेगौड़ा को मतदाताओं की सद्भावना हासिल है।

उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों ने सक्षम उम्मीदवार उतारे हैं। वाई. ए. नारायणस्वामी और ए. देवेगौड़ा ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, पूर्व डीसीएम गोविंद करजोल, डॉ. अश्वथ नारायण, राज्यसभा सदस्य लहर सिंह, सांसद पीसी मोहन, विधायक सुरेश गौड़ा, नेता लक्ष्मी नारायण, पूर्व विधायक एम. कृष्णारेड्डी और अन्य नेता उप-स्थित थे।

सरकार गिराने का सपना देख रही भाजपा: रामलिंगारेड्डी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
परिवहन मंत्री रामलिंगारेड्डी ने कहा कि भाजपा सपना देख रही है कि राज्य की कांग्रेस सरकार गिर जाएगी। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर जेडीएस और बीजेपी दोनों साथ आ जाएं तो उनके पास 84 विधायक हो जाएंगे। हमारे पास 137 विधायक हैं। अगर हमारी सरकार गिरनी है तो 55 से ज्यादा विधायकों को इस्तीफा देना होगा। हमारी संख्या 83 होनी चाहिए। तो सरकार गिर सकती है, नहीं तो बीजेपी नई सरकार कैसे बनाएगी? वे दावा कर रहे थे कि लोकसभा चुनाव में वे 28 की 28 सीटें जीतेंगे। लेकिन अगर आप जनता की नब्ज देखें तो उनके लिए दहाई का आंकड़ा पार करना मुश्किल है। कांग्रेस के ज्यादातर उम्मीदवार जीतेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा हताश है और इस तरह का बेतुका अभियान चला रही है। लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के 10 से ज्यादा सांसदों को गो बैक का नारा दिया गया था। पहले उन्हें अपने घर की ठीक से देखभाल करने दीजिए। फिर आइए अपनी पार्टी के बारे में चर्चा करते हैं। भाजपा में ऐसा नेतृत्व किसके पास है जो वोट दिला सके? येदियुरप्पा बूढ़े हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव में मोदी को वोट देने को कहा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने बीजेपी के नाम पर या अपने लायक उम्मीदवारों के नाम पर वोट नहीं मांगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बयान पर जोर देने की जरूरत नहीं है। यदि भारत गठबंधन केंद्र में सत्ता में आता है, तो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार गिर जाएगी। पहले उन्हें अपनी सरकार बनाए रखनी चाहिए।

हम सरकार को अस्थिर करने की कोशिश नहीं करेंगे: विजयेंद्र

अगर खुद ऐसा हुआ तो हम क्या करेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने कहा कि हम किसी भी कारण से कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने का प्रयास नहीं करेंगे। अगर यह अपने आप गिर जाता है, तो हम क्या कर सकते हैं? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उनका क्या मतलब है। एक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर मैं मीडिया के सामने एक जिम्मेदार बयान दे रहा हूं। उन्होंने उन अफवाहों पर पर्दा डालने की कोशिश की कि सरकार को अस्थिर करने की कोई कोशिश नहीं की जाएगी। हम विपक्ष में बैठे हैं और जिम्मेदारी से काम कर रहे हैं। पूर्ण बहुमत वाली कांग्रेस सरकार को अस्थिर करना आसान बात नहीं है। मुझे नहीं पता कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किस अर्थ में बयान दिया। उन्होंने कहा कि इसका जवाब उन्हें खुद देना चाहिए। हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि लोकसभा चुनाव का परिणाम क्या होगा। हमने इस पर बहुत ध्यान दिया। बहुमत वाली सरकार को अस्थिर करना आसान नहीं है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि हम लोकसभा चुनाव के बाद राजनीतिक घटनाक्रम की भविष्यवाणी नहीं कर सकते। लोकसभा चुनाव में उन्हें अच्छे नतीजे मिलेंगे। मतदान हमारी उम्मीदों से अधिक रहा। बड़ी संख्या में मतदाताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वोट दिया।

विधान परिषद चुनाव

रामोजीगौड़ा व बीडी श्रीनिवास ने कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र किया दाखिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु सिटी ग्रेजुएट निर्वाचन क्षेत्र के रामोजी गौड़ा और उत्तर पूर्व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के बीडी श्रीनिवास ने शिक्षकों और स्नातकों के 6 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चल रहे चुनावों में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार, मंत्री रामलिंग-रेड्डी, के.एच.मुनिअप्पा, मधु बंगारप्पा, सांसद डी.के.सुरेश, विधान परिषद सदस्य पुट्टन्ना, नसीर अहमद और कई अन्य उपस्थित थे। इससे पहले रामोजी गौड़ा ने मुख्य सड़कों पर जुलूस निकाला। बाद में, उन्होंने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के साथ शांतिनगर में क्षेत्रीय आयुक्त और रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में अपना नामांकन पत्र जमा किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के दो उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है और दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में हमारे उम्मीदवार जीतेंगे। हमने 6 महीने पहले ही उम्मीदवारों की घोषणा कर दी थी। वह एक दौर के लिए मतदाताओं से संपर्क कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि वे शिक्षकों और स्नातकों की समस्याओं का जवाब देंगे। डीके शिवकुमार ने कहा कि हमारी पार्टी के दोनों उम्मीदवार अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं से वाकिफ हैं। पहले न तो शिक्षकों को और न ही स्नातकों को कोई लाभ मिलता था। हमारी सरकार ने ग्रेजुएट्स की मदद की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में ही एनईपी में संशोधन और एसईपी लागू करने समेत कई मुद्दों की जानकारी शिक्षकों को दी है। शिक्षकों और स्नातकों को सुविधा देना उनकी जिम्मेदारी है। हमारी पार्टी को वोट देना उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि उन्हें काम चाहिए, हमें वोट चाहिए, हमारे उम्मीदवार 6 निर्वाचन क्षेत्रों में जीतेंगे जैसे पिछले चुनाव में प्रकाश हुक्केरी और मधु माडे गौड़ा जीते थे।

अपहरण का मामला

पीड़िता के बयान पर गृह मंत्री परमेश्वर ने प्रतिक्रिया देने से किया इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने अपहरण मामले में पीड़िता द्वारा दिए गए बयान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है जिसके कारण पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी हुई थी। शहर में मीडिया ने हमेशा की तरह गृह मंत्री का बयान लेने की कोशिश की। परमेश्वर ने अपना चेहरा घुमा लिया और एसआईटी के कहे अनुसार जवाब देने से इनकार करते हुए कार में बैठ गए। जब उनसे अपहरण कांड की पीड़िता के बयान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि एसआईटी से पूछा जाना चाहिए। वह यह कहकर वहां से चले गए कि वह हर दिन एसआईटी जांच की जानकारी नहीं दे सकते। हासन में पाए गए पेन ड्राइव पर अश्लील वीडियो सामने आने के बाद से कई विकास हुए हैं, और कहा जाता है कि वीडियो में मौजूद पीड़ितों में से एक का अपहरण कर लिया गया था। महिला के बेटे ने पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना और संतोष बाबू के खिलाफ मैसूरु के केआर नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

इस मामले में एचडी रेवन्ना और उनके रिश्तेदार संतोष बाबू को गिरफ्तार किया गया था। अब पीड़ित महिला ने गुमनाम जगह से वीडियो संदेश के जरिए अपना बयान दिया है। महिला ने साफ किया कि उसका किसी ने अपहरण नहीं किया है। मैं रिश्तेदार के घर आई हूं। मैं सुरक्षित और स्वस्थ हूं। उनके बेटे ने शिकायत की, क्योंकि वह मुझे नहीं देख रहे थे। मुझे किसी से कोई परेशानी नहीं है। यहां उनका अच्छे से ख्याल रखा जाता है। जब उन्होंने अपने रिश्तेदार के घर टीवी देखा तो पता चला कि रेवन्ना मुसीबत में हैं। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि मुझे रेवन्ना, भवानी अक्का या संतोष बाबू से कोई समस्या नहीं है, किसी ने मेरा अपहरण नहीं किया है। मैं कुछ दिन बाद आऊंगी। विवादित वीडियो से मेरा कोई लेना-देना नहीं है। महिला ने नाराजगी जताते हुए कहा कि उसे नहीं पता कि इस तरह का अभियान क्यों चलाया जा रहा है। हम दिहाड़ीदार हैं। पुलिस बेवजह हमारे घर जाकर हमें परेशान न करे। महिला ने अधीरता जाहिर करते हुए कहा कि घर में छोटे-छोटे बच्चे हैं, वे डर रहे हैं और पड़ोसी शक की निगाह से देख रहे हैं।

गोलीबारी के बाद हत्या का आरोपी गिरफ्तार

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर पुलिस ने सोमवार को शिवमोग्गा के पास बीरानाकेरे में गोली चलाने के बाद हत्या के मामले में वांछित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। शोएब हाल ही में शहर के लश्कर मोहल्ले में हुई हत्या के मामले में आरोपी था। इनपुट पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस उप-निरीक्षक कुमार के साथ पुलिस की एक टीम उसे गिरफ्तार करने के लिए जगह पर पहुंची। आरोपी ने पुलिस पर हथियार से हमला कर भागने की कोशिश की। शिवमोग्गा के एसपी जी.के. मिथुन कुमार के अनुसार, पीएसआई कुमार ने आत्मरक्षा के लिए उन पर गोलियां चलाईं। शोएब उस मामले में आरोपी था जिसमें दो समूहों के बीच झड़प के बाद तीन लोगों की हत्या कर दी गई थी। उसकी पहचान उपद्रवी आदिल से हो गई थी। वह हत्या सहित पांच मामलों में आरोपी था। एसपी ने कहा कि पुलिस ने उन्हें हाल ही में उपद्रवी गतिविधियों में शामिल होने के खिलाफ चेतावनी दी थी।

बिजली गिरने से किसान की मौत

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के कमलापुर तालुक के गोगी गांव के 43 वर्षीय किसान अप्पाराय भीमराया कलामुद की रविवार को बिजली गिरने से मौत हो गई। उनके परिवार में मां, पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है। ग्रामीणों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जब बारिश हो रही थी तो वह एक पेड़ के नीचे शरण ले रहे थे और आकाशीय बिजली की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। राजस्व निरीक्षक, ग्राम लेखाकार और पुलिस उपनिरीक्षक ने गांव का दौरा कर मौका मुआयना किया।

उडुपी के पूर्व विधायक रघुपति भट्ट निर्दलीय एमएलसी चुनाव लड़ेंगे

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व विधायक और आगामी एमएलसी चुनावों के लिए टिकट के इच्छुक रघुपति भट्ट ने स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि के रूप में स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। यहां सोमवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा विधानसभा चुनाव के दौरान, मैंने शुरू में पार्टी के फैसले पर असंतोष व्यक्त किया था। हालांकि, अंततः मैंने पार्टी उम्मीदवार का समर्थन किया और लगभग 33,000 वोटों की बढ़त हासिल की।

मैंने पहले राजनीति से संन्यास लेने पर विचार किया था, लेकिन प्रमुख नेताओं ने मुझे पार्टी के लिए काम करना जारी रखने के लिए मना लिया। पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होने के दौरान, मैंने एमएलसी सीट के लिए अनुरोध किया और मुझे इसका आश्वासन दिया गया। मैंने 38,000 नए मतदाताओं को नामांकित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही लोकसभा चुनाव के दौरान शिवमोग्गा के प्रभारी की जिम्मेदारी भी मैंने कुशलतापूर्वक संभाली।

जब पार्टी ने टिकटों की घोषणा की, तो मैं बेंगलूरु में पार्टी कार्यालय में था। हालांकि अगर टिकट किसी वरिष्ठ नेता को दिया गया होता तो मैं संतुष्ट होता, लेकिन जब यह हाल ही में पार्टी में शामिल हुए धनंजय सरजी के पास गया तो मैं निराश हो गया। एक योग्य उम्मीदवार होने के बावजूद, अन्य वरिष्ठ उम्मीदवारों के साथ, मुझे नजरअंदाज कर दिया गया। सोशल मीडिया पर अपनी निराशा व्यक्त करने के बाद, मेरे द्वारा नामांकित कई मतदाता मेरे पास आए और अपना समर्थन दिया।

मैं भाजपा के प्रति प्रतिबद्ध हूं, चाहे मैं जीतूं या हारूं। यह निर्णय पार्टी के खिलाफ विद्रोह का कार्य नहीं है, बल्कि शिक्षकों और स्नातकों के लिए काम करने की मेरी इच्छा से उपजा है। पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, भाजपा नेता आर अशोक और अन्य ने मुझे इस पद का आश्वासन दिया था। मुझे शिक्षक और स्नातक समुदायों से भारी समर्थन मिला है। मैं अपने फैसले पर कायम हूं और इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। यह मेरा अंतिम रुख है और मुझे इस पर पूरा भरोसा है। मुझे टिकट न देने के फैसले को किसने प्रभावित किया होगा, मुझे इसकी जानकारी नहीं है। सीट सुरक्षित करने के लिए लगभग 20,000 वोटों की आवश्यकता है, और मैंने सफलतापूर्वक 38,000 मतदाताओं को नामांकित किया है। भले ही मैं विजयी हो जाऊं, मैं भाजपा का समर्थन करना जारी रखूंगा। नामांकन 16 मई को दाखिल किए जाएंगे। मेरे फैसले को वापस लेने का कोई सवाल ही नहीं है। मैं संभावित परिणामों से अवगत हूं। झंडा मेरी पहचान है, और मैं भाजपा के झंडे का गहरा सम्मान करता हूं। मुझे विश्वास है कि भाजपा अगले चुनाव में मेरा फिर से स्वागत करेगी।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हवसी मौलाना की हत्या मस्जिद के ही बच्चों ने की

चार साल से नाबालिगों से कर रहा था दरिंदगी

अजमेर, 13 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर में पिछले माह एक मौलाना माहिर के मस्जिद के अंदर ही बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उस हत्याकांड को लेकर पुलिस ने चौकाने वाला खुलासा किया है। पचा चला है कि मौलाना की हत्या उसके साथ मस्जिद में रहकर इस्लामी तालीम लेने वाले नाबालिग बच्चों ने ही की थी। उस पर आरोप ये है कि वह बीते चार साल से उन बच्चों का कुकर्म कर रहा था। इसीलिए सभी ने मिलकर उसकी हत्या कर दी।

अजमेर के कंचन नगर स्थित मोहम्मदी मदीना मस्जिद की ये घटना है। पुलिस जांच से पता चला है कि मृतक मौलाना उत्तर प्रदेश के रामपुर का रहने वाला था। वह करीब 7 साल पहले अजमेर आया था। वो यहीं मस्जिद में रहकर बच्चों को दीनी तालीम देता था। उसके मस्जिद में 15 बच्चे पहले से रह रहे थे। ईद के कारण 10 बच्चे अपने घर चले गए थे और शेष 5 बच्चे ही वहां बचे हुए थे।

मौलाना भी रामपुर गया हुआ था। वह 25 अप्रैल को रामपुर से वापस आया और अपने साथ वह एक अनाथ बच्चे को लाया।

गांव से मौलाना के साथ आए बच्चे ने बताया कि 25 अप्रैल को ही रात में मौलाना ने उसे अपने पास बुलाया और पैसों का लालच देकर उसके साथ कुकर्म किया। बच्चे ने अगले दिन बाकी बच्चों को अपने साथ हुई घटना के विषय में बताया। इस पर सभी बच्चों के अंदर भरा दुख और दर्द उबल पड़ा। शेष पांचों बच्चों ने बताया कि उनके साथ भी वह पिछले पांच वर्षों से लगातार कुकर्म करता आ रहा है।

सभी पीड़ित नाबालिगों ने दरिंदे मौलाना को ठिकाने लगाने की सोची। इसके लिए सभी ने मिलकर एक मास्टर प्लान तैयार किया। 26 अप्रैल की ही रात में मौलाना जैसे ही बच्चों को मस्जिद में अकेला छोड़कर बाहर खाने के लिए चला गया तो बच्चे पास के मेडिकल स्टोर पर गए। वहां से वे नींद की गोलियां लेकर आए। अब बारी थी इस प्लान को जमीन पर उतारने की, तो इसके लिए सभी ने मौलाना को रायता देने का फैसला किया। बच्चों ने सबसे पहले नींद की कई सारी गोलियों को पीसा और फिर मौलाना के रायते में अच्छे से मिला दिया। रात के करीब 10 बजे मौलाना बाहर से खाना खाकर मस्जिद में आता है और रायता पीकर सोने चल देता है। क्योंकि रायते में पहले से नींद की गोली मिली हुई थी, अत: मौलाना गहरी नींद में सो जाता है। इस बात की पुष्टि अजमेर जिले के एसपी ने बच्चों से पूछताछ के आधार पर की है।

एसपी ने बताया कि मौलाना के सोने के बाद नाबालिग आरोपी मस्जिद के पीछे रखे कबाड़ के पास जाते हैं और वहां से एक डंडा निकालते हैं। एक रस्सी की भी व्यवस्था करते हैं। सभी ने उस रात नहीं सोने का फैसला किया और रात के 2 बजे सभी नाबालिग डंडा और रस्सी लेकर मौलाना के कमरे में पहुंचे। वहां उन्होंने मौलाना के सिर पर तेजी डंडे का वार किया। दर्द से बिलबिलाते हुए मौलाना ने खड़े होने की कोशिश की, लेकिन तब तक बाकी के बच्चों ने उसे वहीं पर पटककर रस्सी का फंदा उसके गले में कस दिया।

बच्चों ने बताया कि मौलाना के मरने के बाद वे सभी कमरे से बाहर आ गए। बच्चों ने प्लान तो बहुत ही तगड़ा बनाया था, लेकिन पुलिस की सख्ती के सामने वे टिक नहीं पाए। फिलहाल, इस हत्या के मामले में 6 नाबालिगों को हिरासत में रखा गया था।

हल्द्वानी कांड के सरगना मलिक सहित 107 आरोपियों पर यूएपीए

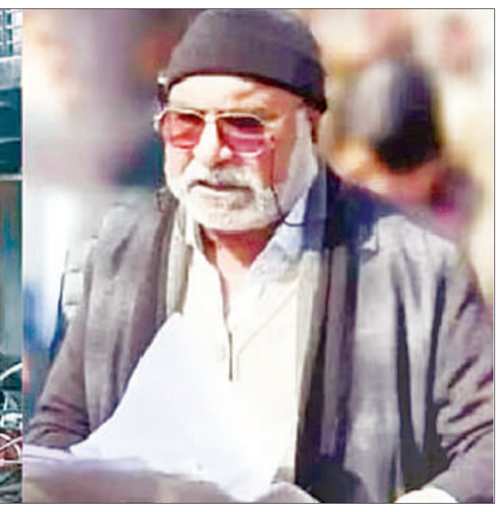

देहरादून, 13 मई (एजेंसियां)। हल्द्वानी बनभूलपुरा क्षेत्र में बीते आठ फरवरी को हुई हिंसा के मामले में बड़ा एक्शन हुआ है। पुलिस ने जेल में बंद सभी 107 आरोपियों के खिलाफ गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत कार्रवाई कर दी है।

पुलिस ने हिंसा के बाद मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक समेत 36 लोगों के खिलाफ यूएपीए के तहत 26 फरवरी को ही कार्रवाई कर दी थी। अब जेल में बंद सात महिलाओं समेत 71 अन्य आरोपियों पर भी यूएपीए की धारा बढ़ा दी गई है। हल्द्वानी हिंसा मामले में पुलिस ने अलग-अलग तीन मुकदमे दर्ज किए थे। इनमें अब्दुल मलिक, उसके बेटे मोईद मलिक और सात महिलाओं समेत 107 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। बीते शुक्रवार को जिला एवं सत्र न्यायालय हल्द्वानी में 98 आरोपियों को पेश किया गया था। इसके बाद अदालत ने सभी की न्यायिक हिरासत 28 दिन के लिए आगे बढ़ा दी है। एसएसपी पीएन मीणा ने बताया कि 71 और आरोपियों को मिलाकर जेल में बंद सभी 107 लोगों के खिलाफ यूएपीए एक्ट की धाराएं बढ़ा दी गई हैं।

गौरतलब है कि हल्द्वानी बनभूलपुरा में उत्तराखंड में यूसीसी लगने के बाद 8 फरवरी को नगर निगम अब्दुल मलिक का बगीचा में अतिक्रमण हटाने गई थी, जहां उस पर जानलेवा हमला कट्टरपंथियों ने कर दिया। पुलिस वालों को घेरकर उन पर पत्थर बरसाए गए, पेट्रोल बम फेंके गए। साथ ही 20 पुलिसकर्मियों को जिंदा जलाने की भी कोशिश की गई। यहीं नहीं कट्टरपंथियों ने बनभूलपुरा पुलिस स्टेशन को जला दिया था। सैकड़ों गाड़ियों को जला दिया गया था।

हिंदूवादी नेताओं को धमकी देता था बिहार का शकील, गिरफ्तार

कर्णावती, 13 मई (एजेंसियां)। हिंदू सनातन धर्म के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अन्य हिंदूत्त्वनिष्ठ नेताओं को फोन पर जान से मारने की धमकी देने वाले सूरत के कठोर गाँव के मौलवी सोहेल टिमोल और मुज़फ्फरपुर के शहनाज़ की गिरफ्तारी के बाद इस मामले में सूरत पुलिस ने तीसरी गिरफ्तारी महाराष्ट्र के नांदेड़ से की है। पुलिस ने नांदेड़ से शकील को उठाया है जिसकी इस मामले में अहम भूमिका मानी जा रही है।

सूरत पुलिस ने हिंदूत्त्वनिष्ठ नेत-ाओं को फोन पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में महाराष्ट्र के नांदेड़ से शकील उर्फ रजाक सत्तार शेख को गिरफ्तार किया है। हिंदूत्त्वनिष्ठ नेताओं को कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान शकील भी धमकी देता था और उसने उपदेश राणा, राजा सिंह और नुपुर शर्मा की रेकी भी की थी। उपदेश राणा के साथ फोन पर पाकिस्तान के डोगरा से भी बातचीत होने की जानकारी सामने आई है, जिसके चलते पुलिस और भी पाँच से सात लोगों की पूछताछ कर सकती है। साथ ही सोशल मीडिया के जरिए जो लोग भी इस मामले से जुड़े हुए थे, ऐसे लोगों को एक के बाद एक पुलिस अपने रडार में ले रही है।

इस मामले में बिहार के मुजफ्फरपुर से सूरत पुलिस ने जिसे दबोचा, उस शहनाज़ उर्फ मोहम्मद अली मोहम्मद साबिर को 12 दिन के रिमांड पर लिया गया है। आर-ोपी शहनाज़ का पाकिस्तान कनेक्शन सामने आया है और उसके मोबाइल से कुछ पाकिस्तानी फोन नंबर भी मिले हैं। जिसके आधार पर उसके पाकिस्तान जाकर आए होने की भी पुलिस को आशंका है। शहनाज़ के एक मोबाइल से से दो वॉट्सऐप भी मिले हैं। इन सभी जानकारियों के आधार पर पुलिस ने आगे की जांच शुरू की है।

श्रीनगर ने मतदान का अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 13 मई।

कश्मीर में मतदान ने देश को चाहे निराश किया हो पर प्रदेश के नेता और अधिकारी खुश इसलिए हैं क्योंकि श्रीनगर संसदीय क्षेत्र में सबसे कम मतदान दर्ज किया गया। पर खुशी इस बात की थी कि श्रीनगर संसदीय क्षेत्र ने अपने ही रिकार्ड को जरूर तोड़ा है।

श्रीनगर लोकसभा सीट पर पांच बजे तक 35.75 प्रतिशत मतदान हुआ था जो अपने आपमें एक रिकार्ड था जबकि दोपहर तीन बजे तक 29.93 प्रतिशत मतदान हुआ था। इससे 2014 के कुल मतदान प्रतिशत का रिकॉर्ड भी टूट गया था। 2014 में 25.86 फीसदी वोटिंग हुई थी। वहीं, 2019 में 14.43 प्रतिशत ही मतदान हुआ था। कश्मीर घाटी में सबसे पहले इसी संसदीय सीट पर मतदान हुआ है। श्रीनगर सीट में 17.43 लाख मतदाता है, जिसमें 8,73,426 पुरुष, 870368 महिलाएं और 53 ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र में मतदान के पहले चार घंटों में 14.94 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। यह आंकड़ा 2019 के कुल मतदान प्रतिशत से अधिक है। 2019 में श्रीनगर लोकसभा सीट पर कुल मतदान लगभग

14.43 प्रतिशत हुआ था। जबकि, 2014 में 25.86 फीसदी वोटिंग हुई थी।

चौथे चरण में श्रीनगर लोकसभा सीट के लिए आज मतदान हुआ। 52,100 कश्मीरी हिंदू मतदाता जम्मू, ऊधमपुर व दिल्ली में स्थापित विशेष मतदान केंद्रों पर पहुंच कर अपना मतदान करते नजर आए थे। इसमें 25,760 पुरुष मतदाता थे। इसके लिए जम्मू जिले में 21 के अलावा 2 मतदान केंद्र उधमपुर व चार मतदान केंद्र दिल्ली में स्थापित किए गए थे।

श्रीनगर में नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और पार्टी के उपाध्यक्ष के उमर अब्दुल्ला ने मतदान किया। उमर अब्दुल्ला के दोनों बेटे जहीर और जमीर ने भी मतदान किया। बताया जा रहा है कि जहीर और जमीर ने पहली बार अपने मत का प्रयोग किया। श्रीनगर लोकसभा सीट पर जारी मतदान के बीच कंगन विधानसभा क्षेत्र में एक दूल्हा शादी के दिन मतदान करने के लिए पहुंचा। उन्होंने अपनी शादी की मेहंदी के साथ लोकतंत्र के जश्न की स्याही का भी रंग जोड़ दिया है। दुल्हा बने मोहम्मद अशरफ ने बताया कि वह शादी से पहले देश के हित में अपना फर्ज निभाने आए हैं। पहले मतदान किया है और फिर अगला काम करेंगे। ऐसा नजारा कश्मीर में पहली बार नजर आया था।

आतंकवाद और पथराव के लिए के लिए कुख्यात पुलवामा में फीजा बदली नजर आई थी। इस दक्षिण कश्मीर जिले में मतदान केंद्रों के द्वार पर उत्साही मतदाताओं की भीड़ देखी गई थी। हर पोलिंग स्टेशन पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिली थीं। जम्मू कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी पीके पोले सोमवार को श्रीनगर के शहर-ए-खास इलाके में बनाए गए मतदान केंद्रों का जायजा लिया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि श्रीनगर सीट के लिए बनाए गए सभी मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीकों से मतदान हो रहा है। कुल 2135 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां पीठासीन अधिकारी के साथ चार मतदान कर्मी तैनात हैं। कुल 8500 मतदान कर्मियों की तैनाती की गई है। कुल 20 पिंक बूथ बनाए गए हैं, जहां महिला कर्मी तैनात हैं। 18 बूथ दिव्यांग तथा 17 बूथ युवाओं की देखरेख में थे। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए 21 ग्रीन बूथ भी बनाए गए थे।

पीओके के लोगों को भी हैं मोदी की गारंटी पर विश्वास : सीएम योगी

बांदा, 13 मई (एजेंसियां)। देश में 80 करोड़ जरूरतमंदों को फ्री में राशन दिया जा रहा है। वहीं आज एक समाचार पत्र में छपा है कि पाकिस्तान में एक किलो आटे के लिए मारपीट हो रही है। वहां दंगे हो रहे हैं। पीओके में लोग भारत का हिस्सा बनने के लिए लगातार आंदोलन चला रहे हैं क्योंकि यहां (भारत) मोदी सरकार का शासन है। उनका मोदी की गारंटी पर विश्वास है कि वह यहां खुशहाल रहेंगे। वहीं पाकिस्तान का राग अलापने वालों को वहां चले जाना चाहिये। वह वहां भीख मांगे और भूखे मरे। भारत पर बोझ न बनें क्योंकि ये लोग भारत की प्रगति के बैरियर बने हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सफलता पर सिर्फ दो लोग को आपत्ति है। इसमें रामद्रोही और पाकिस्तान के समर्थक शामिल है जबकि पूरा हिंदुस्तान मोदीमय हो चुका है। आज मोदी लहर सुनामी बनने की ओर अग्रसर है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

सोमवार को नरैनी में बांदा लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा के प्रत्याशी आरके सिंह पटेल के पक्ष में वोट की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नए भारत में नया उत्तर प्रदेश और नया बुंदेलखंड दिखाई दे रहा है। सपा ने यहां के नौजवानों के हाथों में तमंचा पकड़वाने का काम किया जबकि हमने उन्हे टैबलेट दिया। इससे वह स्मार्ट युवा बन रहे हैं और वह डिफेंस कॉरिडोर में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि सात वर्ष पहले बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे से चित्रकूट जुड़ा, जिसकी पहले कल्पना नहीं की जा सकती थी। पिछले सरकारें यहां के संसाधनों को लूटती थीं। वह बुंदेलखंड के बांदा और चित्रकूट को बदनाम करती थीं। इतना ही नहीं वह यहां के लोगों को प्यासा तड़पने के लिए छोड़ देते थे। आज यहां हर घर नल योजना अपने अंतिम चरण में चल रही है।

सीएम ने कहा कि हम बुंदेलखंड में विकास की हर वह योजना लेकर आएंगे, यह बुंदेलखंड वांछित था। हमें बुंदेलखंड को विकास से जोड़ने में अपार सतुंष्टि होती है क्योंकि यह वही धरती है जिसने प्रभु श्रीराम को संकट के समय आश्रय दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर देशव-ासी को बिना भेदभाव के गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस, सपा और बसपा ने लूटने का काम किया है। उनका गरीब जनता से कोई सरोकार नहीं रहा। यह लोग राम मंदिर का विरोध करते हैं क्योंकि इन लोगों की नियत देश के प्रति अच्छी नहीं है। इंडी गठबंधन के मेनिफेस्टो में पिछड़ी जातियों का आरक्षण काटकर मुसलमानों को देने की बात कही गयी है। इसके साथ ही अल्पसंख्यकों को खान पान में छूट देने की बात कही है। वह उन्हे गो मांस खाने की छूट देने की बात कहते हैं। हम न तो आरक्षण में सेंध लगाने देंगे और न ही अल्पसंख्यकों को खान-पान में छूट देने देंगे क्योंकि गो माता हमारी जननी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राहुल गांधी सत्ता में आने पर एक झटके में गरीब मिटाने की बात कहते हैं। वह देश से गरीबी नहीं बल्कि देशवासियों के पूर्वजों की संपत्ति का सर्वे कराकर हड़पने का काम करेंगे। ऐसे में इन लोगों से सावधान रहने की जरुरत है। सीएम ने कहा कि यह चुनाव रामभक्त और रामद्रोहियों के बीच का है। ऐसे में आपको तय करना है कि अपना वोट किसे देना है। आपके एक गलत वोट से देश में गो हत्या, जाति और वर्ग संघर्ष की स्थिति पैदा होगी।

इस पर आपको आने वाली पीढ़ी माफ नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि देश और बुंदेलखंड बुलेट ट्रेन की स्पीड से आगे बढ़ रहा है। हमे इस स्पीड को जारी रखना है इसके लिये आपको कमल के निशान पर वोट करना है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने बुंदेलखंड को पेयजल के लिए तरसाया, उन्हें अब एक-एक वोट के लिए तरसाने का वक्त आ गया है। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री रामकेश निषाद, विधायक प्रकाश द्विवेदी, ओम मणि वर्मा, पूर्व मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व सांसद रमेश चंद्र द्विवेदी, भाजपा के जिलाध्यक्ष संजय सिंह, जिलाध्यक्ष चित्रकूट लवकुश चतुर्वेदी आदि उपस्थित रहे।

चौथे चरण में 13 लोकसभा सीटों पर हुआ 58 प्रतिशत मतदान

लखनऊ, 13 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के चतुर्थ चरण में प्रदेश के 13 लोक सभा निर्वाचन क्षेत्रों शाहजहांपुर (अ.जा.), खीरी, धौरहरा, सीतापुर, हरदोई (अ.जा.), मिश्रिख (अ.जा.), उन्नाव, फर्रूखाबाद, इटावा (अ.जा.), कन्नौज, कानपुर, अकबरपुर, बहराइच (अ.जा.) के साथ ही ददरौल विधानसभा क्षेत्र में उप चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि चौथे चरण की 13 लोकसभा सीटों में जनपदों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सायं 6 बजे तक औसतन 58.09 प्रतिशत मतदान हुआ है। उन्होंने बताया कि मतदान प्रतिशत में कुछ बदलाव संभव है, जिसे वोटर टर्नआउट एप पर देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि जनपदों से प्राप्त सबसे ज्यादा मतदान खीरी में 64.73 प्रतिशत और सबसे कम मतदान कानपुर में 53.06 प्रतिशत हुआ है। इसके अलावा धौरहरा में 64.45 प्रतिशत, सीतापुर में 61.91 प्रतिशत, कन्नौज में 61 प्रतिशत, शाहजहांपुर में 53.24 प्रतिशत, उन्नाव में 55.44 प्रतिशत, मिश्रिख में 55.79 प्रतिशत, इटावा में 56.38 प्रतिशत, बहराइच में 57.45 प्रतिशत, अकबरपुर में 57.66 प्रतिशत और ददरौल विधानसभा उपचुनाव में 53.31 प्रतिशत मतदान हुआ। उन्होंने बताया कि 2019 में इन 13 लोकसभा क्षेत्रों में कुल 58.75 प्रतिशत मतदान हुआ था। उन्होंने बताया कि इस बार इन 13 में से 5-6 लोकसभा क्षेत्र ऐसे हैं, जहां पिछली बार की तुलना में मतदान प्रतिशत बढ़ा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में चतुर्थ चरण के मतदान की प्रक्रिया को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष बनाए रखने के उद्देश्य से प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए कुल 14,126 मतदेय स्थलों पर लाइव वेबकास्टिंग की गई, जिसका पर्यवेक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं भारत निर्वाचन आयोग तीनों स्तर पर किया गया। इसके अतिरिक्त 5,420 मतदेय स्थलों पर वीडियोग्राफी की गई। चतुर्थ चरण के पोस्टल बैलेट मतदान हेतु अर्ह श्रेणियां (85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाता, दिव्यांग, अनिवार्य सेवाएं तथा मतदान कार्मिक) में 35045 मतदाताओं द्वारा पोस्टल बैलेट कास्ट किया गया।

85 वर्ष की आयु से अधिक के मतदाता एवं दिव्यांग मतदाताओं में जिनके द्वारा पोस्टल बैलेट का विकल्प चुना गया था, उनके घर पर जाकर मतदान कराया गया। प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी बनाए जाने के लिए मतदान दल के साथ एक माइक्रो आब्जर्वर तथा वीडियोग्राफर की तैनाती की गई थी। इसके अतिरिक्त कुल 34,189 सेवा मतदाताओं को भी रिटर्निंग अधिकारी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से (ईटीपीबीएस) पोस्टल बैलेट का प्रेषण किया गया। कुल 15979 कार्मिकों को ईडीसी जारी किया गया है।

मोदी लहर अब सुनामी बन चुकी है : योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ने बाराबंकी में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

बाराबंकी, 13 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि चौथे चरण के मतदान के साथ ही मोदी लहर अब सुनामी बन चुकी है। उन्होंने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इनका इतिहास घोटालों का रहा है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिना चेहरा और जाति देखे सबको विकास की योजनाओं से लाभान्वित किया गया। सीएम योगी शनिवार को यहां हैदरगढ़ में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां पार्टी प्रत्याशी राजरानी रावत के लिए जनता से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे आराध्य प्रभु श्रीराम भी यही चाहते हैं कि उनका परम भक्त एक बार फिर देश की सत्ता संभाले।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हैदरगढ़ भाजपा के हृदय में बसता है। लोकसभा चुनाव का चौथा चरण चल रहा है। देश के 10 राज्यों में 96 सीटों पर मतदान हो रहा है। लोगों में इसे लेकर उत्साह है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में तीसरे चरण में मोदी लहर अब चौथे चरण में सुनामी बनने की ओर अग्रसर है। कहा कि फिर एक बार मोदी सरकार का स्वर पूरे देश में गूंज रहा है। आज का नया भारत देश और दुनिया में हुए परिवर्तन का साक्षी है। दुनिया में हमारा सम्मान बढ़ा है, सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, विकास कार्य तीव्र गति से आगे बढ़े हैं।

सीएम योगी ने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग बड़े बड़े दावे कर रहे हैं मगर सच्चाई यही है कि इनके समय लोग भूख से मरते थे, किसान आत्महत्या करता था और नौजवान पलायन करता था। मगर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 10 साल मे जो परिवर्तन देखने को मिला है, हम सब उसके साक्षी हैं। पिछले 4 साल से 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहा है, 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि का लाभ मिला है, उज्ज्वला योजना, हर घर नल योजना, शौचालय, 4 करोड़ लोगों को मकान देने का कार्य हुआ है। इतना कुछ मोदी जी ने बिना चेहरा और जाति देखे दिया है। बिना भेदभाव के शासन का लाभ कैसे दिया जाता है ये उदाहरण मोदी जी ने सबके सामने रखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें भारत को आत्मनिर्भर और विकसित बनाना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और सपा के घोटालों का लंबा इतिहास है। इनके कारनामे जगजाहिर हैं। इन लोगों ने कोई जगह नहीं छोड़ी थी लूट खसोट करने की। हर जगह लूट-खसोट के नये कीर्तिमान स्थापित किये। मगर भाजपा आज देश विकास के साथ विरासत को संजोने का काम कर रही है। सपा और कांग्रेस राममंदिर का विरोध करते थे। कांग्रेस और सपा के लोग कहते हैं कि राममंदिर का निर्माण बेकार हुआ है। हिन्दू आस्था के साथा खिलवाड़ करना कांग्रेस और सपा का व्यवहार रहा है। ये रामभक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं। आतंकवादियों पर दायर मुकदमों को वापस लेने वाले लोग हैं। पूरा चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच आ चुका है।

हमने राम को राष्ट्र का पर्याय माना है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस के मेनिफेस्टो के आधार पर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में डाला डालने की कोशिश कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रदेश सरकार में मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, सांसद उपेंद्र सिंह रावत, विधायक बृजेश रावत, सांसद प्रत्याशी राजरानी रावत, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार मौर्य सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से नामांकन दाखिल करने की पूर्व संध्या पर सोमवार को भव्य और जोरदार रोड शो निकाला। महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण से शुरू हुआ वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी का रोड शो विकास रथ पर निकला, जिस पर मोदी संग महाराज योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह सवार थे।

ईडी की जांच के कारण धनंजय सिंह की पत्नी चुनाव से पीछे हटीं

लखनऊ, 13 मई (एजेंसियां)। खनन घोटाले के आरोपी पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति की बेशकीमती संपत्ति बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी को बेचने के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया है। इसकी शिकायत ईडी और लोकायुक्त संगठन से की गई है। इस संपत्ति को गायत्री की कंपनी एमजीए कॉलोनाइजर्स की ओर से सुल्तानपुर निवासी रमेश कुमार ने 17 अगस्त 2016 को कैंट के थिमैय्या रोड निवासी वीसी मिश्रा व मृणालिनी पांडेय से खरीदा था।

वीसी मिश्रा कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता के करीबी रिश्तेदार हैं। इसके बाद कंपनी ने भूखंड पर आलीशान भवन का निर्माण कराया और फिर धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी को बेच दिया। सियासी गलियारों में चर्चा है कि ईडी और लोकायुक्त संगठन में हुई इन शिकायतों के बाद ही धनंजय ने लोकसभा चुनाव में अपनी पत्नी श्रीकला रेड्डी की दावेदारी को वापस लेने का फैसला लिया है।

धनंजय ने जेल से छूटते ही जिस तरह से अचानक पत्नी को चुनाव नहीं लड़ाने की घोषणा की, उसे देखते हुए इन कयासों को बल भी मिल रहा है।

ईडी ने अब तक खनन घोटाले में गायत्री प्रसाद प्रजापति, उनके करीबी रिश्तेदारों, कंपनियों की 50.37 करोड़ रुपए की संपत्तियों को जब्त किया है, जिनकी वर्तमान बाजार मूल्य 150 करोड़ रुपए से अधिक है। हाल ही में ईडी ने गायत्री के अमेठी, लखनऊ, मुंबई आदि ठिकानों पर छापा भी मारा था। इस दौरान उनकी करीबी महिला मित्र गुड्डा देवी के आवास से 65 लाख रुपए नकदी मिली थी। साथ ही तमाम बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज भी बरामद हुए थे। ईडी करीब आधा दर्जन से अधिक कंपनियों की संपत्तियों और बैंक खातों को भी जब्त कर चुका है।

जिन कंपनियों पर कार्रवाई हो चुकी है उनमें एमजीए कॉलोनाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड, एमजीए हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, एसएमए इंफ्रावेंचर प्राइवेट लिमिटेड, एमजीए एग्रोटेक प्राइवेट लिमिटेड, कान्हा बिल्डवेल प्राइवेट लिमिटेड, दया बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड, एक्सेल बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड और लाइफ क्योर मेडिकल एंड रिसर्च सेंटर प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

श्याम शिला पर आकार लेगा राम दरबार, तैयारियां तेज

अयोध्या, 13 मई (एजेंसियां)। राममंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना की तैयारियां तेज हो गई हैं। राममंदिर के भूतल में जहां बालक राम विराजमान हैं वहीं प्रथम तल पर राजा राम अपने भाईयों, माता सीता व परम भक्त हनुमान के साथ विराजित होंगे।

सभी की अलग-अलग मूर्तियां बनेंगी। मूर्तियां किस पत्थर पर बनेंगी इसको लेकर मंथन शुरू हो गया है। माना जा रहा है कि गर्भगृह में विराजित बालकराम श्याम वर्ण के हैं तो राजा राम की भी मूर्ति श्याम शिला पर ही निर्मित की जाएगी।

बालक राम की मूर्ति कर्नाटक से आई श्याम शिला पर गढ़ी गई थी। इसे प्रख्यात मूर्तिकार अरुण योगीराज ने गढ़ा था। अब राजाराम की मूर्ति के लिए श्याम शिला की तलाश तेज हो गई है। बताया गया कि ट्रस्ट की एक टीम ने चेन्नई व कर्नाटक का दौरा कर पत्थरों को देखा है। कर्नाटक के ही श्याम शिला पर राजा राम व लक्ष्मण की मूर्ति निर्मित होगी। जबकि माता सीता चूंकि श्वेत रंग (गोरी) थीं इसलिए उनकी मूर्ति मकराना के पत्थर पर निर्मित की जाएगी। हनुमान जी, भरत व शत्रुघ्न की भी मूर्ति सफेद पत्थर पर बनेगी। राजा राम का दरबार दिसंबर के अंत तक तैयार हो जाएगा।

निर्माण भी मूर्तिकार अरुण योगीराज कर सकते हैं। राममंदिर के आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा बताते हैं कि राम दरबार की स्थापना के लिए महापीठ यानी फाउंडेशन बनकर तैयार हो चुका है। राममंदिर के पुजारी यहां भी प्रतिदिन आरती-पूजना करते हैं। राम दरबार की मूर्ति किस रंग की होगी व किस पत्थर की बनेगी यह अभी तय नहीं है। अभी इसकी डिजाइन तैयार की जा रही है, जल्द ही इसका काम शुरू किया जाएगा।

राहुल वोट मांगते हैं रायबरेली से और समर्थन मिलता है पाकिस्तान से : योगी

रायबरेली, 13 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को रायबरेली के सरेनी पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा कर प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को लोकसभा चुनाव में कमल के फूल पर बटन दबाकर विजयश्री दिलाने की अपील की। उन्होंने आह्वान किया कि अबकी बार-400 पार में रायबरेली भी रहेगा, क्योंकि यह अवध केसरी और अयोध्या की पावन धरा का क्षेत्र है। सीएम ने कहा कि पुलवामा में भारत के जवान शहीद हुए थे। पाकिस्तान का मंत्री उस घटना का समर्थन कर रहा था। वह मंत्री आज रायबरेली से कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में बयानबाजी करता है। आखिर राहुल गांधी के पाकिस्तान से क्या संबंध हैं। वे रहेंगे हिंदुस्तान में, वोट मांगेंगे रायबरेली से और समर्थन मिल रहा है पाकिस्तान से। सीएम ने विश्वास जताया कि जिसका समर्थन पाकिस्तान कर रहा है, रायबरेली उसका समर्थन नहीं करेगी।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने जो न्याय पत्र जारी किया है, वह भारत के प्रति अन्याय पत्र है। यह भारत के प्रति साजिश का दस्तावेज है। इसमें कांग्रेस गरीबी हटाने की बात कह रही है। दादी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया था, आज तक पोता वही रट रहा है। वे बता रहे कि गरीबी हटाने के लिए संपत्ति का एक्सरे कराकर विरासत टैक्स लगाएंगे। आपके पूर्वजों की संपत्ति पर कांग्रेस की नजर है।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस व सपा का गठबंधन देश के लिए खतरनाक है। दो युवाओं की जोड़ी धोखेबाज है। यह कह रहे हैं कि जीतेंगे तो मिलकर लूटेंगे और हारेंगे तो फिर छूटेंगे। यह लोग देश-प्रदेश के साथ अन्याय करने आ रहे हैं। राहुल गांधी उप्र के बाहर प्रदेश और भारत के बाहर देश की निंदा करते हैं। 2010 में यूपीए सरकार के समय अमेरिका के अधिकारी से कहा था कि भारत के अंदर आईएसआई, मुस्लिम कट्टरपंथियों, आतंकियों से नहीं, हिंदुओं से डर है। हिंदुओं को बदनाम करने वाले राहुल हिंदुओं से वोट मांगते हैं। यह जाति के नाम पर लड़ाएंगे, फिर आरक्षण को मुसलमानों में बंटरबांट करेंगे।

सीएम ने कांग्रेस को खानपान की स्वतंत्रता की बात पर चेताया, बोले कि बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक का भोजन एक ही है, लेकिन एक जगह उनके विचार बदल जाते हैं। वे जान लें कि गो हमारी माता है, जनम-जनम का नाता है। इसे काटोगो तो दो-दो हाथ हो जाएगा। कांग्रेस गोहत्या की छूट दे रही है। उन्होंने चेताया कि कांग्रेस के राम जन्मभूमि का पुण्य पाप में बदल जाएगा। सीएम ने अपील की कि कांग्रेस के इस पाप में नहीं पड़ना है। कांग्रेस देश के लिए खतरनाक खेलने जा रही है। देश उन्हें पहले ही बाहर का रास्ता दिखा चुका है।

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने रामसेतु को तोड़ने का कार्य किया था। संविधान की शपथ लेने वाली सरकार ने उस समय सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट दिया था कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। उस सरकार को इतना तक नहीं पता कि संविधान के मूल प्रति में पुष्पक विमान पर लंका से अयोध्या आते भगवान राम के दरबार को दिखाया गया है। वह सरकार सुप्रीम कोर्ट में झूठ बोलती है। इनके बुद्धिदाता कहते हैं कि भारत में राम मंदिर नहीं बनना चाहिए। राम मंदिर भारत में नहीं तो क्या इटली में बनेगा। राम मंदिर भारत के इतिहास की सबसे अद्भुत घटना है। हमारी पीढ़ी धन्य है कि इसकी साक्षी बनी है।

सीएम ने सपा को भी नहीं बख्शा, बोले कि सपा का राग ही उल्टा है। सपा सही रास्ते चल ही नहीं सकती। वे कहते हैं कि राम मंदिर बेकार बना है। यह रामभक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं। यह अयोध्या में रामजन्म भूमि, काशी में संकटमोचन मंदिर पर हमला करने वाले आतंकियों पर दायर मुकदमों को वापस लेते हैं। यह चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच हो गया है। उन्होंने कहा कि मैं गाना सुन रहा था कि रामभक्त ही राज करेगा, दिल्ली के सिंहासन पर। लोगों से पूछा कि फिर एक बार मोदी सरकार का नारा क्यों तो लोगों ने कहा कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। प्रभु भी चाहते हैं कि उनका भक्त ही राज करेगा। सीएम ने कहा कि पाकिस्तान और रामद्रोहियों के स्वर एक जैसे हैं। केवल यही दोनों मोदी का विरोध कर रहे हैं।

सीएम ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को गिनाया। कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में हर किसी ने दस वर्ष में बदलते भारत को देखा होगा, लेकिन कांग्रेस नेत्री कह रही थीं कि मोदी जी बताएं कि उन्होंने रायबरेली के लिए क्या किया। आखिर वे भी बताएं कि 65 वर्ष में आपने रायबरेली के लिए क्या किया। सीएम ने बताया कि रायबरेली में एम्स है तो उसका पैसा भी मोदी जी ने दिया। रेल कारखाना के विस्तारीकरण व आधुनिकीकरण का पैसा भी मोदी ने दिया। इसके उद्घाटन में मोदी जी स्वयं आए थे।

सीएम ने जनता के सामने कहा कि कांग्रेस के नेता विकास कार्य नोट करें। आजादी के पहले से 2014 तक 74 एयरपोर्ट बने, मोदी जी ने 10 वर्ष में 152 एयरपोर्ट बना दिए। 2014 तक जितना हाइवे बना था, आज उससे दोगुने बन गए। मेट्रो केवल पांच सिटी में थी, आज 20 शहरों में हो गई। एम्स केवल सात थे, उसमें से भी कांग्रेस ने केवल एक बनाया था।

अटल जी ने छह बनाए और आज देश में 22 एम्स हैं। पहले हर घर नल योजना नहीं थी, आज यह लागू हो चुकी है। कांग्रेस सरकार के समय स्वास्थ्य सुविधा में लोग तड़पते थे, आज एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज का निर्माण हो रहा है। कांग्रेस के समय लोग भूखों से मरते थे, आज 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहे हैं। पाकिस्तान की आबादी से अधिक 25 करोड़ लोगों को मोदी जी ने दस वर्ष में गरीबी रेखा से उभारा है। साथ ही उन्होंने कई अन्य योजनाओं को भी गिनाया।

सीएम ने कहा कि आज सुबह न्यूज सुन रहा था कि पीओके में दंगा इसलिए हो गया, क्योंकि वहां खाने के लिए आटा, चावल, बिजली नहीं है। खानों को लेकर लोग गली-मोहल्लों की तरह लड़ रहे हैं। पाकिस्तान की दुर्गति देखने के बाद वहां का राग अलापने वाले दुर्बुद्धि व्यक्ति से कहो कि पाकिस्तान जाए, भारत पर बोझ न बने। डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है तो हरिजन, लोधी, पासी, कुर्मी, दलित समेत अन्य गरीब कहां जाएगा। मोदी जी ने गरीबी, दलित-वंचित को ध्यान में रखकर योजना का लाभ और सबका साथ-सबका विकास का नारा दिया, जो मंत्र बन गया है। इस अवसर पर रायबरेली लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह, प्रदेश सरकार की मंत्री प्रतिभा शुक्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल पासी, पूर्व मंत्री गिरीश नारायण पांडेय, पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह, राकेश सिंह, आरबीएस सिंह, अजय त्रिपाठी आदि की मौजूदगी रही।

सीएम ने जनसभा से पहले बालेश्वर मंदिर में किया दर्शन-पूजन

रायबरेली के सरेनी में जनसभा से पहले योगी आदित्यनाथ बालेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से बाबा के दर्शन-पूजन किए। सीएम ने सुखी-समृद्धि उत्तर प्रदेश की कामना की तो बाबा से रायबरेली की जीत का भी आशीर्वाद लिया। सीएम योगी के साथ यहां रायबरेली से भाजपा प्रत्याशी व प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद रहे। बता दें कि इसके पहले रविवार को काशी दौरे पर रहे योगी आदित्यनाथ ने वहां काशी विश्वनाथ और काल भैरव के दर्शन-पूजन भी किए थे।

सलाह

खून की कमी पूरी करती मूंगफली

मूंगफली वैसे तो हर मौसम में नमकीन जैसी और भी चीजों में इस्तेमाल होती है लेकिन सर्दियों लोग इसे बहुत शौंक से खाते हैं। इसमें ओमेगा 3, प्रोटीन जैसे और भी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। आइए जाने इसे खाने के सेहत संबंधी फायदों के बारे में...

दिल के लिए: मूंगफली कोलेस्ट्राल को कंट्रोल करने में मददगार है। इससे दिल संबंधी बीमारियों से बचा जा सकता है।

प्रोटीन से भरपूर: प्रोटीन बॉडी के लिए बहुत जरूरी है। इसे खाने से पुराने सैल्स की मुरम्मत होती है और नए सेल्स का निर्माण होता है जो रोगों से लड़ने के लिए बहुत जरूरी है। इसे खाने से शरीर में प्रोटीन की कमी पूरी हो जाती है।

पाचन प्रक्रिया: मूंगफली में पाया जाने वाला तेल पेट के लिए बहुत फायदेमंद है। इसके सेवन से कब्ज,गैस और एसिडिटी की समस्या से भी राहत मिलती है। इससे पाचन प्रक्रिया बेहतर होती है।

गर्भावस्था में जरूरी: मूंगफली का नियमित सेवन प्रैंगनेसी के लिए भी बहुत अच्छा होता है। यह गर्भावस्था में शिशु के विकास में मदद करती है।

खून की कमी: रोजाना 50 या 100 ग्राम मूंगफली रोजाना खाने से सेहत बनती है। भोजन आसानी से पचता है और शरीर में खून की कमी नहीं होती है।

सेहत के लिए वरदान है अनार

अनार एक ऐसा फल है जो आपको सौ तरह की बीमारियों से दूर रखता है । यह फल खाने में जितना स्वाद है, इसके फायदे भी उतने ही है। अनार खून बढ़ाने से लेकर कई एजिंग रोकने में सहायक होता है। एक अनार आपके लिए लाभदायक हो सकता है...

वायरस से मुक्ति: अनार एक ऐसा फल है जिसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन सी और के होता है। अनार के सेवन से शरीर में एंटी एचसीवी तत्व बढ़ता हैं जिससे वायरस से लड़ने में मदद मिलती है।

बूढ़ापे को रखें दूर: अनार शरीर की कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से बचाता है, जिससे आप वक्त से पहले बूढ़े नहीं दिखते।

रक्त को रखें पतला: अनार शरीर की रक्तवाहिनी दीवार को अतिरिक्त वसा से कठोर होने से बचाता है।

गठिया से मुक्ति: अनार गठिया रोग से पीडित व्यक्ति के फायदेमंद होता है। यह फल कार्टिलेग को नष्ट करके जलन और सूजन से भी सुरक्षा करता है।

कैंसर: अनार का जूस प्रोस्ट्रेट कैंसर से लड़ने में मदद करता है इसलिए रोज एक गिलास अनार का जूस पीना चाहिए।

संक्रमण से मुक्ति : अनार के सेवन से हेपेटाइटिस सी जैसे गंभीर वायरस के संक्र मण को रोकने में मदद मिलती है।

मोटापा कम करे : अनार में कैलोरी नहीं होती जिसकी वजह से यह फल वजन नहीं बढ़ने देता है।

बीपी में आराम : ब्लड प्रेशर कम करने के लिए भी अनार काफी सहायक होता है।

दस्त में फायदेमंद : अनार आप दस्त से परेशान है तो अनार सहायक हो सकता है और इसका जूस मिचली को रोकने में फायदेमंद होता है।

नमक का पानी पीने से दूर होगी कई बीमारी

हर कोई चाहता है कि वह लंबे समय तक जीवित रहे और इसको किसी भी तरह की बीमारी का सामना न करना पड़े। अगर आप भी कुछ ऐसा ही चाहते है तो रोजाना नमक वाले पानी का सेवन करें। रोज सुबह नमक वाला पानी पीने से कई तरह की परेशनियां और बीमारियां दूर हो सकती है। शरीर हड्डियों से कैलशियम और मिनरल लेता है। रोज सुबह नमक वाला पानी पीने से हड्डियां मजबूत होती है।

इस होममेड नॉन-टॉक्सिक हैंड सैनिटाइजर का करें प्रयोग

इंफेक्शन से दूर और स्वस्थ रहने के लिए हाथों की स्वच्छता महत्वपूर्ण होती है। नियमित अंतराल में हाथ धोना शरीर में होने वाले इंफेक्शन और कीटाणुओं से होने वाले इंफेक्शन को दूसरे में फैलाने से रोकने के लिए जरूरी होता है। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) अच्छे परिणाम के लिए 20 सेकंड के लिए साफ पानी और साबुन से हाथ धोने की सिफारिश करते हैं। सीडीसी के अनुसार, अगर पानी और साबुन उपलब्ध नहीं है, तो हाथों को इंफेक्शन से दूर रखने के लिए एल्कोहल बेस हैंड सैनिटाइजर दूसरा सबसे अच्छा उपाय है। हालांकि बाजार में हैंड सैनिटाइजर की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है लेकिन इनमें मौजूद केमिकल के कारण आपको घर में उपलब्ध नॉन-टॉक्सिक हैंड सेनिटाइजर ही इस्तेमाल करना चाहिए।

टॉक्सिक है कमर्शियल

यूएस में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने एंटीबैक्टीरियल साबुन और संबंधित प्रोडक्ट जैसे की हैंड सेनिटाइजर की सुरक्षा के बारे में चौंकाने वाली चिंताओं को उठाया है। एफडीए के अनुसार, सभी एंटी-बैक्टीरियल लेबल क्लीनिंग प्रोडक्ट में ट्राइक्लोसान और ट्रिक्लोकरबन नामक केमिकल होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए अत्यधिक हानिकारक होते हैं। इसके अलावा लंबे समय तक एंटी-बैक्टीरियल कमर्शियल हैंड सैनिटाइजर के इस्तेमाल के नकारात्मक प्रभाव की संभावना बढ़ जाती है। नियमित रूप से इस्तेमाल से हैंड सैनिटाइजर में मौजूद ट्राइक्लोसान को हाथ की त्वचा तुरंत सोख लेती है। अगर यह रक्त संचार में शामिल हो जाये, तो यह मांसपेशी को-ऑर्डिनेशन के लिए जरूरी सेल-कम्युनिकेशन को बाधित करता है। इसका लंबे समय तक ज्यादा इस्तेमाल त्वचा को सूखा बनाने, बांझपन और हृदय के रोग को न्योता दे सकता है। यह केवल एक व्यक्ति और उनके घर को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे समुदाय को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। इस प्रकार ट्राइक्लोसान का उपयोग एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय बन सकता है। इसके अलावा अन्य कमर्शियल केमिकल भी परोक्ष रूप से अपने स्वास्थ्य को प्रभावित करते है। यह केमिकल त्वचा को अनगिनत पर्यावरण दूषित पदार्थों को अवशोषित करने के लिए अतिसंवेदनशील बना देता हैं। इसलिए आपको घर में बना नॉन-टॉक्सिक हैंड सैनिटाइजर इस्तेमाल करना चाहिए। आइए हम आपको घर में हैंड सैनिटाइजर बनाने की विधि के बारे में बताते हैं।

हैंड सैनिटाइजर बनाने के लिए जरूरी चीजें

- डिस्टिल्ड वॉटर - एक कप
- एल्कोहल - दो बड़े चम्मच
- एलोवेरा जैल - एक चम्मच
- विटामिन ई ऑयल - आधा चम्मच
- टी ट्री आवश्यक तेल - दस बूंदें
- दालचीनी आवश्यक तेल - दस बूंदें
- लौंग आवश्यक तेल - पांच बूंदें
- रोजमेरी आवश्यक तेल - पांच बूंदें
- नीलगिरी आवश्यक तेल - पांच बूंदें
- मिक्सिंग बाउल - एक
- कप और चम्मच - मापने के लिए
- स्प्रे बोतल - मध्यम आकार
- कीप - एक

मौजूद चीजों के लाभ

» एल्कोहल कीटाणुओं को प्रभावी ढंग से मारने में मदद करता है।

» विटामिन ई युक्त तेल में मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं जो रबिंग एल्कोहल की कठोरता काउंटर करते है। आप विटामिन ई युक्त तेल के स्थान पर ग्लिसरीन का उपयोग भी कर सकते हैं।

» एलोवेरा जैल एक अत्यधिक प्रभावी एंटी-बैक्टीरियल एजेंट है और आपकी त्वचा को मॉश्चराइज करने में मदद करता है।

» टी ट्री, दालचीनी, लौंग, रोजमेरी और नीलगिरी आवश्यम तेलों में कई प्रकार के एंटी-बैक्टीरियल एजेंट होते हैं। साथ ही यह सैनिटाइजर को ताजा खुशबू देते हैं।

» 2000 में जर्नल ऑफ एंटी-माइक्रोबियल कीमोथेरेपी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, बैक्टीरिया को दूर करने में टीट्री ऑयल कई अन्य उपायों से ज्यादा प्रभावी है।

» नीलगिरी आवश्यक तेल में ई कोलाई और एस ऑरियस कीटाणुओं के खिलाफ लड़ने की शक्ति होती है।

बनाने की विधि

ऊपर दी सभी चीजों को एक साथ एक बाउल में लेकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर एक कीप की मदद से इस मिश्रण

को स्प्रे बोतल में डाल दें। स्प्रे बोतल की कैंप को अच्छे से बंद करके बोतल को अच्छे से हिला लें। आपका घर में बना नॉन-टॉक्सिक हैंड सैनिटाइजर उपयोग के लिए तैयार है। अपनी हथेली पर कुछ स्प्रे करें और अपने हाथों को अच्छे से रगडें। वैकल्पिक रूप से, आप इसे रगुलर नॉन-स्प्रे बोतल में भी डाल सकते हैं और जैल के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

कान से जुड़ी ये गलतियां कभी न करें!

अनमोल है कान

शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है कान, इसके बिना सुनने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। यह ऐसा अंग है जिसकी अधिक देखभाल की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन क्या आप जानते हैं मात्र 6 हड्डियों से बने कान को आप रोज अनजाने में नुकसान पहुंचाते हैं। नहाने के बाद ईयरबड्स से कान की सफाई, हल्की खुजली होने पर उंगली से खुजलाना, बहुत तेज आवाज में ईयरफोन से गाना सुनना, आदि हरकतों से कान की सुनने की क्षमता प्रभावित होती है।

कान के बिना आप कुछ भी नहीं सुन सकते, लेकिन कई सामान्य चीजें ऐसी हैं जिनसे आप अपने कान को नुकसान पहुंचाते हैं।

कैंडल से कान की सफाई

कान में खुजली हो या फिर कान में मैल यानी ईयर वैक्स जमा हो जाये तो उसे निकालने के लिए आजकल लोग मोम का अधिक प्रयोग कर रहे हैं, इस प्रक्रिया को ईयर कैंड़लिंग कहा जाता है। न्यूयार्क में हुए एक शोध की मानें तो इस तरीके से कान की सफाई कराना ठीक नहीं। इनसे कानों को नुकसान पहुंचता है, इसके कारण कान जल भी सकते हैं। इसके अलावा ईयरवैक्स जब पूरी तरह से निकल जाता है तो कान सूख जाते हैं, जिससे सुनने की क्षमता प्रभावित होती है। इसलिए कान को साफ करने के लिए कैंडलिंग कराने से बचें।

ईयरफोन से तेज आवाज में गाना सुनना

ईयरफोन से बहुत अधिक तेज आवाज में गाना सुनने का आजकल रिवाज सा हो गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं इस तरह से गाना सुनने से आप बहरे भी हो सकते हैं। अमेरिका के 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन डीफनेस' की मानें तो अमेरिका में मात्र 20 साल की उम्र में 15 प्रतिशत लोग बहरेपन का शिकार हो जाते हैं, इसका कारण ईयरफोन से तेज आवाज में गाना सुनना है। भारतीय पत्रिका में छपे शोध की मानें तो बहरेपन के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार कारकों में ईयरफोन भी है। इसलिए अगर आपके अंदर भी ये आदत है, तो इसे बदल दीजिए।

कान में उंगली डालना

जब भी कान में खुजली होती है आप कान में उंगली डालकर आप खुजलाने लगते हैं। लेकिन यह आपके कान को नुकसान पहुंचाता है।

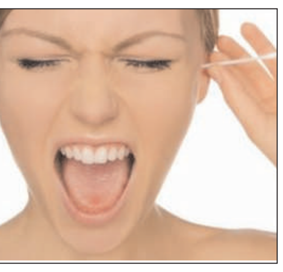

एक्वेरियम में रखें इस तरह की मछलियां, तभी मिलेगा फायदा

घर और ऑफिस में एक्वेरियम रखना शुभ माना जाता है। इसको साफ और सही दिशा में रखना भी बहुत जरूरी है। यह जहां घर की खूबसूरती बढ़ाता है वहीं परिवार की खुशहाली में भी बहुत योगदान देता है। इसमें बहुत से ऐसी बातें होती हैं जो वास्तु के अनुसार आपको लिए बहुत फायदेमंद हो सकती हैं।

1. पानी की आवाज

एक्वेरियम में रखे जाने वाली पानी का आवाज घर की साकारात्मक उर्जा लाने में मददगार है। इससे परिवार में खुशहाली आती है। इस बात का ध्यान रखें कि पानी हर समय चलता रहना चाहिए।

2. कमरे का चुनाव

एक्वेरियम रखते समय इस कमरे के चुनाव का भी ख्याल रखें। अगर कमरा खुश्क है तो इसे रखने से ऊर्जा और नमी स्थापित होती है।

3. सही दिशा

इसे रखने के लिए सही स्थान का होना भी बहुत जरूरी है। घर का दक्षिण-पूर्वी भाग एक्वेरियम के लिए बैस्ट माना जाता है। इस जगह को वास्तु और पारंपरिक रूप से अच्छा माना जाता है। उत्तरी दिशा करियर ग्रोथ और पूर्वी दिशा पारिवारिक शांति की बढ़ौतरी में मददगार है। इसके अलावा प्राकृतिक रोशनी के नीचे एक्वेरियम रखने से मानसिक दबाव और तनाव में कमी आती है।

4. जरूरी तत्व

एक्वेरियम में पानी, धरती यानि कंक?-पत्थर, रोशनी वाले तत्व यानि लाल, पीली और नारंगी रंग की मछली जरूर रखनी चाहिए।

5. इन रंगों की मछली रखें

फेंग शुई के अनुसार एक्वेरियम में 1 काली,8-9 नारंगी, 1 गोल्ड फिश और लाल मछली जरूर रखें।

6. मछलियों का संख्या

एक्वेरियम में रखी जाने वाली मछलीयों का संख्या 9 होनी चाहिए। इस बात का भी ध्यान रखें कि जब कोई मछली मर जाए तो उसे तुरंत निकाल दें।

फिल्म एडिटिंग के क्षेत्र में मौका

कंप्यूटर और संगीत की समझ देगी

विगत कुछ वर्षों से देश में न्यूज चैनल्स की बाढ़ सी आ गई है, और इनकी बढती संख्या के मददेनजर इस प्रोफेशन में काम करने वाले लोगों की मांग भी दिन पर दिन बढ़ती जा रही है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े ग्लैमर के कारण युवा इस फील्ड की ओर तेजी से खिंचे चले आ रहे हैं, लेकिन संबंधित कोर्स करने के बावजूद सभी को नौकरी मिलने में मुश्किल होती है। ऐसे में एडिटिंग खासकर नॉन-लीनियर एडिटिंग यानी एनएलई का अपडेटेड कोर्स करके प्रोडक्शन हाउस में और न्यूज चैनल में आप आसानी से नौकरी पाने में कामयाब हो सकते हैं।

अगर आप में दृश्यों को समझने और परफेक्ट साउंडमिक्सिंग की क्षमता है तो आप इस क्षेत्र में बेहतर काम कर सकते हैं। कैमरे से शूट किए गए वीडियो को कंप्यूटर की सहायता से एडिट करके निर्धारित टाइम फ्रेमपर चलाना ही एडिटिंग कहलाता है। शूट के बाद प्रोग्राम या फिल्म की मांग के अनुसार वीडियोटेप्स को एडिट करके टाइम लाइन पर रखा जाता है। विजुअल्स के साथ साउंड और म्युजिक दोनों मिक्स किए जाते हैं। पहले यह काम लीनियर एडिटिंग तकनीक से किया जाता था। लेकिन वह तकनीक बहुत महंगी होती थी, साथ ही इसमें समय भी काफी लगता था। अब यह सारा नॉन लीनियर एडिटिंग से किया जाता है। इसमें कंप्यूटर पर एडिटिंग सॉफ्टवेयर की मदद से की जाती है। किसी कार्यक्रम को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना एडिटर की दक्षता पर निर्भर करता है। ऐसे में इस क्षेत्र में खास पहचान बनाने के लिए आप में एडिटिंग के साथ-साथ क्या अच्छा लगेगा और क्या नहीं की समझ होनी बहुत ही जरूरी है।

प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
- मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशन स्टडीज, पुणे यूनिवर्सिटी

कैसे बने एडिटर

नॉन-लीनियर एडिटिंग में बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए कई संस्थान अब एनएलई में विशेष डिप्लोमा कोर्स संचालित कर रहे हैं। कोर्स की बढ़ती लोकप्रियता और डिमांड को देखते हुए शॉर्ट टर्म कोर्स भी चलाए जा रहे हैं। वर्किंग नॉलेज प्राप्त करने के लिए आप चाहेंतो किसी प्रोडक्शन हाउस या चैनल में इंटर्नशिप भी कर सकते हैं।

कैसे पाए प्रवेश

एडिटंग से संबंधित कोर्स में एडमिशन लेने के लिए किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना आवश्यक है। शॉर्ट- टर्म कोर्स के लिए कम से कम बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। कंप्यूटर की बेसिक नॉलेज रखने वालों को इसे सीखने में आसानी होती है। इसके अलावा आपमें क्रिएटिविटी और संगीत की समझ होने की भी जरूरत होती है।

संभावनाएं

एलएलई कोर्स करने और इसमें कुशलता हासिल करने के बाद विभिन्न चैनल्स न्यूज एवं एंटरटेनमेंट, प्रोडक्शन हाउस और फिल्म कंपनियों में आसानी से काम मिल जाता है। कोर्स करने के बाद प्रोडक्शन हाउस या टेलीविजन चैनल में आकर्षक वेतन मिलता है। कुल मिलाकर इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

रेसिपी

काजू कतली

सामग्री

काजू- 1 किलो, 750 ग्राम पिसी हुई चीनी, 7 इलायची का पाउडर, 2 चांदी का वर्क

विधि

काजू को पानी में 5 से 6 घंटे के लिए भिगो दीजिये। उसके बाद पानी मे से निकालकर मिक्सी से बारीक पीस कर पेस्ट बना लीजिये। उसके बाद पेस्ट में पिसी चीनी मिला लीजिये। एक कढाई में काजू का पेस्ट डालकर धीमी आंच पर तब तक चम्मच से चलाते रहे जब तक गाड़ा नहीं हो जाता। इलायची पाउडर डाल दीजिये, जब मिश्रण कढाई के चारो तरफ सफेंद और सूखा सा दिखने लगे तब गैस बंद कर दीजिये। मिश्रण को पलेट में निकाल लीजिये और पतला पतला फैला दीजिये। ठंडा होने के बाद उस पर वर्क लगा दीजिये। उसके बाद अपने मन पसंद अपने आकार में काट लीजिये। काजू कतली बन कर तैयार है।

मैदा के मीठे पेठे

सामग्री

1 कप रवा (सूजी), चार कप मैदा छना हुआ, एक कटोरी घी मोयन के लिए, आधा चम्मच बेकिंग पाउडर, दो कटोरी शक्कर, इलायची पाउडर, घी अलग से, पाव कटोरी मेवे की कतरन।

विधि

सर्वप्रथम सूजी-मैदे में बेकिंग पाउडर मिला लें और गरम घी का मोयन देकर गुनगुने पानी से कड़ा आटा गूंथ लें। अब बड़ी-बड़ी लोई बनाकर मोटा बेल लें। मोटी व लंबी-लंबी स्ट्रिप काट लें। पूरे मैदे की स्ट्रिप बनने के बाद कपड़े पर एकाध घंटा सुखने के लिए रख दें। एक कड़ाही में आवश्यकता के अनुसार घी गरम करके धीमी आंच पर सारे पेठे तल लें। ध्यान रहे कि पेठों का रंग ज्यादा न बदलें। सारे पेठे तलने के बाद एक बर्तन में शक्कर में आधा कप पानी डालकर बूरे की चाशनी तैयार करके उसमें इलायची डाल दें। पेठे ठंडे होने के बाद कड़छी की सहायता से उन पर चाशनी बखेरती जाएं, ऊपर से मेवे की कतरन बुरक कर उन्हें पलटे की सहायता से धीमे-धीमे ऊपर-नीचे करती रहे। सारे पेठों पर चाशनी चढ़ने के बाद उन्हें ठंडा करके एयर टाइट डिब्बे में भर दें। मैदे के मीठे पेठे का आनंद उठाएं।

संपादकीय

केजरीवाल की आक्रामकता

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों का आभार जताना चाहिए कि उन्होंने 'मानवीय' होकर उन्हें अंतरिम जमानत दी। केजरीवाल ने जमानत मांगी ही नहीं थी, लेकिन न्यायाधीशों ने लोकतंत्र के व्यापक संदर्भों में माना कि केजरीवाल चुने हुए मुख्यमंत्री और एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रमुख हैं। वह आदतन अपराधी भी नहीं हैं। इससे पहले उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला भी दर्ज नहीं है। केजरीवाल से समाज को कोई खतरा भी नहीं है। चूंकि लोकसभा चुनाव पांच साल के बाद आते हैं, लिहाजा उन्हें जनता के सामने अपना एजेंडा रखने और जनता को वह सुनकर जनादेश का निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। इसके तहत केजरीवाल को एक जून तक, चुनाव प्रचार करने को, अंतरिम जमानत दी जाती है। केजरीवाल के जेल से बाहर आने की यही पृष्ठभूमि है। हालांकि अदालत ने उन पर कई बंदिशें लगाई हैं। दिल्ली के शराब घोटाले के सभी आरोप प्रथमद्रष्ट्या उनके खिलाफ यथावत हैं। केजरीवाल अब भी आरोपित हैं। उन्हें दो जून को तिहाड़ जेल जाना ही होगा। बहरहाल ऐसी किस्मत जेलों में कैद उन 300 के करीब राजनेताओं की नहीं है, जो अपनी-अपनी पार्टी के नेता हैं। आम चुनाव में प्रचार करना उनकी भी अनिवार्यता है। हेमंत सोरेन भी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। उन्हें चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत नहीं दी गई। बहस के दौरान यह तर्क भी न्यायिक पीठ के सामने दिया गया कि चुनाव प्रचार करना कोई मौलिक अधिकार नहीं है। संभवतः किसी भी राजनेता को चुनाव प्रचार करने को जमानत पर जेल से रिहा नहीं किया गया। केजरीवाल पर जो फैसला अदालत का है, वह भी उसका विशेषाधिकार है। बहरहाल केजरीवाल की रिहाई पर आम आदमी पार्टी (आप) जो जश्न मना रही है और तानाशाही पर लोकतंत्र की जीत बता रही है, वह सब बेमानी है, क्योंकि देश में तानाशाही होती, तो केजरीवाल जेल से कभी छूट ही नहीं पाते। राजनीति में सब कुछ जायज है। अपने पहले संबोधन में ही केजरीवाल ने यहां तक भ्रम और अफवाह फैला दी कि प्रधानमंत्री मोदी अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट मांग रहे हैं। तो मोदी की गारंटी का क्या होगा? प्रधानमंत्री मोदी सितंबर, 2025 में 75 साल के हो जाएंगे। उन्होंने ही 2014 में सत्तारूढ़ होने के बाद यह नियम घोषित किया था कि 75 साल और उससे अधिक उम्र के नेता चुनाव नहीं लड़ सकेंगे और न ही किसी पद पर आसीन होंगे। यह एक नैतिक व्यवस्था बनाई गई थी, अलबत्ता भाजपा के संविधान में कोई संशोधन नहीं किया गया। भाजपा में 75 प्लस के 17 सांसद अब भी हैं और 80 साल से अधिक वाले 2 सांसद हैं। केजरीवाल 'पतंगबाजी' में माहिर हैं और उन्होंने गप्पी राजनीति कर कुछ हासिल करने की कोशिश की, लेकिन गृहमंत्री अमित शाह ने उसे ध्वस्त कर दिया और हैदराबाद में सार्वजनिक तौर पर स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री मोदी अपना तीसरा कार्यकाल भी पूरा करेंगे। भाजपा में किसी 'छाया और छद्म प्रधानमंत्री' की कोई व्यवस्था नहीं है। दिलचस्प है कि केजरीवाल का आकलन है कि भाजपा की 220-230 सीटें आ सकती हैं, जबकि राहुल गांधी 150 और 180 के बीच झूलते रहते हैं। यदि 2025 में भी प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी की बात कही जा रही है, तो स्पष्ट है कि सीटें कितनी भी हों, लेकिन सरकार भाजपा-एनडीए की बनने जा रही है। ऐसा केजरीवाल के अलावा विपक्ष के कई नेताओं के आकलन हैं। एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भविष्यवाणी की है कि कांग्रेस 50 से भी कम सीट तक सिमट जाएगी और लोकसभा में उनका 'नेता प्रतिपक्ष' भी चुना नहीं जा सकेगा। बहरहाल जनादेश के आंकड़ों को 4 जून पर छोड़ देना चाहिए। अभी तक विपक्ष के एक भी दल ने यह घोषित नहीं किया है कि उन्हें कितनी सीटें मिलेंगी, अलबत्ता यह लिख कर देने को तैयार हैं कि अगला प्रधानमंत्री मोदी नहीं होगा। क्षमा करें, यह भाषा विपक्ष के बड़े नेता की है, जो जनसभाओं के दौरान सुनी जाती रही है। केजरीवाल की 'पतंगबाजी' यह भी है कि चुनाव नतीजे के दो माह बाद उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी निपटा दिया जाएगा। प्रधानमंत्री एक खतरनाक मिशन पर काम कर रहे हैं-'एक देश, एक ही नेता।' लिहाजा साफ है कि जेल से बाहर आते ही केजरीवाल आक्रामक दिख रहे हैं।

केजरीवाल ने जमानत मांगी ही नहीं थी, लेकिन न्यायाधीशों ने लोकतंत्र के व्यापक संदर्भों में माना कि केजरीवाल चुने हुए मुख्यमंत्री और एक राष्ट्रीय पार्टी के प्रमुख हैं। वह आदतन अपराधी भी नहीं हैं। इससे पहले उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला भी दर्ज नहीं है। केजरीवाल से समाज को कोई खतरा भी नहीं है। चूंकि लोकसभा चुनाव पांच साल के बाद आते हैं, लिहाजा उन्हें जनता के सामने अपना एजेंडा रखने और जनता को वह सुनकर जनादेश का निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी जानी चाहिए। इसके तहत केजरीवाल को एक जून तक, चुनाव प्रचार करने को, अंतरिम जमानत दी जाती है। केजरीवाल के जेल से बाहर आने की यही पृष्ठभूमि है। हालांकि अदालत ने उन पर कई बंदिशें लगाई हैं। दिल्ली के शराब घोटाले के सभी आरोप प्रथमद्रष्ट्या उनके खिलाफ यथावत हैं। केजरीवाल अब भी आरोपित हैं। उन्हें दो जून को तिहाड़ जेल जाना ही होगा। बहरहाल ऐसी किस्मत जेलों में कैद उन 300 के करीब राजनेताओं की नहीं है, जो अपनी-अपनी पार्टी के नेता हैं।

भारत में गरीबी 2015-2016 के मुकाबले 2019-2021 के दौरान 25 फीसदी से घटकर 15 फीसदी आ गई

भारत में डिजिटलीकरण की अभूतपूर्व भूमिका

डा. जयंतीलाल भंडारी

पिछले दिनों भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहे फ्रांसिस ने कहा कि जब से वे भारत से लौटे हैं, उनके मन में अतुल्य भारत की डिजिटल उपलब्धि के बारे में दुनिया को बताने के विचार बार-बार आ रहे हैं। उन्होंने भारत में महसूस किया है कि सिर्फ एक हैंडसेट और डिजिटलीकरण मॉडल के उपयोग से लाखों लोगों को औपचारिक आर्थिक प्रणाली में लाने के लिए भारत के डिजिटलीकरण कार्यक्रम की अभूतपूर्व भूमिका है। उन्होंने कहा कि जहां डिजिटलीकरण से भारत में वित्तीय समावेशन में मदद मिल रही है, वहीं डिजिटलीकरण लागत को कम करने, अर्थव्यवस्था को अधिक कुशल बनाने और सेवाओं को सस्ता करने में भी प्रभावी योगदान दे रहा है।

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि भारत में गरीबी घटाने में डिजिटलीकरण की अहम भूमिका है। पिछले दिनों भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहे फ्रांसिस ने कहा कि जब से वे भारत से लौटे हैं, उनके मन में अतुल्य भारत की डिजिटल उपलब्धि के बारे में दुनिया को बताने के विचार बार-बार आ रहे हैं। उन्होंने भारत में महसूस किया है कि सिर्फ एक हैंडसेट और डिजिटलीकरण मॉडल के उपयोग से लाखों लोगों को औपचारिक आर्थिक प्रणाली में लाने के लिए भारत के डिजिटलीकरण कार्यक्रम की अभूतपूर्व भूमिका है। उन्होंने कहा कि जहां डिजिटलीकरण से भारत में वित्तीय समावेशन में मदद मिल रही है, वहीं डिजिटलीकरण लागत को कम करने, अर्थव्यवस्था को अधिक कुशल बनाने और सेवाओं को सस्ता करने में भी प्रभावी योगदान दे रहा है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिल रही है। ये सब भारत से ऐसे डिजिटल सबक हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ साझा किया जा सकता है। गौरतलब है कि पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में भी कहा गया है कि भारत में गरीबी 2015-2016 के मुकाबले 2019-2021 के दौरान 25 फीसदी से घटकर 15 फीसदी आ गई है। इसमें डिजिटलीकरण की भी अहम भूमिका है। इतना ही नहीं, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) सहित दुनिया के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा के वैश्विक संगठनों के द्वारा भारत में बहुआयामी गरीबी घटाने के मद्देनजर भारत में लागू डिजिटल व्यवस्था की जोरदार सराहना की गई है। आईएमएफ के द्वारा प्रकाशित रिसर्च पेपर में यह भी कहा गया है कि सरकार के प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को दिए जा रहे मुफ्त खाद्यान्न ने गरीबों पर मार को कम करने में अहम भूमिका निभाई है और इससे अत्यधिक गरीबी में भी कमी आई है। यह भी उल्लेखनीय है कि नीति आयोग की तरफ से वैश्विक मान्यता के मापदंडों पर आधारित जो बहुआयामी गरीबी इंडेक्स (एमपीआई) दस्तावेज जारी किया गया है, उसमें कहा गया है कि पिछले नौ वर्षों में भारत में करीब 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी के दायरे से बाहर आ गए हैं, लेकिन अभी भी भारत में करीब 15 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे हैं।

इस दस्तावेज के मुताबिक सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं और देश में आम आदमी तक पहुंची डिजिटल सुविधाओं ने बहुआयामी गरीबी कम करने में प्रमुख भूमिका निभाई है। निःसंदेह गरीबी को घटाने और आम आदमी के लाभों से जुड़ा भारत का डिजिटल विकास वैश्विक मंच पर चमक रहा है। 50 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को जनधन खातों के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा गया है। डिजिटलीकरण ने भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में और आधार ने लीकेज को कम करते हुए लाभार्थियों को भुगतान के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर-डीबीटी) में मदद की है। इन्फोसिस के सह संस्थापक और चेयरमैन नंदन नीलेकणी का भी कहना है कि भारत ने अपने अनोखे डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और नई डिजिटल पूंजी के सहारे पिछले 10 साल में वह कर दिखाया जो पारंपरिक तरीके से काम करने में पांच दशक लग जाते। भारत में वर्ष 2014 से लागू की गई डीबीटी योजना एक वरदान की तरह दिखाई दे रही है। भारत ने पिछले एक दशक में मजबूत डिजिटल ढांचे से डिजिटलीकरण में एक लंबा सफर तय कर लिया है, जिससे आम आदमी सहित पूरी अर्थव्यवस्था लाभान्वित हो रही है। यदि हम हाल ही में प्रकाशित कुछ अन्य प्रमुख वैश्विक आर्थिक रिपोर्टों को देखें तो पाते हैं कि उनकी अध्ययन रिपोर्टों में दुनिया में तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रही भारतीय अर्थव्यवस्था में डिजिटल अर्थव्यवस्था को भारत की नई शक्ति बताया गया है। इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकोनॉमिक रिलेशंस (इक्रियर) और वैश्विक उपभोक्ता इंटरनेट समूह प्रोसस की रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था की वैश्विक रैंकिंग में अब भारत अमरीका और चीन के बाद दुनिया के तीसरे नंबर का सबसे बड़ा देश बन गया है। इक्रियर के द्वारा डिजिटल अर्थव्यवस्था पर हुई यह स्टडी कनेक्ट, हार्नेस, इनोवेट, प्रोटेक्ट और सस्टेन जैसे पांच महत्वपूर्ण पैरामीटर्स पर आधारित है। इन पैरामीटर्स पर भारत ने 39.1 स्कोर किया है, जबकि पहले क्रम पर स्थित अमरीका ने 65.1 और दूसरे क्रम पर स्थित चीन ने 62.3 स्कोर किया है। भारत के बाद ब्रिटेन चौथे और जर्मनी पांचवें क्रम पर है। इस रिपोर्ट को जारी करते हुए नैसकॉम के अध्यक्ष देबजानी घोष ने कहा कि दुनिया अभी भी वास्तव में नहीं समझ पाई है कि प्रौद्योगिकी ने आम आदमी से लेकर सभी वर्गों के भारतीयों के दैनिक जीवन में खुद को कैसे शामिल कर लिया है, जो वास्तविक डिजिटल अर्थव्यवस्था है। एक उभरती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत ने डिजिटल युग में छलांग लगा दी है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इंटरनेट नेटवर्क वाला देश है। इसी प्रकार रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि डिजिटल भुगतान में भारत विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर है। बीते वर्ष 2023 में देश में कुल डिजिटल भुगतान यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की हिस्सेदारी बढ़कर 80 फीसदी के करीब पहुंच गई है। यूपीआई लेन-देन की संख्या महज छह साल में 273 गुना बढ़ी है। वर्ष 2017 में 43 करोड़ यूपीआई लेन-देन हुए थे, वर्ष 2023 में इनकी संख्या बढ़कर 11761 करोड़ हो गई। निःसंदेह भारत में यूपीआई ने भुगतान क्षेत्र में क्रांति ला दी है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारत में डिजिटल प्रौद्योगिकी को न केवल युवा अपना रहे हैं, बल्कि बुजुर्ग और गरीब वर्ग के लोग भी इसमें पीछे नहीं हैं। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान, भारत को सार्वजनिक सेवाओं की बड़े पैमाने पर डिलीवरी के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के चैंपियन के रूप में मान्यता दी गई थी। छोटे उद्योग-कारोबार के लिए सरल ऋण और रोजगार सृजन आम आदमी के बीमा और अन्य जनकल्याण योजनाओं के लिए डिजिटल ढांचे का सफल उपयोग किया जा रहा है। इससे समाज के करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। हम उम्मीद करें कि सरकार अभी भी देश में गरीब वर्ग के 15 करोड़ से अधिक लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर लाने के लिए गरीबों तक डिजिटलीकरण की सरल पहुंच सुनिश्चित करेगी। डिजिटल आधारित भारत की नई दुनिया में सौ फीसदी विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु रणनीतिक प्रयत्न सुनिश्चित किए जाएंगे।

दृष्टि कोण

घोषणापत्रों में गोवंश आश्रय का मसला नदारद

'कसमें वादे प्यार वफा सब बातें हैं बातों का क्या'। सन्-1967 की ब्लाक्बस्टर फिल्म 'उपकार' के लिए मशहूर गीतकार 'इंदीवर' द्वारा लिखा गया यह नगमा मुल्क की सियासत पर सटीक बैठता है क्योंकि इंतखाबी तश्हीर के दौरान लोगों से किए गए सियासी वादे अक्सर अंजाम तक नहीं पहुंचते। इक्तदार हासिल होने के बाद प्रजातंत्र के कई अहम मुद्दे सियासी बंदरबाट का शिकार हो जाते हैं। चिरस्थाई हो चुके देश के कुछ मुद्दों का समाधान निकालने में सियासी व्यवस्था विफल रही है तथा भविष्य में समाधान निकलने की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। हमारे सियासी रहनुमां देश को विश्व की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनाने के दावे करते हैं। आत्मनिर्भर भारत का नारा बुलंद किया जाता है। कर्ज के बोझ तले डूब चुके किसानों को कृषि कर्ज के विकल्प के तौर पर प्राकृतिक कृषि का मशिवरा पेश किया जाता है। स्वस्थ जीवनशैली के लिए गौ आधारित प्राकृतिक कृषि उत्पादों को अपनाने की सलाह दी जाती है। किसानों की आमदनी बढ़ाने के दावे भी किए जाते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि कृषि अर्थतंत्र को गुलजार करने की सलाहियत रखने वाला गोवंश बेसहारा होकर आश्रय को मोहताज है। हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में आयोजित होने वाले ग्रीष्मोत्सव व नलवाड़ मेलों का शुभारंभ बैल पूजन से होता है। शिव मंदिरों की चौखट पर शीश नवाने के साथ लोग मनोकामना के लिए अक्सर भगवान शिव के नंदी की मूर्ति के आगे विशेष तौर से नतमस्तक होते हैं, मगर इसे आधुनिकता का खुमार कहें या विलायती तहजीब का अंदाज! सदियों से मुल्क के कृषि क्षेत्र को आबाद करने वाले भगवान शंकर के वास्तविक नंदी तथा अनादिकाल से भारतवर्ष के हर घर-आंगन की शोभा रहा गौधन सडक़ों पर विचरण करके सितम व क्रूरता का शिकार हो रहे हैं। मगर देश में विदेशी नस्ल के कुत्ते पालने का प्रचलन जोर पकड़ चुका है। हिंदोस्तान की सियासत में दशकों पूर्व गाय,

बैल व किसान चुनावी चिन्ह के रूप में कुछ सियासी दलों के परचम पर भी चस्पां थे। मगर हालात इस कदर गंभीर हैं कि किसान तथा गोवंश अपने हकूक के लिए एक मुद्दत से सडक़ों पर फरियादी बनकर जद्दोजहद कर रहे हैं। गोवंश के हक के लिए सियासी तौर भी आवाज बुलंद होती रही है। लावारिस गौवंश का मुद्दा पिछले कई चुनावों में सुर्खियों में रहा है। बेसहारा पशु समस्या के समाधान के लिए सियासी रहनुमां लोगों को कई मर्तबा मुतमईन कर चुके हैं, मगर मौजूदा चुनावों में 'गौमाता' गुमनाम है। चुनावी घोषणापत्रों में बेसहारा गौधन को आश्रय देने का मुद्दा नदारद है। निराश्रित गोवंश को पंचायतों द्वारा आश्रय देने के वादे भी कागजों में सिमट गए। बेसहारा पशुओं का जमावड़ा राहगीरों के लिए भी परेशानी का सबब बन चुका है। जंगली जानवरों का कहर तथा बेरुखे मौसम की मार के साथ कृषि भूमि में लावारिस पशुओं की चहलकदमी से परेशान होकर कृषक वर्ग कृषि व्यवसाय से तौबा करने को मजबूर है। सडक़ों पर कयाम बना चुका गोवंश दुर्घटनाओं को दावत दे रहा है। तेज रफ्तार वाले वाहनों की चपेट में आने से गोवंश हादसों का शिकार हो रहा है। हादसों से बचाव के लिए बेसहारा पशुओं के गले में रेडियम के पट्टे भी बांधे गए। विशेष पंजीकरण पशुओं की टैगिंग भी की जाती है ताकि पशुओं के मालिक की शिनाख्त कायम रहे, मगर सडक़ों पर गोवंश के समूह तस्दीक करते हैं कि बेसहारा पशु समस्या के समाधान के लिए धरातल पर कोई भी हिकमत कामयाब नहीं हुई। पशुपालन व्यवसाय में विश्व में शीर्ष पर काबिज भारत गोवंश को लावारिस छोडने के मामले में भी विश्व में पहले पायदान पर काबिज है। वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा दूध उत्पादन करने वाला देश भी भारत ही है। मगर देश की जनसंख्या के मद्देनजर दूध की खपत उत्पादन से लगभग चार गुना अधिक है। उत्पादन व खपत के बीच एक बड़ा अंतर होने से मिलावटखोरी का कारोबार जोरों पर चलता है। विश्व में सर्वोत्तम नस्ल का भारतीय स्वदेशी गौधन अपनी उत्तम दुग्ध गुणवत्ता के लिए विश्वविख्यात है। इसी कारण दुनिया के कई देशों में भारतीय स्वदेशी नस्ल के गोवंश की मांग रहती है। हैरत की बात है कि उत्तम दुग्ध गुणवत्ता वाले जिस स्वदेशी गौधन के संरक्षण के प्रयास हो रहे हैं, वो स्वदेशी नस्ल की गऊएं भी लावारिस होकर सडक़ों पर भटक रही हैं। भारतीय संस्कृति में गौपालन व्यवसाय का प्रचलन प्राचीन काल से चला आ रहा है। आस्था का प्रतीक रहे गौधन को आश्रय देना पारंपरिक रिवायत रही है। रोजमर्रा की कई बुनियादी जरूरतें सदियों से गोवंश पर ही निर्भर रही हैं।

कुछ अलग

रोजगारों की कब्रगाह बनतीं कंपनियां, अतीत से सुनें वर्तमान की धड़कन

नौकरी चाहने वालों के सपनों में जो कंपनियां बसती हैं, उनमें नौकरी करने वालों के सबसे बुरे सपने हकीकत बन गए हैं। गूगल ने एकमुश्त 1,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। कहते हैं कि यह तो बड़ी छंटनी की शुरुआत भर है। टेस्ला वाले एलन मस्क करीब 6,000 कर्मचारियों को निकाल कर भारत आते हुए चीन पहुंच गए। बीते साल उन्होंने ट्वीटर (अब एक्स) के 4,000 लोग निकाले थे। मेटा वाले जुकरबर्ग ने बीते साल 11,000 लोगों को बेरोजगार किया। तकनीकी कारोबारों में रोजगारों का कत्लेआम मचा है। तकनीक की दुनिया के छोटे-बड़े सितारे कर्मचारियों को ऐसे निकाल रहे हैं, मानो प्रलय आ गई हो। इस साल ही दिग्गज तकनीकी कंपनियों में करीब 75,000 लोगों की नौकरी चली गई है। भारत में भी स्टार्ट-अप कंपनियां रोजगारों की कब्रगाह बन गई हैं। बायजूस, चार्जबी, ओला, मीशो, कार 24, लीड, अनएकेडमी, ब्रेनली... रोजगारों को सूली पर चढ़ाने वालों की सूची बढ़ती जा रही है। पूरी दुनिया के लोग मास ले-ऑफ की विपत्ति से वाकिफ हो चुके हैं। सामूहिक छंटनी को यह अभागा नाम अमेरिका में मिला था, जहां करीब 40 साल पहले तक इतने बड़े पैमाने पर एक साथ रोजगार खत्म नहीं किए जाते थे। तो रोजगारों का यह संहार आया कैसे? आइए, टाइम मशीन का कंडक्टर बुला रहा है, इंजन चालू है, सीट पकड़िए, उड़ चलते हैं अतीत में। हम 1940 के दशक में पहुंच गए हैं। 1930 की महामंदी के बाद बेरोजगारी अमेरिका का सबसे बड़ा राजनीतिक खौफ बन चुकी थी। दूसरे विश्वयुद्ध के साथ अमेरिका में युद्ध संबंधी उत्पादन 40 फीसदी बढ़ गया। नई तकनीकें, नए रोजगार आए हैं, तो मंदी का दारिद्र्य दूर हो रहा है। इस कामयाबी से अमेरिकी नीति-निर्माताओं को महसूस हुआ कि सरकारी दखल से अर्थव्यवस्था की कायापलट हो सकती है। अमेरिकी अखबारों की सुर्खियां आपकी सीट के सामने की स्क्रीन पर तैर रही हैं। यह खबर फुल इंप्लायमेंट विधेयक के मसौदे की है और वक्त है 1945 का। पूर्ण रोजगार की सरकारी गारंटी देने के लिए कानून बनाने की तैयारी दुनिया ने इससे पहले कभी नहीं सुनी थी। इस विधेयक की प्रस्तावना में लिखा है कि अमेरिका के वे सभी लोग, जो स्कूलिंग पूरी कर चुके हैं और कोई घरेलू काम नहीं कर रहे हैं, अमेरिका की फेडरल सरकार इस कानून के तहत उन्हें अच्छे रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी। याद दिला दें कि स्टीफन केम्प बेली ने इस कानून पर एक किताब लिखी थी-कांग्रेस मेक्स ए लॉः द स्टोरी बिहाइंड द इंप्लायमेंट ऐक्ट ऑफ 1946। यह किताब राजनीतिक क्लासिक की गिनती में आती है। वैसे मसौदे से कानून तक आते-आते कई बदलाव हुए। रोजगार का वादा उतना दो टूक नहीं रहा, जितना मसौदे में था। कानून यह कहता था कि राज्यों और उद्योगों की मदद से अधिकतम रोजगार दिए जाएंगे और जनता की क्रयशक्ति (पर्चेजिंग पावर) बढ़ाई जाएगी। 20वीं सदी के आठ दशकों तक दुनिया के बाजारों को सामूहिक छंटनी यानी मास ले-ऑफ नाम की बला के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। अब टाइम मशीन 1980 में आ गई है। व्हाइट हाउस में रोनाल्ड रीगन विराज रहे हैं। उनकी नई आर्थिक नीति और निजीकरण की मदद से अमेरिका का कॉरपोरेट क्षेत्र तेजी से उभर रहा है। एयरलाइन बाजार में एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स महत्वपूर्ण बन गए हैं। यही तकनीकी लोग आकाश से जमीन तक विमानों की आवाजाही संभालते हैं।

देश दुनिया से

पर्याप्त सुविधाओं के अभाव से प्रभावित होती बालिका शिक्षा

आज़ादी के बाद 1951 की पहली जनगणना में जहां देश में साक्षरता की कुल दर महज़ 18 ।33 प्रतिशत थी वहीं 60 वर्षों बाद 2011 में यह बढ़कर 74 प्रतिशत से अधिक हो गई। लेकिन इस सुखद आंकड़ों के साथ सिक्के का एक दूसरा पहलू यह है कि अभी भी किशोरियों विशेषकर दूर दराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों की किशोरियों के सामने शिक्षा प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती है। अभी भी हमारे देश में कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां महिलाओं की साक्षरता दर बेहद कम है। जहां मुश्किल से लड़कियां 12वीं तक भी शिक्षा प्राप्त कर पाती हैं। ऐसा ही एक गांव राजस्थान के अलवर जिला स्थित शादीपुर है। जहां आज भी महिलाओं में साक्षरता की दर दहाई के आंकड़े को भी पार नहीं कर सका है।

हाल ही में आईसीएसई समेत विभिन्न राज्यों के दसवीं और बारहवीं के परिणाम घोषित हुए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने उम्मीद से कहीं अधिक बढ़कर प्रदर्शन किया है। यह आंकड़े बताते हैं कि यदि अवसर और सुविधाएं प्रदान किये जाएं तो लड़कियां भी किसी भी परिणाम को अपने पक्ष में करने की भरपूर सलाहियत रखती हैं। दरअसल आज़ादी के बाद हमारे देश में चाहे केंद्र की सरकार हो, या राज्य की सरकारें, सभी ने जिन बुनियादी सुविधाओं के विकास पर सबसे अधिक फोकस किया उसमें शिक्षा भी एक अहम विषय था। शहर से लेकर गांव और अमीर से लेकर गरीब तक के सभी बच्चों को समान रूप से शिक्षा प्राप्त हो इसके लिए कई स्तर पर योजनाएं तैयार की गई। बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंच को आसान बनाने पर ज़ोर दिया गया, गरीब के बच्चों की शिक्षा में कोई बाधा न आये इसके लिए अनिवार्य और मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था की गई, किताब-कॉपियां और स्कूल ड्रेस मुफ्त उपलब्ध कराये जाने लगे। सरकार की इस पहल का बहुत सकारात्मक परिणाम भी नज़र आने लगा। आज़ादी के बाद 1951 की पहली जनगणना में जहां देश में साक्षरता की कुल दर महज़ 18 ।33 प्रतिशत थी वहीं 60 वर्षों बाद 2011 में यह बढ़कर 74 प्रतिशत से अधिक हो गई। लेकिन इस सुखद आंकड़ों के साथ सिक्के का एक दूसरा पहलू यह है कि अभी भी किशोरियों विशेषकर दूर दराज़ के ग्रामीण क्षेत्रों की किशोरियों के सामने शिक्षा प्राप्त करना एक बड़ी चुनौती है। अभी भी हमारे देश में कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां महिलाओं की साक्षरता दर बेहद कम है। जहां मुश्किल से लड़कियां 12वीं तक भी शिक्षा प्राप्त कर पाती हैं। ऐसा ही एक गांव राजस्थान के अलवर जिला स्थित शादीपुर है। जहां आज भी महिलाओं में साक्षरता की दर दहाई के आंकड़े को भी पार नहीं कर सका है। इस गांव में बालिका शिक्षा के प्रति जहां समाज में उदासीनता है वहीं शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की योजनाएं भी दम तोड़ती नज़र आती है। अलवर जिला से करीब 67 किमी और तिजारा तहसील से लगभग 20 किमी की दूरी पर आबाद इस गांव की जनसंख्या 300 के आसपास है। इसमें महिलाओं की जनसंख्या करीब 48 प्रतिशत है। मुस्लिम बहुल इस गांव में 2011 की जनगणना के अनुसार कुल साक्षरता की दर 18 प्रतिशत से भी कम है। पुरुषों में जहां साक्षरता की दर करीब 30 प्रतिशत है वहीं महिलाओं में यहां साक्षरता की दर पांच प्रतिशत से भी कम है। जो न केवल चिंता का विषय है बल्कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने वाले हमारे आंकड़ों पर भी प्रश्न चिन्ह लगाता है। इतना ही नहीं गांव में न तो कोई पंचायत घर है, न आंगनबाड़ी और न ही सार्वजानिक शौचालय की कोई सुविधा उपलब्ध है। गांव वालों के रोज़गार का मुख्य साधन पशुपालन, दैनिक मज़दूरी, थ्रेसर मशीन चलाना, ट्रक ड्राइवर का काम करना और कुछ परिवार की अपनी ज़मीन है जिस पर वह खेती करते हैं। महिलाएं घर के काम के साथ साथ खेती के काम में भी पुरुषों का हाथ बटाती हैं। गांव में पक्की सड़क का अभाव होने के कारण आवागमन की सुविधा भी सुलभ नहीं है। गांव में बालिका शिक्षा की चिंताजनक स्थिति के बारे में 35 वर्षीय अब्बास बताते हैं कि गांव में केवल 8वीं तक ही स्कूल है। इससे आगे की शिक्षा प्राप्त करने के लिए लड़कियों को 10 किमी दूर अन्य गांव में जाना पड़ेगा। लेकिन आवागमन की सुविधाओं का अभाव, लड़कियों के साथ होने वाले छेड़छाड़ का डर और बालिका शिक्षा के प्रति समाज की सीमित सोच के कारण अभिभावक लड़कियों को इतनी दूर भेजने से इंकार कर देते हैं। जिससे चाह कर भी कोई लड़की 9वीं या 10वीं की शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाती है। वह बताते हैं कि गांव में 8वीं तक जो सरकारी विद्यालय संचालित हैं उनमें भी सुविधाओं का घोर अभाव है। प्रधानाध्यापक सहित केवल 4 शिक्षकों के भरोसे यह पूरा स्कूल चल रहा है। इसके अतिरिक्त स्कूल में न तो पीने के साफ़ पानी की व्यवस्था है और न ही छात्र-छात्राओं के लिए शौचालय की उचित व्यवस्था है। नाम नहीं बताने की शर्त पर एक छात्रा की मां बताती है कि उनकी बेटी कई बार स्कूल में सुविधाओं की कमी की शिकायत कर चुकी है। लेकिन वह आर्थिक रूप से इतनी सशक्त नहीं हैं कि अपनी बेटी का एडमिशन गांव से बाहर या किसी निजी शिक्षण संस्थान में करा सकें। वह बताती है कि स्कूल में कोई महिला शिक्षिका के नहीं होने से लड़कियों को अक्सर माहवारी के दौरान समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसीलिए माहवारी के दिनों में गाँव की लड़कियां स्कूल जाना बंद कर देती हैं। जिससे वह धीरे धीरे शिक्षा में पिछड़ती चली जाती हैं। 8वीं के बाद की शिक्षा के लिए दूसरे गाँव जाने के प्रश्न पर एक अन्य महिला कहती हैं कि "हमें अपनी लड़कियों की सुरक्षा की चिंता होती है।

आप का नजरिया

मुलथान का मलबा

हम अपनी छवि के ढेर पर हिमाचल की कलाकृतियों में तरक्की देख रहे हैं और उधर व्यवस्था के रिसाव में जान खतरे में है। पुनः एक मानवीय घटना के दुराचार ने अशांत कर दिया और जीवन के संघर्ष में विकास की आपाधापी ने निराश किया। जरा पूछिए मुलथान के बाजार से गुजरती आहों से कि यह सुलूक किसने किया या इस बेमौसमी बाढ़ में वहां कौन-कौन दफन हुआ। लंबाडग विद्युत परियोजना से जुड़े सारे सुरक्षा कवच उस दिन क्यों बहे और क्यों नियमों की बाहें मरोडक़र कोई सरेआम दौलत कूट कर सरगना साबित हुआ। विद्युत परियोजना के सिंहासन पर आसीन इच्छाएं जिस रिसाव को नजरअंदाज करती रहीं, वही अंततः इस विध्वंस का कारक बनी। ऐसे में पूछने से पहले यह सोचना होगा कि इस विकास की महिफल में जो लूट मची है, उसके बीच हमारी छवि, हमारा मुकद्दर और हमारा भविष्य खतरे में क्यों है। कभी सोचना कि बीबीएन में बनी दवाई जब फेल होती है, तब तरक्की का एक पूरा कारवां असफल होता है। नौबत यहां तक कि विश्वसनीयता के मानदंड में मरीज के हलक में बीबीएन में बनी अधिकांश दवाइयां अटक रही हैं। हम इसे रूटीन का वक्तव्य मान लें या नजरअंदाज करके उस गिरोह में शरीक हो जाएं जो हिमाचल की छवि को खराब कर रहा है। हमारे विकास के रथ पर सवार नवनिर्माण, अधोसंरचना या आर्थिक तरक्की की रीढ़ अगर इसी तरह के हादसों की दास्तान बन गई, तो हमारा विनाश तय है। कभी भरी बरसात में हमारे डंगों पर चढ़ा विकास, नदियों को लूटते खनन और जलापूर्ति परियोजनाओं के ढीले सुर जब टूटते हैं, तो हमारी अपनी ही आस्तीन में छुपे सांप बाहर निकल आते हैं। हम कभी सत्ता में व्यस्त हैं, तो कभी चुनाव के मुहानों पर बंटे हैं। हमें अपनी औलाद के लिए सरकार से सिर्फ दरख्वास्त करनी है-फरमाइश करनी है। हमारे घर में मुफ्त में बहता जल और सस्ती बिजली की खपत चाहिए। मुलथान परियोजना में बिजली अधिक थी या पानी का इस्तेमाल गलत था, जो मौके पर 48 दुकानों, 32 घरों और साथ लगती खेती को मलबे की तहों में लपेट गया। एक पेन स्टॉक अगर विद्युत परियोजना का अहम पुर्जा है, तो यह बार-बार क्यों बिखर रहा है। हम विद्युत राज्य की सौगंध खाते हैं, मगर अनुमतियों के दस्तावेज और उत्पादन की खेप कहीं धोखा दे देती है। क्या ऐसी परियोजनाओं के वार्षिक निरीक्षण और परिवेश की मर्यादा में सुरक्षा की संगत पैदा नहीं हुई। आखिर हिमाचली विकास, भौगोलिक क्षरण, प्राकृतिक आपदा व मौसम के खतरों के बीच हमारे आपातकालीन कदम हैं क्या जो मुलथान का मलबा दनदनाता रहा और कुछ घंटों तक प्रशासन को कानों-कान खबर न हुई। लेटलतीफी जो हर हादसे के बाद अपना बचाव करती है, वही पुनः मलबे के बीच दिखाई दे गई। अंगभंग माहौल की तश्तरी में मुलथान का नसीब एक हाइड्रो प्रोजेक्ट ने नहीं बिगाड़ा, बल्कि दोष उन हस्ताक्षरों का है जो तरक्की के बीच चांदी के कटोरे में चरित्र को गुम कर चुके हैं। बच जाती विकास की घंटियां, अगर परियोजना के लाभ में स्वार्थ के पल शिरकत न करते। शिकायतों के गुंबद खड़े करके जो शोहरत बटोर रहा था, वह कातिल मुलथान के मलबे का हकदार है। बेडियां किसे पहनाएं। क्या मलबे में व्यवस्था के नासूर खोजे जाएंगे।

2023-24 में भारत-चीन के बीच 118.4 अरब डॉलर का व्यापार, द्विपक्षीय कारोबार में चीन ने अमेरिका को पछाड़ा

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां) । भारत के साथ वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार के मामले में चीन ने अमेरिका की पीछे छोड़ दिया है। इस अवधि में भारत और चीन के बीच कुल 118.4 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। वहीं, अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार 118.3 अरब डॉलर रहा। 2021-22 और 2022-23 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार अमेरिका रहा था।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के आंकड़ों के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में चीन को भारत का निर्यात 8.7 फीसदी बढ़कर 16.67 अरब डॉलर पहुंच गया। लौह अयस्क, सूती धागा/कपड़े/मेडअप, हथकरघा, मसाले, फल-सब्जियां, प्लास्टिक और लिनोलियम जैसे क्षेत्रों में भारत का निर्यात बढ़ा है। वहीं, पड़ोसी देश से भारत का आयात 3.24 फीसदी बढ़कर 101.7 अरब डॉलर पहुंच गया। दूसरी ओर, अमेरिका को 2023-24 के दौरान भारत से निर्यात 1.32 फीसदी घटकर 77.5 अरब डॉलर रह गया। अमेरिका से भारत का आयात करीब 20 फीसदी घटकर 40.8 अरब डॉलर रह गया।

चीन 2013-14 से 2017-18 तक व 2020-21 में भी भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार था। इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) देश का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था।

चीन से 85.09 अरब डॉलर का व्यापार घाटा

जीटीआरआई ने कहा, 2018-19 से 2023-24 के दौरान शीर्ष-15 भागीदारों के साथ भारत के व्यापार में काफी बदलाव आया है। इससे न सिर्फ आयात और निर्यात प्रभावित हुआ है बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार अधिशेष एवं घाटे की स्थिति भी बदली है। इस अवधि में चीन को निर्यात में 0.6 फीसदी की मामूली गिरावट रही, जबकि आयात 44.7 फीसदी बढ़कर 101.75 अरब डॉलर पहुंच गया। आयात में वृद्धि से व्यापार घाटा 2018-19 के 53.57 अरब डॉलर से बढ़कर 85.09 अरब डॉलर पहुंच गया। इसके विपरीत, इस अवधि में अमेरिका के साथ व्यापार में वृद्धि देखी गई। अमेरिका को निर्यात 52.41 अरब डॉलर से 47.9 फीसदी बढ़कर 77.52 अरब डॉलर पहुंच गया। अमेरिका से आयात भी 14.7 फीसदी बढ़कर 40.78 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे भारत का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 16.86 अरब डॉलर से बढ़कर 36.74 अरब डॉलर पहुंच गया।

न्यूज ब्रीफ

पैकेज्ड फूड के लेबल पर गलत जानकारी हो सकती है: आईसीएमआर ने चेताया- शुगर फ्री प्रोडक्ट्स में हो सकता है ज्यादा फैट, फ्रूट जूस में महज 10 प्रतिशत फल

नई दिल्ली। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च यानी आईसीएमआर ने कहा है कि पैकेज्ड फूड पर लगे लेबल के दावे भ्रामक हो सकते हैं। साथ ही हेल्थ रिसर्च बॉडी आईसीएमआर ने यह भी कहा कि कंज्यूमर्स को पैकेज्ड फूड पर दी गई जानकारी को ध्यान से पढ़ना चाहिए, ताकि उन्हें जानकारी हो और वे अपने लिए हेल्दी फूड चुन सकें। फैट से भरे हो सकते हैं शुगर-फ्री फूड्स आईसीएमआर ने कहा कि कई प्रोडक्ट जो शुगर-फ्री होने का दावा करते हैं, असल में उनमें फैट यानी वसा की मात्रा ज्यादा हो सकती है। जबकि पैक्ड फरूट जूस में केवल 10 प्रतिशत ही फरूट पल्प होता है। हाल ही में जारी गाइडलाइंस में आईसीएमआर ने कहा कि पैकेज्ड फूड पर हेल्थ क्लेम्स सिर्फ कंज्यूमर्स का ध्यान खींचने और उन्हें यह बताने के लिए डिजाइन किए जाते हैं कि प्रोडक्ट हेल्दी है। लेबल पर दी गई जानकारी हो सकती है भ्रामक आईसीएमआर के तहत हैदराबाद बेस्ड नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन ने भारतीयों के लिए डाइटरी गाइडलाइन जारी की है। एनआईएन ने कहा, फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सख्त मानदंड हैं, लेकिन लेबल पर दी गई जानकारी भ्रामक हो सकती है। कुछ उदाहरण देते हुए एनआईएन ने कहा कि किसी फूड प्रोडक्ट को नेचुरल कहा जा सकता है, यदि इसमें एडेड कलर्स, फ्लेवर्स और आर्टिफिशियल सब्सटेंसेस नहीं मिलाए गए हैं और यह मिनिमल प्रोसेसिंग से गुजरता है।

राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार का इस्तीफा, 100 रुपए के नोट पर विवादित नक्शा छापने को बताया था गलत

नई दिल्ली । नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आर्थिक सलाहकार ने 100 रुपये के नये नोट जारी करने के सरकार के फैसले पर अपनी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति ने चिरंजीवी नेपाल के इस्तीफे को मंजूरी दे दी। देश के केंद्रीय बैंक के पूर्व गवर्नर चिरंजीवी नेपाल ने कथित तौर पर नोटों पर नया नक्शा छापने के सरकार के फैसले को अनुचित कदम करार दिया था. पिछले हफ्ते कैबिनेट की बैठक में फैसला किया गया कि 100 रुपये के नए नोट छापते समय पुराने नक्शे की जगह नए नक्शे को लाया जाएगा। नए नक्शे में कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा उसकी सीमा के अंतर्गत आते हैं। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने चिरंजीवी नेपाल की उनकी टिप्पणी के लिए सार्वजनिक रूप से आलोचना की थी। नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर राष्ट्रपति के एक करीबी ने बताया है कि चिरंजीवी नेपाल ने अपने इस्तीफे में लिखा, मैंने जनता का ध्यान आकर्षित करने के लिए यह गंभीर मुद्दा उठाया है क्योंकि इससे लोगों को व्यावहारिक समस्याएं हो सकती हैं। चिरंजीवी नेपाल ने कहा, मैंने माननीय राष्ट्रपति की गरिमा बनाए रखने के लिए पद से इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि मेरे बयान का हवाला देते हुए राष्ट्रपति को अनावश्यक रूप से विवाद में घसीटने के प्रयास किए गए।इससे पहले, सिविल सोसाइटी के नेताओं के एक समूह ने संशोधित संविधान के अनुसार नेपाल के नक्शे के साथ सौ रुपये के नए नोट छापने के सरकार के फैसले के खिलाफ टिप्पणी करने के कारण चिरंजीवी नेपाल को हटाने की मांग की थी। उन्होंने इस मामले पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया से बात करते हुए तर्क दिया कि वह राष्ट्रीय हित के खिलाफ गए और शिष्टाचार का उल्लंघन किया। नेपाल सरकार ने ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान मई 2020 में अपने क्षेत्र के भीतर लिपुलेक, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों को शामिल करने के साथ अपने नए राजनीतिक मानचित्र का अनावरण किया था। बाद में संसद ने सर्वसम्मति से इसका समर्थन किया। जिसके बाद सरकार ने भारत की आपत्ति के बावजूद सभी आधिकारिक दस्तावेजों में इस्तेमाल होने वाले पुराने नक्शे को नए नक्शे से बदल दिया है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले सप्ताह नेपाल सरकार के नए नोट जारी करने के फैसले पर असंतोष व्यक्त किया था। जयशंकर ने कहा कि इससे जमीनी हालात बदलने नहीं जा रहे हैं। नेपाल पांच भारतीय राज्यों- सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1,850 किलोमीटर से अधिक सीमा साझा करता है।

हॉन्गकॉन्ग में कार्रवाई से पहले अमेरिका में भी रिजेक्ट किए गए थे एमडीएच के उत्पाद, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां) । लोकप्रिय भारतीय मसाला ब्रांड एमडीएच, जिसके कुछ उत्पादों में गड़बड़ियों की जांच जारी है, पर पहले भी कार्रवाई हो चुकी है। 2021 से बैक्टीरिया की मौजूदगी के कारण इसके अमेरिकी शिपमेंट का औसतन 14.5 प्रतिशत रिजेक्ट कर किया गया है। अमेरिकी नियामक के आंकड़ों के एक विश्लेषण में यह बात सामने आई है। यह विश्लेषण रॉयटर्स ने किया है।

हॉन्गकॉन्ग ने पिछले महीने एमडीएच द्वारा बनाए गए तीन मसालों और एक अन्य भारतीय कंपनी, एवरेस्ट द्वारा बनाए गए एक मसाले की बिक्री को रोक दिया था। जिसमें स्पष्ट रूप से कैंसर पैदा करने वाले कीटनाशक का एथिलीन ऑक्साइड उच्च स्तर पाया गया था। एथिलीन ऑक्साइड मानव उपभोग के लिए अयोग्य है और लंबे समय तक इसके संपर्क में रहने पर यह कैंसर का खतरा पैदा करता है।

कंपनियों ने कहा है कि उनके उत्पाद सुरक्षित हैं और एमडीएच ने कहा है कि यह मसालों के भंडारण, प्रसंस्करण या पैकिंग के किसी भी चरण में एथिलीन ऑक्साइड का उपयोग नहीं करता है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और भारत के अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं। दोनों ब्रांड भारत में लोकप्रिय हैं और दुनिया भर में निर्यात किए जाते हैं।

भारत ने 2022-23 के दौरान 4 बिलियन डॉलर के मसालों का किया निर्यात

एथिलीन ऑक्साइड मानव उपभोग के लिए अयोग्य है और लंबे समय तक जोखिम के साथ कैंसर का खतरा है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा मसाला उत्पादक है और मसालों का सबसे बड़ा उपभोक्ता और निर्यातक भी है। सिय्योन मार्केट रिसर्च का अनुमान है कि 2022 में भारत का घरेलू बाजार 10.44 बिलियन डॉलर का था, और मसाला बोर्ड ने कहा कि भारत ने 2022-23 के दौरान 4 बिलियन डॉलर के उत्पादों का निर्यात किया।

हालिया जांच से पहले, 100 साल से अधिक पुरानी परिवार द्वारा संचालित भारतीय कंपनी एमडीएच के उत्पादों को साल्मोनेला की उपस्थिति के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका में बिक्री के लिए खारिज कर दिया गया था। यह एक बैक्टीरिया है जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल बीमारी का कारण बन सकता है। यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) से रॉयटर्स द्वारा संकलित नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 के बीच साल्मोनेला के लिए जांच में विफल रहने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में एमडीएच के 65 शिपमेंट में से लगभग 20 प्रतिशत, या 13 को खारिज कर दिया गया था। वर्ष 2022-23 में एमडीएच के 119 शिपमेंट में से लगभग 15 प्रतिशत को रिजेक्ट किया गया आंकड़ों से पता चला है कि वित्त वर्ष 2022-23 में, 119 एमडीएच शिपमेंट में से लगभग 15 प्रतिशत को ज्यादातर साल्मोनेला की मौजूगी के कारण खारिज कर दिया गया था, जबकि 2021-22 के दौरान खारिज किए गए शिपमेंट का प्रतिशत 8.19 प्रतिशत था। संयुक्त राज्य अमेरिका में एवरेस्ट को कम अस्वीकृति मिली है, 2023-24 में अब तक इसके 24 शिपमेंट में से केवल एक को साल्मोनेला की मौजूदगी के कारण खारिज किया गया है। आंकड़ों से पता चला है कि 2022-23 में एवरेस्ट के लगभग 3.7 प्रतिशत अमेरिकी शिपमेंट को रोक दिया गया था। वहीं, एक साल पहले अमेरिका में 189 शिपमेंट में से कोई भी अस्वीकृति नहीं हुई थी। एफडीए के आंकड़ों से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए एमडीएच के प्रवक्ता ने कहा कि हमारे उत्पाद सुरक्षित हैं। वहीं एवरेस्ट ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-2024 में उसके अमेरिकी शिपमेंट की असाधारण अस्वीकृति दर 1 प्रतिशत से कम थी, उन्हों कहा कि उनके उत्पाद सुरक्षित हैं।

गतिरोध खत्म होते ही बीमार केबिन क्रू सदस्य भी काम पर लौटे, जल्द सामान्य होंगी सभी सेवाएं

नई दिल्ली । एयर इंडिया से यात्रियों के लिए राहत भरी खबर आई है। एयर इंडिया अब अपनी उड़ानें फिर से बहाल कर रही है। एयरलाइन के एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी नेटवर्क को फिर से स्थिर कर रही है। वहीं, केबिन क्रू यूनियन ने बताया कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी सदस्य ड्यूटी पर शामिल हो गए हैं। हालांकि, अब तक एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ ने एक विज्ञप्ति जारी की। विज्ञप्ति में कंपनी ने कहा कि बीमारी की सूचना देने वाले सभी केबिन क्रू सदस्य वापस आ गए हैं। केबिन क्रू की ओर से कोई देरी नहीं की गई। हालांकि, कंपनी के शेड्यूलिंग सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी के कारण अभी भी कर्मचारियों के बीमार होने की सूचना है। इसके अलावा, अधिकारी ने बताया कि उड़ानें धीरे-धीरे बहाल की जा रही हैं। 20 उड़ानें रद्द की गईं एयर इंडिया टाटा समूह के अधीन है। एयरलाइन रोजाना करीब 380 उड़ानों का परिचालन करती है लेकिन केबिन क्रू सदस्यों के अचानक छुट्टी पर चले जाने से उसे अपना परिचालन कम करना पड़ा। सामान्य स्थिति में एयरलाइन 120 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और 260 घरेलू उड़ानों का परिचालन करती है। हालांकि, 20 उड़ानें रद्द की गईं हैं। 85 उड़ानें रद्द कर दीं गईं थीं। जो, कुल दैनिक क्षमता का करीब 23 फीसदी था।

विदेशी निवेशकों ने 10 दिन में निकाले 17,083 करोड़, चुनावी माहौल से एफपीआई में अनिश्चितता

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां) । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई के पहले 10 दिन में घरेलू शेयर बाजारों से 17,083 करोड़ रुपये की निकासी की है। चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच ऊंचे मूल्यांकन और मुनाफा वसूली के लिए विदेशी निवेशक घरेलू बाजारों से निकासी कर रहे हैं।

इससे पहले अप्रैल में मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड पर रिटर्न बढ़ने से एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इस तरह, एफपीआई मई के पहले 10 दिन में ही अप्रैल से अधिक की निकासी कर चुके हैं। एफपीआई ने मार्च में 35,098 करोड़ और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। माना जा रहा है कि चुनाव के बाद घरेलू कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ाएंगे।

बॉन्ड बाजार से 1,602 करोड़ रुपये की निकासी

एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार से भी 1,602 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था। एफपीआई 2024 में अब तक कुल मिलाकर शेयरों से 14,860 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

गोल्ड ईटीएफ से निकले 396 करोड़

गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से अप्रैल में 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुईहै।निवेशकों के मुनाफा काटने की वजह से यह निकासी हुई है। हालांकि, मार्च में इसमें 373 करोड़ रुपये का प्रवाह हुआथा।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, इस निकासी के बावजूद अप्रैल के अंत में गोल्ड ईटीएफ के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) पांच फीसदी बढ़कर 32,789 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई।मार्च में गोल्ड ईटीएफ का एयूएम 31,224 करोड़ रुपये रहा था।

रेलिगेयर की कंपनी एनबीएफसी पर लगा फर्जीवाड़े का दाग हटा: रश्मि सलूजा

नई दिल्ली, 13 मई । बर्मन परिवार रेलिगेयर एंटरप्राइजेज के अधिग्रहण की कोशिश कर रहा है। इस बीच कंपनी की चेयरपर्सन रश्मि सलूजा का कहना है कि रेलिगेयर एंटरप्राइजेज की संपत्तियों और निवेश का पूरा फायदा उठाने का काम अधिग्रहणकर्ता की गैर जिम्मेदारी की वजह से अटका हुआ है। सलूजा ने कहा कि रेलिगेयर समूह की चारों कंपनियां वित्तीय मोर्चे पर अच्छा कर रही हैं। हमारी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) पर लगा फर्जीवाड़े का दाग हट गया है और कर्ज देने वालों के साथ एकमुश्त निपटारा भी कर दिया गया है। अब रेलिगेयर की आगे की संभावनाओं का फायदा उठाने पर जोर है।झ

डाबर समूह के प्रवर्तक बर्मन परिवार ने रेलिगेयर में 26 फीसदी हिस्सेदारी और खरीदने के लिए पिछले साल अक्टूबर में खुली पेशकश का प्रस्ताव किया था किंतु उसे अभी तक नियामक से मंजूरी नहीं मिली है।

रेलिगेयर का शेयर 212 रुपये पर बंद हुआ। खुली पेशकश 235 रुपये के भाव पर की गई थी लेकिन रेलिगेयर के बोर्ड ने इसका विरोध करते हुए कहा कि यह कंपनी के सही मूल्य के हिसाब से नहीं है। सलूजा ने कहा कि हम चाहते हैं कि अधिग्रहण का प्रस्ताव लाने वाले दूसरे शेयरधारकों के प्रति ज्यादा जिम्मेदारी दिखाएं और कंपनी से उन्हें पूरा फायदा देने में हमारी मदद करें।

प्रबंधन नियामक से उचित एवं उपयुक्त तमगा हासिल करने में मदद नहीं कर सकता और यह काम उन्हें ही करना होगा। उन्होंने कहा कि खुली पेशकश से कंपनी के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ा है मगर छोटे शेयरधारकों को नुकसान हो रहा है क्योंकि खुली पेशकश में रखी गई कीमत कंपनी के सही मूल्य और संभावनाओं के हिसाब से नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी को अपने हिस्से की जिम्मेदारी लेकर सुनिश्चित करना चाहिए कि अन्य शेयरधारकों को नुकसान न हो।

बकाया भुगतान के लिए मिलेंगे तीन दिन अतिरिक्त जरूरत पर सात दिन में बंद करा सकते हैं

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां) । आरबीआई ने पारदर्शिता बढ़ाने व उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में कई बदलाव किए हैं। नएनियमों के तहत आप अपने हिसाब से कार्ड नेटवर्क का चुनाव कर सकते हैं।जरूरत पर क्रेडिट कार्ड को सात दिन में बंद करा सकते हैं।

खास बात है कि क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बदलाव कर आरबीआई ने उपयोगकर्ताओं को बड़ी राहत दी है।वह राहत है...बकाया भुगतान के लिएदेय तिथि से तीन दिन का अतिरिक्त समय।इसका मतलब है किअगर आप देय तिथि के तीन दिन बाद भी क्रेडिट कार्ड बकाया चुकाते हैं तो आपको किसी भी तरह का विलंब शुल्क नहीं भरना होगा।

उपयोगकर्ताओं को मिलेगा मुआवजा

संशोधित नियमों के तहत कार्ड जारी करने वाले बैंकों को अनुरोध के सात कार्यदिवसों के भीतर क्रेडिट कार्ड को बंद करना होगा। ऐसा नहीं करने पर वे कार्डधारक को विलंब शुल्क के रूप में प्रतिदिन 500 का भुगतान करेंगे। कार्ड जारीकर्ता अगर आपके अनुरोध तिथि से कार्ड बंद करने में 10 दिन लगाते हैं, तो इसे तीन दिन विलंब माना जाएगा। इस देरी के लिए वे क्रेडिट कार्डधारक को 1,500 रुपये का मुआवजा देंगे। क्रेडिट स्कोर पर असर नहीं क्रेडिट कार्ड का बकाया चुकाने के लिए देय तिथि के अतिरिक्त आपको तीन दिन मिलेंगे। इस अवधि के बाद ही कार्ड जारीकर्ता इस बकाये पर रिपोर्ट कर सकते हैं या जुर्माना लगा सकते हैं।खास बात है कि इससे आपका क्रेडिट स्कोर भी प्रभावित नहीं होगा। उदाहरण के लिए, अगर बकाया भुगतान की देय तिथि एक मई है और आप 4 मई को भुगतान करते हैं, तो इस पर आपको विलंब शुल्क नहीं चुकाना पड़ेगा।

बिजनेस क्रेडिट कार्ड कारोबारी संस्थाएं व एकमात्र प्रोपराइटर बिजनेस क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। इसे चार्ज कार्ड के रूप में जारी किया जाता है और इसमें ओवरड्राफ्ट सुविधा मिलती है। नए नियमों के तहत कारोबारी संस्थाएं व्यावसायिक खर्चों के लिए व्यक्तिगत कार्ड का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं। यह नियमों-शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा।

30 दिन के भीतर जरूर सक्रिय कर लें कार्ड

बैंक बाजार के सीईओ आदिल शेट्टी कहते हैं कि नए नियमों के तहत कार्डधारक अब अपना कार्ड नेटवर्क चुन सकते हैं और अपनी सुविधा के अनुसार बकाया भुगतान के लिएबिलिंग साइकिल तय कर सकते हैं। ध्यान रखने वाली बात है कि क्रेडिट कार्ड को 30 दिनों के भीतर सक्रिय जरूर कर लें। साल में कम-से-कम एक बार अपने कार्ड का उपयोग जरूर करें।

सरकारी बैंकों को 2023-24 में रिकॉर्ड 1.42 लाख करोड़ मुनाफा, एनपीए 1.70 प्रतिशत से नीचे

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां) । सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में अब तक का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। इस अवधि में कुल 12 बैंकों का फायदा बढ़कर 1,42,129 करोड़ रुपये पहुंच गया। इन बैंकों ने 2022-23 में रिकॉर्ड 1.05 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। 2021-22 में यह आंकड़ा 66,540 करोड़ रुपये था। इस दौरान सिर्फ तीन बैंकों यूको, इंडियन ओवरसीज और पंजाब एंड सिंध बैंक के मुनाफे में गिरावट रही।

बैंकों का मुनाफा सरकार की चार आर की रणनीति की वजह से बढ़ा है। इसमें एनपीए को पारदर्शी रूप से पहचानना, समाधान व वसूली, पुनर्पूंजीकरण और वित्तीय तंत्र में सुधार करना शामिल है। इस रणनीति के तहत सरकार ने 2016-17 से 2020-21 के बीच कुल 3.11 लाख करोड़ रुपये की पूंजी बैंकों में डाली है। इससे बैंकों को मदद मिली है।

दूसरी वजह है...लगातार वसूली और बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए में कमी करना है। इसका असर

यह हुआ कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सभी बैंकों का शुद्ध एनपीए घटकर 1.70 फीसदी के स्तर से नीचे आ गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एनपीए सबसे 0.20 फीसदी रहा, जबकि पंजाब एंड सिंध बैंक का एनपीए सर्वाधिक 1.63 फीसदी रहा। अकेले एसबीआई की रही आधी हिस्सेदारी कुल लाभ में करीब आधा हिस्सा एसबीआई का रहा। बैंक ने 2023-24 में 61,077 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है, जो 2022-23 की तुलना में 21 फीसदी अधिक है। बैंक ऑफ बड़ौदा 18,676 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर रहा। तीसरे स्थान पर केनरा बैंक का लाभ 37 फीसदी बढ़कर 14,554 करोड़ पहुंच गया। पंजाब नेशनल बैंक ने 8,245 करोड़ का मुनाफा कमाया, जबकि इंडियन बैंक का लाभ 52 फीसदी बढ़कर 8,062 करोड़ पहुंच गया। बैंक ऑफ इंडिया को 6,318 रुपये करोड़ का मुनाफा हुआ, बैंक ऑफ महाराष्ट्र का 56 फीसदी बढ़कर 4,005 करोड़ रुपये पहुंच गया। सबसे कम लाभ पंजाब एंड सिंध बैंक का रहा। लाभ 55 प्रतिशत घटकर 595 करोड़ रुपये रह गया। मार्च तिमाही में 43,091 करोड़ रुपये का मुनाफा मार्च तिमाही में कुल 12 सरकारी बैंकों का मुनाफा 43,091 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। मार्च, 2023 में यह 34,483 करोड़ रुपये रहा था। सबसे अधिक फायदा एसबीआई का 20,698 करोड़ रहा। इसमें 24 फीसदी की तेजी रही। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का लाभ 45 फीसदी, सेंट्रल बैंक का 41 फीसदी, इंडियन बैंक का 55 फीसदी और पीएनबी का फायदा तीन गुना बढ़ा। बैंक ऑफ बड़ौदा को 5,132 करोड़ व केनरा बैंक को 3,757 करोड़ लाभ। तेल कंपनियों का लाभ उच्चतम स्तर पर, कमाए 81,000 करोड़ रुपये इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) ने 2023-24 में 81,000 करोड़ का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। यह तेल-संकट के पूर्व के वर्षों की उनकी सालाना कमाई से कहीं अधिक है। अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024 के दौरान तीनों कंपनियों का सामूहिक रूप से एकल शुद्ध लाभ तेल संकट से पहले के वर्षों में उनकी 39,356 करोड़ रुपये की वार्षिक कमाई से बेहतर रहा है। आईओसी ने 2023-24 में 39,618.84 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया है। 2022-23 में यह आंकड़ा 8,241.82 करोड़ रुपये रहा था। बीपीसीएल का शुद्ध लाभ 1,870.10 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 26,673.50 करोड़ रुपये पहुंच गया। एचपीसीएल को 14,693.83 करोड़ का मुनाफा।2022-23 में 8,974.03 करोड़ का घाटा हुआ था।

बजरंग का एक्सपायरी किट से सैंपल लेने पहुंचे डीसीओ को हटाया, नाडा ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग का एक्सपायरी किट के साथ सैंपल लेने पहुंचे डोप कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) को हटा दिया गया है। नाडा ने डीसीओ के खिलाफ कार्रवाई मामले की प्रारंभिक जांच के बाद की है। वहीं ट्रायल में सैंपल नहीं दिए जाने के आरोप में अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किए गए बजरंग ने नाडा को नोटिस का जवाब दे दिया है। उन्होंने इस मामले की जल्द सुनवाई की मांग की है। अपने पास से पुरानी किट ले गया डीसीओ

जांच में पाया गया कि 13 दिसंबर, 2023 को डीसीओ बजरंग के आवास पर सैंपल की किट नाडा ऑफिस से ले जाने की बजाय अपने पास से पुरानी किट ले गया था। सैंपल देने का समय सुबह आठ बजे था। बजरंग ने यूरिन सैंपल दे दिया था, लेकिन ब्लड सैंपल देने वाली किट एक्सपायरी थी, जिसे बजरंग सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए नाडा पर एक्सपायरी किट के साथ सैंपल लेने का आरोप लगाया था। इसके बाद 10 मार्च को सोनीपत में हुए ट्रायल के दौरान उन्होंने डोप सैंपल नहीं दिया। साथ ही एक्सपायरी किट का जवाब देने को कहा। नाडा ने उन्हें इसके बाद अस्थायी रूप से प्रतिबंधित कर दिया।

जल्द होगी सुनवाई

बजरंग ने अस्थायी प्रतिबंध के नोटिस जवाब में कहा है कि वह इस मामले की जल्द से जल्द सुनवाई चाहते हैं। सूत्र बताते हैं कि उनकी सुनवाई अगले सप्ताह किसी भी दिन हो सकती है। अगर बजरंग सुनवाई के दौरान अपने को निर्दोष साबित नहीं कर पाए तो उन पर दो से चार वर्ष का प्रतिबंध लग सकता है।

एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे बोले- गुजरात खेल में पेशेवर रूप से आगे बढ़ाने के लिए केंद्र के रूप में उभरा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि गुजरात अपने बुनियादी ढांचे और खेल समर्थक नीति के साथ युवा खिलाड़ियों के लिए खेलों से जुड़ने, प्रगति करने और आगे बढ़ने के लिए केंद्र के रूप में आमने आया है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के संयुक्त सचिव की भी भूमिका निभाने वाले चौबे पहली गुजरात सुपर लीग (जीएसएल) के समापन दिवस पर बोल रहे थे। इस लीग के सभी मैचों की फीफा प्लस पर लाइव स्ट्रीम की गई। चौबे ने कहा, 2010 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'खेल महाकुंभ' जैसा एक छोटा सा कदम उठाया जिसने ना केवल लाखों युवाओं को खेलों में अवसर दिया बल्कि उसी पहल ने 'खेलो इंडिया' के विचार को जन्म दिया जो खेल में महाशक्ति बनने का मार्ग है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय तीरंदाजों को आगामी पेरिस ओलंपिक में अधिक पदक मिलेंगे : किम

नई दिल्ली। तीरंदाजी कोच और मेंटोर किम ह्युंग ताक का मानना है कि मजबूत तकनीकी अभ्यास के कारण भारत को आगामी पेरिस ओलंपिक में लाभ होगा और उसे ज्यादा स्वर्ण पदक मिलेंगे। किम का मानना है कि विश्व कप में स्वर्ण जीतने वाले भारतीय तीरंदाजों को इसमें मिले अनुभवों का लाभ ओलंपिक में दिखेगा हालांकि अभी तक तीरंदाजी में भारत के लिये एकमात्र ओलंपिक कोटा धीरज बोम्मादेवरा को ही मिला है। किम ने भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में कोचों के सेमिनार में कहा ,''भारतीय रिकर्व टीम ने काफी अच्छा तकनीकी अभ्यास किया है। इससे उन्हें ओलंपिक में अच्छे परिणाम मिलेंगे। '' उन्होंने कहा ,'' अभ्यास और तैयारियों में निरंतरता बनाये रखने से ही पेरिस में पदक जीतने की संभावनाएं बढ़ेगी।'' उन्होंने कहा कि रिकर्व तीरंदाज तुर्की के अंताल्या में 14 से 17 जून तक होने वाले अंतिम क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में टीम कोटा हासिल करने का प्रयास करेंगे। बोम्मादेवरा ने तरूणदीप राय और प्रवीण जाधव के साथ गत माह चीन में ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को हराकर विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था। विश्व भर के 30 देशों में 500 से अधिक तीरंदाजों के कोच रहे किम ने कहा कि भारत के सीनियर तीरंदाज युवाओं की सहायता को तैयार रहते हैं जिसका लाभ भी युवाओं को मिल रहा है, इससे टीम बेहतर होती जाती है।

कार्लसन ने जीता रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट, प्रगनानंदा को चौथा स्थान, 10वें नंबर पर रहे गुकेश

वारसॉ। मैग्नस कार्लसन ने सुपरबेट रेपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट जीत लिया है। वहीं, भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रहे। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है। अंतिम दिन कार्लसन ने ब्लिट्ज वर्ग में नौ में से आठ अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। चीन के वेई यी अंतिम दिन 2.5 अंक की बढ़त के साथ उतरे थे, लेकिन अंतिम नौ बाजियों में पांच ही अंक जुटा सके और दूसरे स्थान पर रहे। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन ने अंतिम दिन सात बाजी जीती और दो ड्रॉ की। उन्होंने कुल 26 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। वेई उनसे आधा अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहे। पोलैंड के डुडा यान क्रिस्टोफ ने 19.5 अंक के साथ तीसरा, जबकि प्रगनानंदा ने 19 अंक के साथ चौथा स्थान हासिल किया। भारत के अर्जुन एरिगेसी 18 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव ने 17.5 अंक के साथ छठा, जबकि किरिल शेवचेनकोव ने 17 अंक के साथ सातवां स्थान हासिल किया। भारत के ही अनीष गिरी 14 अंक के आथ आठवें स्थान पर रहे। जर्मनी के विन्सेंट केमेर उनसे आधा अंक पीछे नौवें स्थान पर रहे, जबकि विश्व चैंपियनशिप के सबसे युवा चैलेंजर भारत के स्टार चेज खिलाड़ी डी गुकेश ने 12.5 अंक के साथ 10वां स्थान हासिल किया।

कोच्चि टस्कर्स ने कई क्रिकेटरों के पैसे नहीं दिये : श्रीसंत

मुम्बई। पूर्व तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत ने कहा है कि आईपीएल में साल 2011 में उन्होंने एक टीम कोच्चि टस्कर्स से खेला था पर उसके पैसे आज तक उन्हें नहीं मिले हैं। श्रीसंत के अनुसार 2011 के बाद टीम को आईपीएल से हटा दिया गया था। श्रीसंत ने कहा कि उनके अलावा कई और खिलाड़ियों को अभी तक इस टीम से खेलने के पैसे नहीं मिले हैं। श्रीसंत ने कहा, कोच्चि टस्कर्स ने मेरे अलावा श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन, महेल जयवर्धने, ब्रैंडन मैक्कलम के भी पैसे नहीं दिये थे। साथ ही कहा कि रवींद्र जडेजा भी उस टीम में शामिल थे। ये टीम तीन साल तक खेलनी थी लेकिन एक साल बाद ही बाहर हो गई। मुझे लगता है कि इस मामले पर अधिक ध्यान नहीं दिया गया है। साथ ही कहा कि फ्रेंचाइजी की तरफ से पैसे लौटाने के लिए कई बार वादे किए गए हैं। मगर अबतक उन्होंने पैसे नहीं लौटाए हैं। इस मामले में उन्हें दूर-दूर तक सहायता की उम्मीद भी नजर नहीं आ रही है। श्रीसंत ने ये भी कहा कि उन्होंने बचपन से क्रिकेट में नस्लीय ताने सुने। उन्होंने कहा कि जब वह अंडर-14 खेल रहे थे तभी से उनको नस्लीय ताने मिल रहे थे। श्रीसंत ने साल 2005 में भारत के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने भारत के लिए तीनों प्रारुपों को मिलाकर 90 मैच खेले और 169 विकेट लिए। वह साल 2011 में वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा थे।

क्वालीफाइंग नहीं, सीधे फेड कप फाइनल में खेलेंगे नीरज और किशोर

भुवनेश्वर, 13 मई (एजेंसियां)।

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा और किशोर जेना को भुवनेश्वर में 15 मई को होने वाले फेडरेशन कप फाइनल्स में सीधे प्रवेश दिया गया है। नीरज और किशोर ने अपने करियर में कई बार 75 मीटर का न्यूनतम क्वालीफाइंग मार्क हासिल किया है, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश देने का फैसला किया गया है। दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे थे नीरज पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे नीरज ने हाल ही में दोहा डायमंड लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था और वह 88.38 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे।

नीरज महज दो सेंटीमीटर से शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गए थे। हालांकि एशियाई खेलों के रजत विजेता जेना का डायमंड लीग में पदार्पण निराशाजनक रहा था क्योंकि वह 76.31 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीन दौर के बाद बाहर हो गए थे। विश्व चैंपियनशिप 2023 में छठे स्थान पर रहे डीपी मनु की नजरें 85.50 मीटर के स्तर को पार करके पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर टिकी होंगी और वह भी सीधे फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

तीन साल में पहली बार घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे नीरज

नीरज चोपड़ा तीन साल में पहली बार भारत में किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने बताया कि 26 वर्षीय नीरज इसे लेकर काफी उत्साहित हैं। नीरज ने 2022 और 2023 में किसी भी घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया क्योंकि वह विदेश में प्रशिक्षण या प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। वह पिछली बार घरेलू टूर्नामेंट में मार्च 2021 में फेडरेशन कप में खेले थे। पता चला है कि नीरज दोहा से भारत पहुंच चुके हैं, लेकिन वह भुवनेश्वर पहुंचेंगे। एएफआई चाहता था कि नीरज टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद और पेरिस खेलों से पहले एक घरेलू प्रतियोगिता में भाग लें।

नौ एथलीटों को सीधे फाइनल्स में मिला प्रवेश

भारतीय एथलेटिक्स के मुख्य कोच राधाकृष्णन नायर ने एएफआई के क्वालीफिकेशन नियमों का हवाला देते हुए कहा, वे सभी जो 75 मीटर के स्तर को पार कर चुके हैं, वे क्वालीफाइंग दौर में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे।

जिन लोगों ने प्रविष्टियां दी हैं उनमें नीरज और जेना सहित ऐसा करने वाले नौ खिलाड़ी हैं। वे सीधे फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। 75 मीटर से कम थ्रो करने वाले बाकी खिलाड़ी क्वालीफाइंग दौर में प्रतिस्पर्धा करेंगे और शीर्ष तीन खिलाड़ी फाइनल में 75 मीटर से ऊपर भाला फेंकने वाले नौ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्ध करेंगे।

निशानेबाजी में ईशा और अनीष का जलवा बरकरार, ओलंपिक चयन ट्रायल में दर्ज की दूसरी जीत

भोपाल। ईशा सिंह और अनीष भानवाला ने यहां क्रमशः महिला 25 मीटर पिस्टल और पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल के ट्रायल जीतकर ओलंपिक चयन ट्रायल में दूसरी जीत दर्ज की। अनीष ने दिल्ली में इसी स्पर्धा का पहला ट्रायल जीता था, जबकि ईशा ने भी दिल्ली में कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में महिला 10 मीटर एयर पिस्टल के दूसरे ट्रायल में जीत दर्ज की थी। मध्य प्रदेश राज्य निशानेबाजी अकादमी (एमपीएसएसए) रेंज में ईशा ने महिला 25 मीटर पिस्टल ट्रायल में पहली जीत दर्ज की। उन्होंने फाइनल में 43 अंक जुटाए। उनका स्कोर इसी महीने बाकू विश्वकप में कोरिया की किम येजी के विश्व रिकॉर्ड स्कोर से एक अंक अधिक है। पुरुष रेपिड फायर पिस्टल फाइनल में अनीष ने दबदबा बनाया। उन्होंने पांच निशानों की शुरुआती तीन सीरीज में सभी सटीक निशाने लगाए। उन्होंने 36 अंक के साथ खिताब जीता। विजयवीर सिद्धू 31 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि अंकुर गोयल ने 19 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

आरसीबी को प्लेऑफ के लिए सीएसके को 18 रनों से हराना होगा, अन्य टीमों के परिणामों पर भी रखनी होगी नजर

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) की टीम दिल्ली कैपिटल्स को हराकर प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। अब आरसीबी को अपने अंतिम मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को 18 रनों के अंतर से हराना होगा , इसके अलावा अन्य टीम के परिणामों पर भी उसका प्लेऑफ में पहुंचना आधारित रहेगा। आरसीबी ने जैसे ही दिल्ली कैपिटल्स को हराया वैसे ही सीएसके से उसके मुकाबले को लेकर अटकलें शुरु होने लगी हैं।

आईपीएल प्लेऑफ के लिए अभी कोलकाता नाइटराइडर्स 18 और राजस्थान रॉयल्स 16 अंक के साथ पहले और दूसरे नंबर पर हैं। इसके बाद चेन्नई सुपरकिंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद 14-14 अंक के साथ तीसरे और चौथे नंबर पर हैं। वहीं आरसीबी, दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के 12-12 अंक हैं और ये टीमें क्रमशः पांचवें, छठे और सातवें नंबर पर हैं। गुजरात टाइटंस (10), मुंबई इंडियंस (8) और पंजाब किंग्स इतने ही अंक लेकर अंतिम तीन स्थान पर हैं। अंक तालिका में मौजूदा स्थित में जो समीकरण बनते हैं, उसके मुताबिक चेन्नई, हैदराबाद और लखनऊ की टीमें अब भी 16 अंक तक पहुंच सकती हैं। जब आरसीबी और सीएसके का मुकाबला होगा। तब तक अंक तालिका का समीकरण काफी कुछ बदल गया होगा। संभव है कि तब तक लखनऊ की टीम अपने दोनों मैच जीतकर 16 अंक तक पहुंच जाए।

अगर आसीबी को प्लेऑफ में जगह बनानी हो तो उसे सीएसके को कम से कम 18 रन से हराना होगा। वहीं यदि यदि आरसीबी 200 रन बनाए और आरसीबी की टीम बाद में बल्लेबाजी करती है तो उसे 18.1 ओवर में लक्ष्य हासिल करना होगा।

भारत की दीक्षा ने रचा कीर्तिमान, महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

भारतीय ट्रैक एथलीट के एम दीक्षा ने लॉस एंजिल्स में साउंड रनिंग ट्रैक महोत्सव में महिलाओं की 1500 मीटर में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। वहीं, अविनाश साबले पुरुषों की 5000 मीटर स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे। दीक्षा ने आयोजित प्रतियोगिता में 4 मिनट 4.78 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने हरमिलन बैंस का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 2021 में वारंगल में राष्ट्रीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 4 मिनट 5.39 सेकंड के समय के साथ रिकॉर्ड बनाया था।

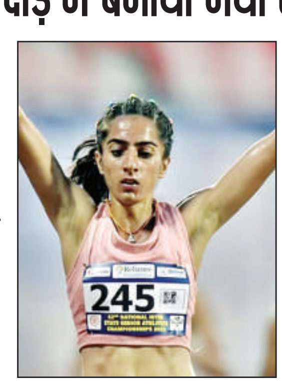

उत्तर प्रदेश के अमरोहा के रहने वाली दीक्षा का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4 मिनट 6.07 सेकंड था जो उन्होंने 2023 में भुवनेश्वर में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में हासिल किया था।

महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारूल चौधरी 15 मिनट 10.69 सेकंड का समय लेकर पांचवें स्थान पर रही जबकि अंकिता ने इसी स्पर्धा में 15 मिनट 28.88 सेकंड का समय लेकर दसवां स्थान हासिल किया।

साबले ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 13 मिनट 20.37 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी गुलवीर सिंह ने 13 मिनट 31.95 सेकंड में दौड़ पूरी की।

साबले का 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड 13 मिनट 19.30 सेकंड है। कार्तिक कुमार ने पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में 28 मिनट 7.66 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया।

ओलंपिक स्वर्ण जीतना रहेगा लक्ष्य : हरमनप्रीत

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए अब काफी कम समय बचा है। ऐसे में अब अभ्यास के लिए हर दिन बेहद महत्वपूर्ण है। इसी कारण अब हमें प्रशिक्षण सत्र के समय का अच्छी प्रकार से इस्तेमाल करना होगा। भारतीय टीम के पास अभी कांस्य पदक है और उसका लक्ष्य इस बार उसके रंग में बदलाव करना रहेगा। हरमनप्रीत ले कहा कि टीम को पिछले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे में उम्मीद के अनुसार सफलता नहीं मिली। भारतीय टीम को इस दौरे में 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम अभी ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे से लौटे हैं। ऐसे में एक छोटे से ब्रेक के बाद हम फिर से मैदान में उतरेंगे। पेरिस ओलंपिक की उल्टी गिनती शुरु हो गयी है। इसी कारण अब टीम जोश से भरी हुई है। उन्होंने कहा, 'स्वर्ण पदक जीतने के हमारे साझा लक्ष्य से प्रेरित होने से टीम की एकजुटता लगातार बढ़ी है। वहीं टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने भी तैयारी के लिए एक साप्ताहिक कार्यक्रम तैयार किया है। गौरतल है कि भारतीय टीम ने गत वर्ष एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था।

वहीं उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा कि पेरिस खेलों से पहले टीम को अपनी कमजोरियों को ठीक करना होगा। उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज से हमें उन चीजों के बारे में पता चला जिनमें हमें सुधार करना है। हम अभ्यास शिविर में लौटने के बाद इसपर ध्यान देंगे। हमारा लक्ष्य यह तय करना है कि हम पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए समय रहते हर मामले को हल कर दें।

उन्होंने कहा, 'हम बचे हुए दिनों में से हर दिन में अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे जिससे यह तय हो सके कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने की हमारी इच्छा पूरी हो। गौरतलब है कि पेरिस ओलंपिक में भारत को पूल बी में गत चैंपियन बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ रखा गया है। इसमें भारतीय टीम अपना अपने अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी।

बाबर आजम का कोई सानी नहीं, टी20 क्रिकेट में कप्तानी का बना डाला वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 13 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान ने आयरलैंड के हाथों पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में मुंह की खाने के बाद शानदार वापसी की। बाबर आजम के नेतृत्व वाली पाकिस्तान ने डबलिन में खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में आयरलैंड को 19 गेंदें शेष रहते 7 विकेट से पटखनी दी। इस जीत के साथ ही बाबर आजम ने टी20 क्रिकेट में कप्तानी में नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। बता दें कि आयरलैंड ने दूसरे मुकाबले में पहले बल्लेबाजी की और निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 193 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने 16.5 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल किया। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी की। याद हो कि आयरलैंड ने पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया था।

बाबर आजम शिखर पर पहुंचे

इस जीत का सबसे बड़ा फायदा कप्तान बाबर आजम को हुआ, जिन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। बाबर आजम सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने वाले कप्तान बन गए हैं। बाबर के नेतृत्व में पाकिस्तान ने 45वीं जीत दर्ज की। इससे पहले टी20 इंटरनेशनल मैचों में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड युगांडा के ब्रायन मसाबा के नाम दर्ज था।

मसाबा के नेतृत्व में युगांडा ने 44 मैच जीते। अब बाबर आजम इनसे आगे निकलकर शिखर पर पहुंच गए हैं। बता दें कि कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने के मामले में इयोन मोर्गन तीसरे नंबर पर काबिज हैं। मोर्गन के नेतृत्व में इंग्लैंड ने 42 मैच जीते। अफगानिस्तान के असगर अफगान मोर्गन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर काबिज हैं।

भारतीय जोड़ी का ये है हाल

कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल मैच जीतने के मामले में भारत के एमएस धोनी और रोहित शर्मा संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर काबिज हैं। धोनी और रोहित दोनों की कप्तानी में भारत ने 41 मैच जीते। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच 40 जीत के साथ टॉप-5 की लिस्ट को पूरा करते हैं।

कप्तान के रूप में सबसे ज्यादा जीत - टॉप-5

- 45 - बाबर आजम (पाकिस्तान)
- 44 - ब्रायन मसाबा (युगांडा)
- 42 - इयोन मोर्गन (इंग्लैंड)
- 42 - असगर अफगान (अफगानिस्तान)
- 41 - एमएस धोनी (भारत)
- 41 - रोहित शर्मा (भारत)
- 40 - आरोन फिंच (ऑस्ट्रेलिया)

बता दें कि पाकिस्तान और आयरलैंड के बीच सीरीज का तीसरा व अंतिम टी20 इंटरनेशनल मैच डबलिन में खेला जाएगा। आयरलैंड की कोशिश पाकिस्तान को पहली बार टी20 इंटरनेशनल सीरीज में मात देने की होगी।

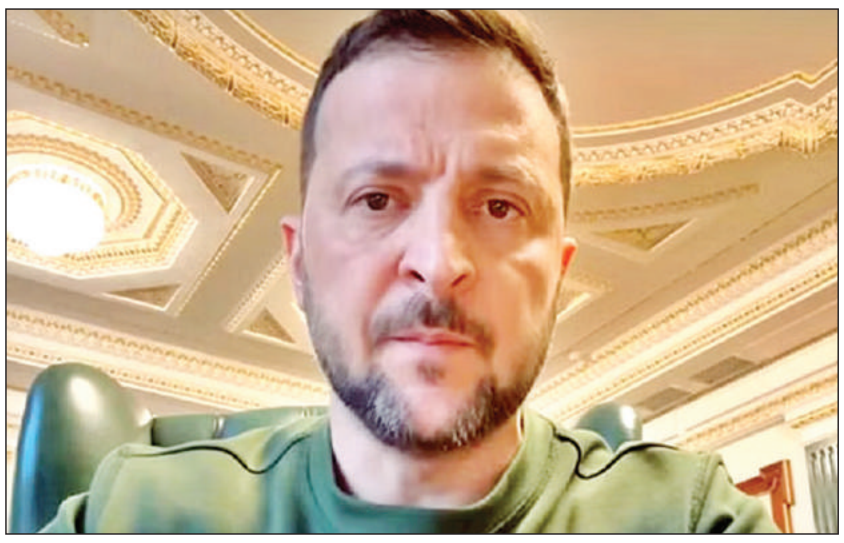

हेडलाइन के पीछे न भागें, खबरों की जांच करें, रूसी हमलों के बीच जेलेंस्की का नागरिकों से अनुरोध

कीव, 13 मई (एजेंसियां)।

रूस द्वारा हाल ही में यूक्रेन पर किए गए हमले को लेकर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों देशों के बीच भीषण युद्ध जारी है और कुछ क्षेत्रों में स्थिति बहुत खराब है। जेलेंस्की ने रूसी पीएसवाईओपी (मनोवैज्ञानिक अभियानों) के खिलाफ भी चेतवनी दी। उन्होंने एक वीडियो जारी करते हुए यूक्रेन के नागरिकों को संदेश दिया। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने नागरिकों से अनुरोध करते हुए सेना पर भरोसा रखने को कहा। इसके साथ उन्होंने हर खबरों की दोबारा जांच करने की भी अपील की।

जेलेंस्की ने जारी किया वीडियो

जेलेंस्की ने वीडियो जारी कर रूसी हमलों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस वीडियो में कहा, आज का मुख्य मुद्दा रूसी अभियानों को लेकर हमारी प्रतिक्रिया है। दिन भर कमांडर इन चीफ, खुफिया विभाग और आंतरिक मंत्रालय से रिपोर्टें आती रहीं। उन्होंने आगे बताया कि खार्किव क्षेत्र में विशेष तौर पर ध्यान दिया जा रहा है, जहां रूस अपना पैर फैलाने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों में रक्षात्मक लड़ाइयां जारी है। कछ ऐसे गांव हैं, जो ग्रे-जोन से युद्ध क्षेत्र में बदल गए। इन क्षेत्रों में रूस पैर जमाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने इस दौरान यूक्रेनी सेना का धन्यवाद किया। उन्होंने आगे बताया कि वोवचांस्क के बाहरी इलाकों में स्थिति बहुत खराब है। इस क्षेत्र में रूस लगातार हमले कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा, अब सबकुछ इस बात पर निर्भर करता है कि आप युद्ध में क्या करने में सक्षम हैं क्या आप इन हमलों का सामना कर सकते हैं, ताकि बाकी सब भी यही कर सकें। हम अन्य क्षेत्रों पर भी ध्यान दे रहे हैं, जिसमें डोनेटस्क क्षेत्र भी शामिल है। यहां की स्थिति भी गंभीर है। खार्किग क्षेत्र में हमला करने का उद्देश्य हमारी सेना को पीछे धकेलना है। नागरिकों से किया अनुरोध राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नागरिकों से अनुरोध करते हुए कहा कि इस समय भावनाओं में न बहें। हर खबर की दोबारा जांच करे और हेडलाइन के पीछे न भागें। यूक्रेनी सेना पर भरोसा रखें, क्योंकि सेना को मालूम है कि उन्हें इस स्थिति में क्या करना चाहिए। हम अपने सहयोगियों के साथ भी मिलकर काम कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारी बारिश के कारण नदी का स्तर बढ़ा 20 लाख लोग प्रभावित, मरने वालों की संख्या 140 के पार

रियो डी जेनेरियो। भूकंप के बाद आई भयंकर बाढ़ के कारण ब्राजील में तबाही मच गई। भारी बारिश के कारण दक्षिणी ब्राजील में नदी का स्तर फिर एक बार बढ़ गया। बाढ़ के कारण अबतक 145 लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश के कारण रियो ग्रांडे डो सुल के निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दो सप्ताह से मूसलाधार बारिश के कारण नदियों का पानी कस्बों और क्षेत्रीय राजधानी के कुछ इलाकों में घुस गया। भयंकर तबाही के कारण 20 लाख लोग प्रभावित इस भयंकर तबाही के कारण लगभग 20 लाख लोग प्रभावित हुए। मौसम विशेषज्ञ इस जयवायु परिवर्तन को अल नीनो से जोड़ रहे हैं। राज्य प्रशासन ने बताया कि सभी प्रमुख नदियों का स्तर बढ़ रहा है। बाढ़ के कारण 132 लोग लापता हो गए, जबकि 619,000 लोगों को अपने घरों को छोड़ कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। बाढ़ग्रस्त इलाकों में बचाव कार्य जारी है। स्थानीय लोगों ने मौजूदा स्थिति पर बात की पोर्टो एलेग्रे में बाढ़ के पानी में घरों के सामान जैसे सोफा एवं अन्य चीजों को तैरते हए देखा गया। साओ लियोपोल्डो में कई सारी कार आधी पानी में डुब गई। 36 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन क्लाउडियो द सिल्वा पड़ोस में स्थिति का जायजा लेने गए। उन्होंने बताया कि उनका घर पूरी तरह से टूट चुका है। मौजूदा स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा, मेरे जीजाजी के घर के बगल वाले घर की दूसरी मंजिल तक पानी भरा हुआ था। पानी का स्तर अब थोड़ा नीचे चला गया है और आप दूसरी मंजिल तक जा सकते हैं, लेकिन सब खराब हो गया। 50 वर्षीय एंटोनियो वेनजन ने इस स्थिति को गंभीर बताया। उन्होंने कहा, अगर बारिश बंद नहीं हुई तो क्या होगा नदी का स्तर बढ़ गया है। पोर्टो एलेग्रे के दक्षिण में पेलोटास शहर की स्थिति बदतर हो चुकी है। यहां करीब 14 लाख लोगों के घर पानी में डूब गए।

यूएन महासचिव गुटेरेस बोले- गाजा में तत्काल युद्धविराम हो, बंधकों को बिना शर्त रिहाई मिले

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि तत्काल मानवीय युद्धविराम समय की मांग है। मैं गाजा पट्टी में तत्काल मानवीय युद्धविराम, सभी बंधकों की बिना शर्त रिहाई और मानवीय सहायता में वृद्धि का आग्रह करता हूं, लेकिन युद्धविराम केवल शुरुआत होगी। इस युद्ध की तबाही और आघात से उबरने में काफी समय लगेगा। गुटेरेस ने यह टिप्पणी कुवैत में एक शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए की। जिसका आयोजन मानवीय समन्वय के लिए जिम्मेदार संयुक्त राष्ट्र एजेंसी (ओसीएचए) और अंतरराष्ट्रीय इस्लामिक धर्मार्थ संगठन (आईआईसीओ) द्वारा किया गया था। गाजा संघर्ष से तबाह हुआ जीवन, परिवार टूटकर बे-घर हुए गुटेरेस ने गाजा संघर्ष को भयानक मानवीय पीड़ा बताया। कहा कि युद्ध के परिणामस्वरूप जीवन तबाह हो गया, परिवार टूट गए और बड़ी संख्या में लोग बे-घर, भूखे और सदमे में आ गए। वहीं, गाजा पट्टी में भी इजराइली हमले जारी रहे। इजराइली रक्षा बलों ने शहर के पूर्वी इलाकों में अपनी सैन्य घुसपैठ पर अंतरराष्ट्रीय आक्रोश के बावजूद रफाह के लिए निकासी आदेश का विस्तार किया। जबकि, हमास के 7 अक्टूबर के हमले के दौरान इजराइल से अगवा किए गए बंधकों की रिहाई के लिए मध्यस्थों के माध्यम से बातचीत के बीच, ऑपरेशन का दायरा अभी भी सीमित है। मिस्र का इजराइल के साथ काम करने से कथित तौर पर इनकार मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी में इजराइल की घुसपैठ के कारण मिस्र क्रॉसिंग के माध्यम से गाजा में माल की व्यवस्था करने के लिए इजराइल के साथ काम करने से कथित तौर पर इनकार कर रहा है।

बाल्टीमोर पुल हादसाः जहाज से मलबा हटाने के लिए विस्फोट करने की तैयारी मार्च से फंसे हैं 20 भारतीय क्रू सदस्य

वॉशिंगटन। बाल्टीमोर ब्रिज हादसे को हुए करीब दो महीने का समय होने वाला है, लेकिन अभी तक जहाज नदी में ही फंसा हुआ है। दरअसल जहाज डाली पर पुल का मलबा पड़ा हुआ है, जिसे अभी तक हटाया नहीं जा सका है। अब जहाज से मलबा हटाने के लिए नियंत्रित विस्फोट कराने की तैयारी है। नियंत्रित विस्फोट कराकर मलबा हटाने की तैयारी जहाज से मलबा हटाने में जुटी टीम ने मलबे में नियंत्रित तरीके से विस्फोट कराने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत जहाज पर पड़े मलबे में छोटे-छोटे विस्फोटक लगाकर मलबे को छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़ा जाएगा, जिसके बाद मलबे को हटाना आसान होगा।

'बाइडन ने कॉलेजों को जिहादियों के हवाले किया' फलस्तीनियों के समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों को लेकर ट्रंप

वॉशिंगटन, 13 मई (एजेंसियां)।

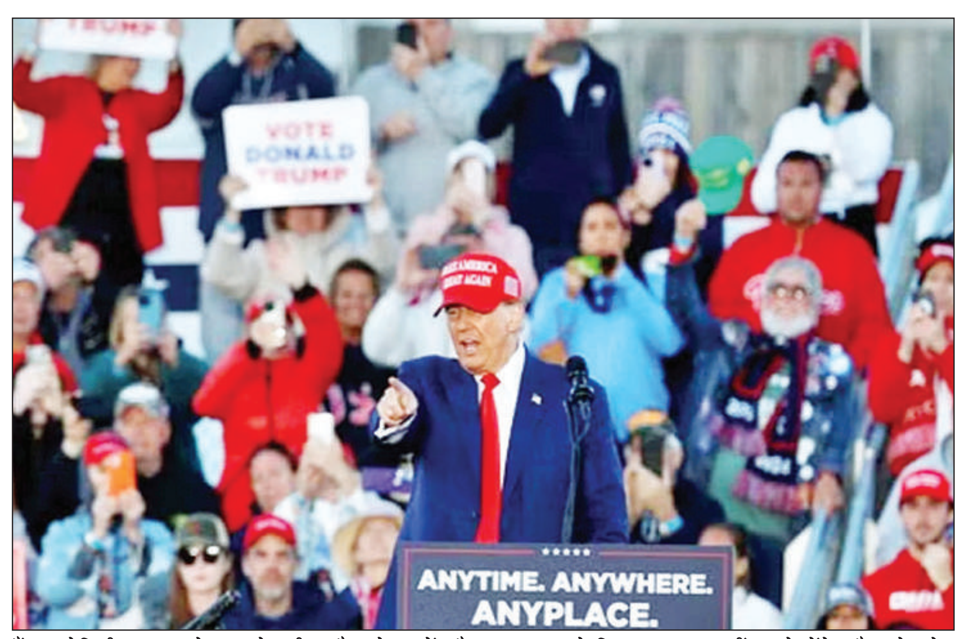

हमास और इजराइल बीते सात महीने से जंग लड़ रहे हैं। इजराइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर अमेरिका समेत कई देशों में गुस्सा भड़क गया है। दुनियाभर के छात्र इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी विरोध-प्रदर्शन को लेकर अब पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडन को आड़े हाथ ले लिया है। उन्होंने दावा किया कि उनके उत्तराधिकारी फासीवादियों से घिरे हुए हैं और उन्होंने कॉलेज परिसरों को जिहादियों और अमेरिका विरोधी चरमपंथियों के हवाले कर दिया है।

ट्रंप ने आगे दावा करते हुए कहा कि जो लोग कॉलेज परिसर में हंगामा करने के लिए प्रदर्शनकारियों को धन दे रहे हैं, वही जो बाइडन के प्रचार अभियान को धन मुहैया करा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एक कट्टरपंथी डेमोक्रेटिक पार्टी चला रहा है।

अमेरिका में हो रहे विरोध-प्रदर्शन

गाजा के लोगों की हालत को लेकर सबसे पहले अमेरिका के छात्रों ने आवाज उठाई। उन्होंने इजराइल के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया। कम से कम यहां के 40 विश्वविद्यालय परिसरों में प्रदर्शनकारी एकत्र हो चुके हैं। इन लोगों ने गाजा पट्टी में बढ़ती मौतों की संख्या के विरोध में विश्वविद्यालय परिसरों में तंबू लगाए। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, विरोध प्रदर्शनों को लेकर हजारों लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। विशेष रूप से, अमेरिका में कॉलेज परिसर एक हॉटस्पॉट बन गए हैं। अमेरिकी ध्वज को फाड़ने की कोशिश वाइल्डवुड में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, वह (बाइडन) हमारे कॉलेज परिसरों को अराजकतावादियों, जिहादियों और अमेरिकी विरोधी चरमपंथियों को सौंप रहे हैं जो हमारे अमेरिकी ध्वज को फाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वे जहां जाते हैं, हर जगह आराजकता फैलाना चाहते हैं। वे हमारे झंडे को तोड़ना चाहते हैं। अभी हमारे कॉलेज परिसरों में अराजकता और हिंसा इसलिए हो रही है क्योंकि कुटिल जो बाइडन को नहीं पता कि वह क्या कर रहे हैं। वह बहुत ढीले हैं। मौजूदा राष्ट्रपति पर हमला करते हुए ट्रंप ने बाइडन और उनकी पार्टी से यहूदी-विरोधी, अमेरिका के प्रति नफरत फैलाने वालों और अराजकता से लिए दान को वापस करने को कहा। उन्होंने कहा कि बाइडन का ओवल कार्यालय फासीवादियों से घिरा हुआ है।

विदेशों में हमारे दुश्मनों के खिलाफ खड़े नहीं होते

ट्रंप ने आगे कहा, वह चुनावों में धोखाधड़ी करने में बहुत अच्छा काम नहीं कर रहे हैं। वह विदेशों में हमारे दुश्मनों के खिलाफ खड़े नहीं होते हैं और वह अपनी पार्टी में चरमपंथियों के खिलाफ खड़े नहीं होते हैं, डेमोक्रेटिक पार्टी कट्टरपंथी होती जा रही है। यह कट्टरपंथी वामपंथी बन रही है और वे हमारे देश को खोने जा रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर वह व्हाइट हाउस लौटते हैं तो वह हिंसक कट्टरपंथियों को कॉलेजों पर कब्जा नहीं करने देंगे और जो लोग परिसरों में अमेरिका विरोधी या यहूदी विरोधी फैला रहे हैं, उन्हें तत्काल निर्वासित कर दिया जाएगा।

कॉलेजों पर कब्जा नहीं करने देंगे

राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार ने कहा, जब मैं राष्ट्रपति बनूंगा तो हम हिंसक कट्टरपंथियों को अपने कॉलेजों पर कब्जा नहीं करने देंगे। अगर आप दूसरे देश से यहां आते हैं और हमारे परिसरों में जिहादवाद या अमेरिका विरोध या यहूदी-विरोध लाने की कोशिश करते हैं तो हम आपको तुरंत निर्वासित कर देंगे। हम ऐसे लोगों को स्कूल से बाहर कर देंगे।

ब्लिंकन ने गाजा युद्ध को लेकर की इजराइल की आलोचना, कहा- रफाह पर हमले से पैदा हो सकता है स्थायी विद्रोह

वॉशिंगटन, 13 मई (एजेंसियां)।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि इजराइल केपास रफाह में करीब 14 लाख फलस्तीनी नागरिकों की रक्षा के लिए एक विश्वसनीय योजना का अभाव है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर रफाह में इजराइल का हमला स्थायी विद्रोह पैदा कर सकता है, अगर वह सभी हमास आतंकवादियों को मारने में विफल रहता है।

ब्लिंकन ने कहा, अमेरिका का मानना है कि इजराइली बलों को गाजा से बाहर निकल जाना चाहिए। उन्होंने कहा, अमेरिका युद्ध के बाद क्षेत्र में सुरक्षा और शासन के लिए इजराइल की विश्वसनीय योजना का भी इंतजार कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, अमेरिका ने अरब देशों और अन्य देशों के साथ सुरक्षा, शासन और गाजा के पुनर्निर्माण के लिए विश्वसनीय योजनाएं बनाने पर काम किया है लेकिन हमें इजराइल से ऐसा होता नहीं दिख रहा है। हमें यह भी देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमास गाजा के कुछ हिस्सों में फिर से उभरा है। रफाह में इजराइली बलों की भारी कार्रवाई से स्थायी विद्रोह पैदा होने का जोखिम है। उन्होंने कहा, इजराइल का कहना है कि रफाह में हमास की चार बटालियन हैं। लेकिन वहां दस लाख से ज्यादा लोग जमा हुए हैं। एक सैन्य अभियान से इजराइल को कुछ शुरुआती सफलता मिल सकती है। लेकिन समस्या का समाधान किए बिना आबादी को भयानक नुकसान होने का जोखिम है। रफाह पर इजराइल के हमले की योजना ने तेल अवीव और वॉशिंगटन के बीच पीढ़ियों से चले आ मजबूत संबंधों के बीच तनाव बढ़ा दिया है। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुविलन ने अपने इजराइली समकक्ष तजाची हानेग्बी के साथ फोन पर बात की और इजराइली हमले पर राष्ट्रपति जो बाइडन की चिंताओं को उठाया। सुविलन ने गाजा में हर जगह हमास की हार सुनिश्चित करने के लिए कार्रवाई के वैकल्पिक तरीकों पर चर्चा की और हानेग्बी ने पुष्टि की कि इजराइल अमेरिका की चिंताओं को ध्यान में रख रहा है।

बाढ़ से हालात खराब, मृतकों का आंकड़ा 300 के पार, राहत कार्यों में इस्तेमाल हो रहे गधे

काबुल, 13 मई (एजेंसियां)।

अफगानिस्तान में बाढ़ के बाद हालात बेहद खराब हैं। बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्यों में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि अधिकतर इलाकों में वाहनों का जाना संभव नहीं है। ऐसे में बाढ़ प्रभावित इलाकों में खाद्य सामग्री पहुंचाने के लिए गधों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम ने साझा की तस्वीर

संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम संगठन ने एक तस्वीर साझा की है, जिसमें एक राहत बचाव कर्मी गधे पर लादकर खाद्य सामग्री को ले जाता दिख रहा है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि बाढ़ संबंधित जानकारी, अधिकतर बाढ़ प्रभावित इलाकों में ट्रक नहीं जा पा रहे हैं। ऐसे में संगठन को बाढ़ प्रभावितों को मदद पहुंचाने के लिए अन्य विकल्पों पर विचार करना पड़ा। अफगानिस्तान बाढ़ में मरने वाले लोगों का आंकड़ा 300 को पार कर गया।

अफगानिस्तान के इन प्रांतों में बाढ़ से हुई तबाही

बाढ़ से अफगानिस्तान के बदख्शां, घोर, बगलान, हेरात प्रांत में भारी तबाही हुई है और इन प्रांतों में करीब दो हजार घर तबाह हो गए हैं। घरों के अलावा भी आधारभूत ढांचे को काफी नुकसान हुआ है। मुस्लिम देशों के संगठन ओआईसी ने भी सदस्य देशों से अफगानिस्तान की आर्थिक मदद करने की अपील की। अफगानिस्तान की बाढ़ में मृतकों का आंकड़ा 315 हो गया है और 1630 लोग घायल हुए हैं।

महंगाई को लेकर पीओके में चौथे दिन भी तनावपूर्ण स्थिति, पीएम शहबाज बुला सकते हैं उच्च स्तरीय बैठक

इस्लामाबाद, 13 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बिजली बिल, टैक्स और आटे की कीमतों में भारी वृद्धि के खिलाफ भी स्थिति तनावपूर्ण रही। महंगाई के खिलाफ क्षेत्र में पूर्ण हड़ताल चौथे दिन भी जारी रहा। बिगड़ते हालात के बीच सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हो गई। इस झड़प के बाद पाकिस्तान की सरकार स्थिति को शांत करने की दिशा में जोर दे रही है।

मौजूदा स्थिति पर प्रधानमंत्री करेंगे बातचीत क्षेत्र में हुई इस झड़प में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई थी। प्रदर्शन के दौरान 100 के करीब घायल भी हुए, जिसमें ज्यादातर पुलिसकर्मी ही थे। क्षेत्र में पूर्ण हड़ताल जारी है। इस तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री

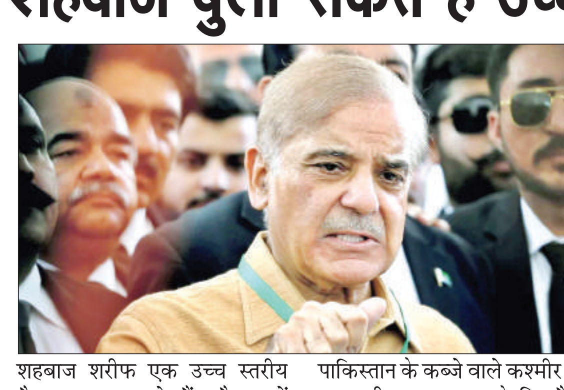

शहबाज शरीफ एक उच्च स्तरीय बैठक बुला सकते हैं। बैठक में महंगाई को लेकर बातचीत होने की संभावना है। जम्मू कश्मीर संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) क्षेत्र में बिजली के प्रावधान, गेहूं के आटे पर सब्सिडी समेत अन्य विशेषाधिकारों को समाप्त करने की मांग कर रही है। जेएएसी के नेतृत्व में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद के लिए रैली निकाली गई। रावलकोट के एक प्रदर्शनकारी नेता ने सरकार पर टालमटोल की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। तनाव को शांत करने की कोशिश स्थानीय मीडिया के अनुसार, प्रदर्शनकारी पहले ही कई स्थानों पर धरना दे चुके हैं। चौराहों और कुछ क्षेत्रों में भारी संख्या में पुलिसबलों को तैनात किया गया है। बाजार, व्यापार केंद्र और शिक्षण संस्थानों को बंद कर दिया गया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने बताया कि उन्होंने पीओके के प्रधानमंत्री (अवैध तौर पर नियुक्त) चौधरी अनवारुल हक से बात की। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के पदाधिकारियों को एक्शन कमेटी के नेताओं से बात करने का निर्देश दिया। तनाव को शांत करने के प्रयास में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सभी से संयम बरतने और आपसी परामर्श से मुद्दों को हल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की मांगों को नियम के अनुसार संबोधित किया जाना चाहिए।

किंग चार्ल्स अपने बेटे से नाराज, प्रिंस हैरी से मिलने से किया था इनकार, अब डेविड बेकहम से की मुलाकात

लंदन, 13 मई (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के शाही घराने में प्रिंस हैरी से उनके पिता किंग चार्ल्स की नाराजगी जगजाहिर है। इस सप्ताह की शुरुआत में खबर आई थी कि किंग चार्ल्स की अपने बेटे हैरी से मुलाकात नहीं हो पाएगी। हालांकि, इन सब दावों के बीच किंग ने डेविड बेकहम के साथ एक निजी बैठक की।

बेकहम से इस वजह से मिले

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 49 साल के इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉल कप्तान ने 75 साल के किंग्स चार्ल्स के साथ किंग्स फाउंडेशन पर चर्चा करने के लिए एक निजी बैठक की। कहा जा रहा कि बेकहम ने राजा से उनके चैरिटी फाउंडेशन के बारे में अधिक जानने के लिए उनसे मुलाकात की थी।

सात मई को आए लंदन दौरे पर

ड्यूक ऑफ ससेक्स कहे जाने वाले प्रिंस हैरी इनविक्टस गेम्स के आयोजन के लिए सात मई को लंदन पहुंचे थे। प्रिंस हैरी अपनी पत्नी मेगन के साथ अमेरिका में रहते हैं। बीते दिनों नेटफ्लिक्स की एक डॉक्यूमेंट्री में और प्रिंस हैरी की आत्मकथा स्पेयर में शाही परिवार से जुड़े कई खुलासे किए गए थे। इसके चलते किंग चार्ल्स प्रिंस हैरी से नाराज हैं।

प्रिंस के प्रवक्ता ने मीडिया को बताया था कि वे अपने पिता किंग चार्ल्स से नहीं मिलेंगे। इसकी वजह किंग चार्ल्स के व्यस्त कार्यक्रम को बताया गया था।

वहीं रॉयल कमेंटेटर चार्लेट ग्रिफिथ्स का मानना है कि प्रिंस हैरी ने किंग चार्ल्स से मुलाकात के लिए कुछ शर्तें रखी थीं, जिनकी वजह से किंग चार्ल्स ने प्रिंस हैरी से न मिलने का फैसला किया। प्रिंस हैरी की शर्त थी कि जब वे अपने पिता से मिलें तो उस वक्त कौन कमरे में रहेगा और कौन नहीं, ये वे तय करेंगे। हालांकि, किंग चार्ल्स ने हैरी की ये शर्त मानने से इनकार कर दिया।

घर छोड़ने के बाद पहले भी आ चुके हैं

हैरी अपनी पत्नी मेघन और अपने दो बच्चों के साथ घर छोड़कर साल 2020 में कैलिफोर्निया चले गए थे। उस समय से पिता और पुत्र के बीच संबंध खराब होने लगे थे। हालांकि, कैलिफोर्निया के जाने के बाद भी वह बीच-बीच में ब्रिटेन आते रहते हैं। इससे पहले वह साल 2022 में महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए यहां आए थे। उसके बाद पिछले साल अपने पिता के राज्याभिषेक में शामिल हुए।

नाइजीरिया के दौरे पर प्रिंस हैरी और मेघन

इस बीच, प्रिंस हैरी और मेघन मार्कल इनविक्टस गेम्स को बढ़ावा देने के लिए नाइजीरिया के एक संक्षिप्त दौरे पर हैं। नाइजीरिया की अपनी पहली यात्रा के दौरान, ड्यूक और डचेस ऑफ ससेक्स ने स्कूल का दौरा किया। उन्हें देश के सर्वोच्च रैंकिंग वाले सैन्य अधिकारी चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ द्वारा नाइजीरिया में आमंत्रित किया गया था।

300 साल बाद बना नवपंचम राजयोग

इन 4 राशियों के जीवन में आएंगे बड़े बदलाव

नवपंचम राजयोग ग्रहों की एक दुर्लभ स्थिति है जो 300 साल बाद 2024 में बन रही है । यह योग सूर्य और चंद्रमा के मिलन से उत्पन्न होता है। नवपंचम राजयोग एक विशेष समय में होता है जब सूर्य और चंद्रमा एक ही राशि में स्थित होते हैं, लेकिन यह ग्रहों की नवम और पंचम भावों में स्थिति के अनुसार भी प्रभावित होता है। यह योग विशेषतः धन, संपत्ति, और स्थायित्व के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे धन योग भी कहा जाता है।

अगर किसी जन्मकुंडली में नवपंचम राजयोग होता है, तो व्यक्ति को धन, संपत्ति, और धन संबंधी लाभ मिल सकता है। इस राजयोग का उदय होता है जब चंद्रमा और सूर्य दोनों एक ही राशि के नवम भाव में स्थित हों और उसका परिणाम धन, संपत्ति, और समृद्धि का प्राप्ति होता है। यह योग विशेषतः कन्या राशि के लिए उत्कृष्ट माना जाता है। किसी भी जातक के जन्मकुंडली में नवपंचम राजयोग की विशेष स्थिति होने पर उसे धन, अधिकार, और स्थायित्व की प्राप्ति हो सकती है। यह योग उत्तम अर्थिक स्थिति, सामाजिक प्रतिष्ठा, और उच्च राजनीतिक स्थान का भी सूचक होता है।

नवपंचम राजयोग का प्रभाव कब तक रहेगा? यह योग लगभग 4 महीने तक रहेगा। इसका प्रभाव 16 दिसंबर 2024 तक रहेगा।

किन राशियों को मिलेगा लाभ

मेष: करियर में उन्नति, धन लाभ, नई संपत्ति प्राप्ति, विदेश यात्रा के योग बनेंगे। यह योग आपके करियर में तेजी से प्रगति ला सकता है। आपको नई नौकरी या प्रमोशन मिलने की संभावना है। व्यवसाय में भी लाभ और विस्तार के योग बन रहे हैं। आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। नए निवेश और व्यवसायिक अवसर लाभदायक रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको सम्मान और प्रशंसा मिलेगी। आप समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सद्भाव बढ़ेगा। विवाह योग्य जातकों को विवाह के अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप ऊर्जावान और जीवनशक्ति से भरपूर महसूस करेंगे। पुरानी बीमारियों से मुक्ति मिल सकती है।

कन्या: मान-सम्मान में वृद्धि, नौकरी में प्रमोशन, व्यवसाय में लाभ, विवाह के योग बनेंगे। आपको नौकरी में प्रमोशन या नई नौकरी मिलने की संभावना है। व्यवसाय में भी लाभ और विस्तार के योग बन रहे हैं। यह योग आपके व्यवसाय में तेजी से प्रगति ला सकता है। आपको नए अवसर मिलेंगे और आपके ग्राहक बढ़ेंगे। आपकी बुद्धि और कौशल में वृद्धि होगी। आप अपने कार्यों को कुशलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम होंगे। अचानक धन लाभ हो सकता है। नए निवेश और व्यवसायिक अवसर लाभदायक रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आर्थिक रूप से स्थिर रहेंगे। आपके पास अपने खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन होगा। आपके पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सद्भाव बढ़ेगा। विवाह योग्य जातकों को विवाह के अवसर प्राप्त होंगे। मानसिक शांति मिलेगी। आप तनाव और चिंता से मुक्त रहेंगे।

कुंभ: धन लाभ, नए अवसर प्राप्ति, यश-कीर्ति में वृद्धि, विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। करियर में उन्नति या नई नौकरी मिलने की संभावना है। व्यवसाय में भी लाभ और विस्तार के योग बन रहे हैं। नए अवसर मिलेंगे जो आपके कौशल और प्रतिभा को दिखाने में आपकी मदद करेंगे।

कार्यक्षेत्र में यश और प्रसिद्धि प्राप्त होगी। नए निवेश और व्यवसायिक अवसर लाभदायक रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आपके पास अपने खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन होगा। विवाह योग्य जातकों को विवाह के अवसर प्राप्त होंगे। तनाव और चिंता से मुक्त रहेंगे।

मीन: रोगों से मुक्ति, शत्रुओं पर विजय, धन लाभ, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आपको अचानक धन लाभ हो सकता है। नए निवेश और व्यवसायिक अवसर लाभदायक रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आर्थिक रूप से स्थिर रहेंगे। आपके पास अपने खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त धन होगा। आप नए दोस्त बनाएंगे और सामाजिक जीवन का आनंद लेंगे। आपके सामाजिक संबंध मजबूत होंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सद्भाव बढ़ेगा। विवाह योग्य जातकों को विवाह के अवसर प्राप्त होंगे।

आपकी व्यक्तिगत कुंडली और अन्य ग्रहों की स्थिति के आधार पर आपके लिए परिणाम अलग हो सकते हैं। यह योग विशेष रूप से रचनात्मक कार्यों के लिए शुभ माना जाता है।

इस दौरान कला, संगीत, लेखन आदि में सफलता प्राप्त करने की संभावना रहती है।यह योग धार्मिक कार्यों में भी रुचि बढ़ा सकता है। इस दौरान लोग धार्मिक कार्यों में भाग लेने और आध्यात्मिकता में रुचि लेने लगते हैं। यह योग सामाजिक कार्यों में भी सफलता दिला सकता है। इस दौरान लोग समाजसेवा में भाग लेने और दूसरों की मदद करने में आगे आते हैं। अगर आप नवपंचम राजयोग का अधिकतम लाभ उठाना चाहते हैं, तो सकारात्मक सोच रखें। मेहनत और लगन से काम करना, अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने और जरूरतमंदों की मदद करने से आपको लाभ मिलेगा। सदाचारी जीवन जीना भी आपके लिए फायदेमंद साबित होगा।

ऐसे काम करने से मां लक्ष्मी हो जाती हैं नाराज

जानें क्या कहता है गरुड़ पुराण

पक्षीराज गरुड़ को भगवान श्रीहरि विष्णु का वाहन कहा जाता है। एक बार पक्षीराज गरुड़ ने भगवान विष्णु से प्रश्न पूछा कि मृत्यु के बाद प्राणियों की स्थिति, यमलोक तक की यात्रा, नरक, योनि और पापियों की दुर्गति से जुड़ी कई रहस्यमय और रहस्यपूर्ण बातें हैं। भगवान विष्णु ने गरुड़जी को उनकी जिज्ञासा शांत करने के लिए जो ज्ञानपूर्ण उपदेश दिया, वह ज्ञानपूर्ण उपदेश गरुड़ पुराण कहा जाता है। गरुड़जी के प्रश्न पूछने पर ही भगवान विष्णु ने स्वयं मृत्यु के बाद के गूढ़ रहस्य और परम कल्याणकारी बातें बताईं। भगवान श्रीहरि विष्णु द्वारा प्रतिपादित यह पुराण मुख्यतः वैष्णव पुराण है। गरुड़ पुराण का ज्ञान ब्रह्माजी ने महर्षि वेदव्यास को सुनाया था। उसके बाद महर्षि वेदव्यास ने इसे अपने शिष्य महर्षि सूतजी को दे दिया था और महर्षि सूतजी ने इसे नैमिषारण्य में शौनकादि ऋषियों को दे दिया था। गरुड़ पुराण के अनुसार कुछ ऐसे काम है जिसे भूलकर भी नहीं करना चाहिए अन्यथा मां लक्ष्मी रुष्ट हो जाती हैं। आइए जानते हैं क्या है वो कार्य।

बासी खाना न खाएं

गरुड़ पुराण के अनुसार बासी भोजन नहीं करना चाहिए। बासी भोजन जहर के समान माना गया है। इसके सेवन से आयु कम होती है ।

सुबह जल्दी उठें

गरुड़ पुराण के अनुसार लंबी आयु के लिए आपको सुबह जल्दी उठना होगा। देर तक सोने से स्वास्थ्य पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है और साथ मां लक्ष्मी भी नाराज रहती हैं। जो लोग सुबह जल्दी उठकर ध्यान आदि लगाते हैं उनके घर में कभी भी दरिद्रता का वास नहीं होता।

किसी को कष्ट न दें

गरुड़ पुराण के अनुसार किसी भी व्यक्ति को न मानसिक रूप से और न ही शारीरिक रूप से कष्ट पहुंचाना चाहिए। गुरुड़ पुराण में कहा गया है कि ऐसा करने वालों को जीवन में कभी सुख नहीं मिलता। ऐसे करने वालों की पद-प्रतिष्ठा सब मिट्टी में मिल जाती है और धन भी छिन जाता है।

किसी को धोखा न दें

गरुड़ पुराण के अनुसार किसी व्यक्ति को धोखा नहीं देना चाहिए। जो व्यक्ति किसी के साथ विश्वासघात करते हैं वे पाप की श्रेणी में आते हैं। ऐसा करने वाला नर्क की अग्नि में जलता है।

कंजूसी न बनें

गुरुड़ पुराण के अनुसार धनवान होकर भी हमेशा गरीबी या आर्थिक तौर पर कंजूसी का दिखावा नहीं करना चाहिए। जो लोग इस तरह का व्यवहार करते हैं उनसे मां मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और घर में सदैव दरिद्रता का वास होता है।

सीता नवमी पर महिलाएं इस विधि से करें पूजा

अखंड सौभाग्यवती का मिलेगा आशीर्वाद

हाल ही में राम नवमी का त्योहार मनाया गया है। देश भर में प्रभु श्री राम को प्रसन्न करने के लिए कई उपाए किए गए। ऐसे में सभी को सीता नवमी का इंतजार है। इस साल सीता नवमी 16 मई 2024 को मनाई जाएगी। इस दिन माता सीता का आशीर्वाद पाने के लिए विधि-विधान से पूजा की जाती है।

हिंदू धर्म में इस तिथि को बेहद शुभ माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सीता इसी दिन धरती से प्रकट हुई थीं। इसे जानकी नवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दौरान माता सीता को प्रसन्न करने के लिए कई चीजें अर्पित की जाती है। साथ ही विधि विधान से पूजा करने पर जातक को लाभ की प्राप्ति होती है। यही नहीं आर्थिक तंगी भी दूर होने लगती है और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद बना रहता है।

इस दिन सुहागिन महिलाएं व्रत रखकर माता सीता से अखंड सौभाग्य की कामना करती हैं। ऐसे में पूजा विधि का खास ख्याल रखना चाहिए। आइए सीता नवमी के दिन किस विधि से पूजा करनी चाहिए, यह जान लेते हैं।

सीता नवमी का शुभ मुहूर्त

सीता नवमी का मध्याह्न मुहूर्त: प्रातः11।04 से दोपहर 01:43 तक

सीता नवमी का मध्यान क्षण 12: 23 तक है।

सीता नवमी की पूजन विधि

सीता नवमी पर ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें।

स्नान के बाद साफ वस्त्रों को धारण करें।

फिर भगवान श्री राम और सीता माता की मूर्ति को स्नान कराएं।

इसके बाद राम जी और सीता माता की विधिपूर्वक पूजा करें।

पूजा के बाद भोग लगाएं।

सीता माता के समक्ष दीप प्रज्वलित करें।

बाद में परिवार के साथ मिलकर राम जी और माता सीता की आरती करें।

इस दौरान रामायण का पाठ बेहद शुभ माना जाता है। इसलिए इसका पाठ करें।

सीता नवमी पर करें ये उपाय

सीता नवमी के शुभ अवसर पर माता को खीर का भोग लगाएं। इससे आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। इस दौरान माता सीता को पीले वस्त्र अर्पित करें। इसके बाद केसरिया ध्वज लगाएं। इससे आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। सीता नवमी पर सुहागन महिलाओं को माता सीता की विधिनुसार पूजा करनी चाहिए। साथ ही उन्हें सोलह श्रृंगार अर्पित करें। इससे दांपत्य जीवन खुशहाल होगा।

सीता जी की आरती

आरती श्री जनक दुलारी की ,
सीता जी रघुवर प्यारी की ।।

आरती श्री जनक दुलारी की ,
सीता जी रघुवर प्यारी की ।।

जगत जननी जग की विस्तारिणी,
नित्य सत्य साकेत विहारिणी ,
परम दयामयी दिनोधारिणी,
सीता मैय्या भक्तन हितकारी की ।।

आरती श्री जनक दुलारी की ,
सीता जी रघुवर प्यारी की ।।

श्री शिरोमणि पति हित कारिणी ,
पति सेवा वित्र वन वन चारिणी,
पति हित पति वियोग स्वीकारिणी ,
त्याग धर्म मूर्ति धरी की
आरती श्री जनक दुलारी की ,
सीता जी रघुवर प्यारी की ।।

विमल कीर्ति सब लोकन छाई ,
नाम लेत पवन मति आई ,
सुमिरत काटत कष्ट दुःख दाई ,
शरणागत जन भय हरी की ,
आरती श्री जनक दुलारी की ,
सीता जी रघुवर प्यारी की ।।
आरती श्री जनक दुलारी की ,
सीता जी रघुवर प्यारी की ।।

साल में एक दिन निकलती है यह शाही रथयात्रा

देखने आते हैं लाखों लोग, भगवान महावीर रथ पर होते हैं तैयार

राजस्थान की अहिंसा नगरी महावीर जी में साल में एक बार निकलने वाली एक शाही रथ यात्रा ऐसी है। जिसे देखने के लिए लाखों की संख्या में देश ही नहीं बल्कि विदेशी धरती से भी लोग आते हैं। इस शाही रथयात्रा वाले दिन भगवान महावीर स्वामी स्वर्णमयी रथ में सवार होते हैं।

राजस्थान की अहिंसा नगरी महावीर जी में साल में एक बार निकलने वाली एक शाही रथ यात्रा ऐसी है। जिसे देखने के लिए लाखों की संख्या में देश ही नहीं बल्कि विदेशी धरती से भी लोग आते हैं। इस शाही रथयात्रा वाले दिन भगवान महावीर स्वामी स्वर्णमयी रथ में सवार होते हैं।

इस शाही रथयात्रा की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसमें भगवान महावीर स्वामी के रथ का सारथी क्षेत्र के प्रशासनिक अधिकारी ही बनते है। यह अनूठी परंपरा रथ यात्रा में कई सालों से निभाई जा रही है।

24 वें तीर्थंकर महावीर जी अतिशय क्षेत्र में हर साल यह शाही अंदाज वाली रथयात्रा साल में एक दिन भगवान महावीर के वार्षिक लक्खी मेले के अंतिम दिन, वैशाख कृष्ण द्वितीया वाले दिन निकाली जाती है।

इस शाही रथ यात्रा के निकलने के बाद ही महावीर जी अतिशय क्षेत्र में पांच दिवसीय लक्खी मेले का समापन होता है।

शान-ओ-शौकत से सालभर में एक दिन निकलने वाली इस शाही रथयात्रा में स्वयं भगवान महावीर सोने के रथ में सवार होकर नगर - भ्रमण के लिए अपने गर्भग्रह से निकलते है।

देशभर में अहिंसा नगरी के नाम से विख्यात और पूर्वी राजस्थान की धार्मिक नगरी करौली में स्थित भगवान महावीर की नगरी महावीर जी में शाही अंदाज में निकलने वाली एक विशाल और भव्य शाही रथयात्रा ऐसी ही जिसका इंतजार देशभर के लोगों को सालभर बड़ी बेसब्री से रहता है।इस शाही रथयात्रा के जरिए भगवान महावीर स्वामी को स्वर्णमयी रथ में बैठाकर, गंभीर नदी के किनारे ले जाकर उनका पंचामृत जलाभिषेक साल में एक बार किया जाता है। शाही रथयात्रा में आगे ही आगे घोड़ीयां नाचती हुई चलती है।

घोड़ीयों का डांस ही रथयात्रा में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहता है।यह शाही रथयात्रा सांप्रदायिक सौहार्द की भी मिसाल है। इसमें जैन संप्रदाय के श्रद्धालुओं के साथ ही मीणा-गुर्जर समाज के भी लोग बड़ी संख्या में आते हैं। मीणा समाज के लोग भगवान महावीर की इस रथ यात्रा में लाठी-डंडों को हाथों में लेकर और गीत गाते हुए यात्रा की शुरुआत में निकलते हैं तो वहीं, गुर्जर समुदाय के लोग रथयात्रा की वापसी में भगवान महावीर को विशेष गीतों से रिझाते हुए नजर आते है।

इस शाही यात्रा के बीच में गुर्जर-मीणा समुदाय के हजारों लोग गीत गाते हुए रथ यात्रा के साथ चलते हैं। रथ यात्रा में सबसे लास्ट में भगवान महावीर स्वामी का स्वर्णमयी रथ चलता है। जिसकी एक झलक पाने के लिए देशभर से लाखों की तादाद में श्रद्धालु अहिंसा नगरी में हर साल पहुंचते हैं।

मिस्टर एंड मिसेज माही का ट्रेलर रिलीज, खूब जमी जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी

मई के महीने में आने वाली फिल्मों में मिस्टर एंड मिसेज माही भी शामिल है। लंबे समय से यह फिल्म चर्चा में बनी हुई है।इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म से कलाकारों की पहली झलक सामने आने के बाद इसकी रिलीज को लेकर उत्सकुता और बढ़ गई।फिल्म में जाह्नवी कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी नजर आने वाली है और अब इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। राजकुमार के किरदार का नाम महेंद्र तो जाह्नवी, माही की भूमिका में हैं। स्पोर्ट्स बैकग्राउंड के साथ ट्रेलर में पारिवारिक ड्रामा भी देखने को मिल रहा है।राजकुमार के साथ जाह्नवी की केमिस्ट्री भी देखने में बढिय़ा लग रही है।मिस्टर एंड मिसेज माही की कहानी महेंद्र सिंह धोनी के जीवन पर आधारित है। इससे पहले धोनी पर एम.एस धोनी- द अन्टोल्ड स्टोरी नाम की फिल्म बनी थी, जिसमें दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत नजर आए थे।मिस्टर एंड मिसेज माही का निर्देशन शरण शर्मा ने किया है। करण जौहर फिल्म के निर्माता हैं। गुंजन सक्सेना के बाद यह शरण और जाह्नवी के बीच दूसरा सहयोग है, जबकि राजकुमार और शरण पहली बार साथ आए हैं।इस फिल्म की कहानी मिस्टर और मिसेज माही के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके लिए जिंदगी क्रिकेट और क्रिकेट जिंदगी है। क्रिकेट से बढ़कर मिस्टर माही सिर्फ अपनी प्यारी बीवी से प्यार करते हैं।फिल्म 31 मई को सिनेमाघरों में आएगी।बता दें कि राजकुमार और जाह्नवी की यह साथ में दूसरी फिल्म है।

इससे पहले दोनों को निर्माता दिनेश विजान की फिल्म रूही में देखा गया था।हालांकि, यह हॉरर कॉमेडी फिल्म दर्शकों के बीच अपना जादू चलाने में नाकाम रही थी। जाह्नवी दूसरी बार राजकुमार के साथ काम कर बेहद खुश हैं। वह कई बार उनके प्रति अपनी दीवानगी जाहिर कर चुकी हैं।जाह्नवी शुरुआत से ही राजकुमार के काम की प्रशंसक रही हैं।देवरा जाह्नवी की पहली दक्षिण भारतीय फिल्म है। इसके अलावा वह फिल्म उलझ में नजर आएंगी। आरआरआर स्टार राम चरण की अगली फिल्म की हीरोइन भी जाह्नवी ही हैं। करण जौहर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी भी जाह्नवी के पास है।दूसरी ओर राजकुमार जल्द ही फिल्म स्त्री 2 में मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो भी उनके खाते से जुड़ी है, जिसमें अभिनेत्री तृप्ति डिमरी उनकी जाड़ीदार बनी हैं।

विक्की-सारा की जरा हटके जरा बचके ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर 17 मई को होगी स्ट्रीम

जरा हटके जरा बचके 2023 की सबसे पसंदीदा फिल्मों में से एक है. विक्की कौशल और सारा अली खान स्टारर इस रोमांटिक कॉमेडी को दर्शकों ने खूब सराहा। अब, लगभग एक साल के इंतजार के बाद, फिल्म ओटीटी पर अपना प्रीमियर करने के लिए पूरी तरह तैयार है। आइए जानते हैं फिल्म कब और किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। जरा हटके जरा बचके फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था. वहीं जिन्होंने यह फिल्म थिएटर में जाकर नहीं देखी उनके लिए यह एक तोहफा है। जी हां जरा हटके जरा बचके अपनी ओटीटी रिलीज के लिए तैयार है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा ने फिल्म जरा हटके जरा बचके की मोस्ट अवेटेड डिजिटल रिलीज की घोषणा की। फिल्म से एक जबरदस्त ट्रेलर रिलीज करते हुए फिल्म की ओटीटी रिलीज का अनाउंसमेंट किया गया। इस फिल्म में विक्की कौशल और सारा अली ने लीड रोल प्ले किया है। फिल्म की ओटीटी रिलीज का अनाउंसमेंट एक खास ट्रेलर के साथ किया गया। जियो सिनेमा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज करते हुए कैप्शन लिखा, सह-परिवार शादी की थी, अब सह-परिवार तलाक भी होगा! तो आप सब तलाक में जरूर आना जरा हटके जरा बचके स्ट्रीमिंग 17 मई से स्पेशल रूप से जियोसिनेमा प्रीमियम पर.जरा हटके जरा बचके सिनेमाघरों में 2 जून 2023 को रिलीज हुई थी। अब फिल्म का एक साल होने वाला है। अब जाकर फिल्म को ओटीटी रिलीज मिली है। यह 17 मई को जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगी।

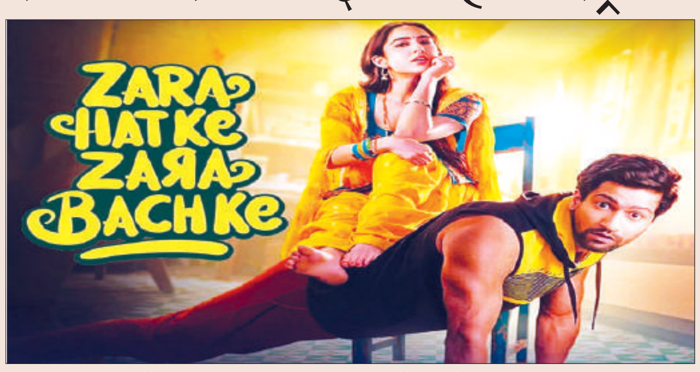

शहनाज गिल ने ब्लू कलर का बोल्ड आउटफिट पहन इंटरनेट पर आग दी लगा

एक्ट्रेस शहनाज गिल आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। साथ ही फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनका लुक देखकर यूजर्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है।अपनी क्यूटनेस और चुलबुले अंदाज से लोगों को दीवाना बनाने वाली एक्ट्रेस शहनाज गिल आए दिन अपनी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। साथ ही फैंस शहनाज के हर एक लुक की तारीफ करते नहीं थकते हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करते हैं तो चंद ही मिनटों में फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स आने लगते हैं। हालांकि कई बार ऐसा भी होता है जब नेटिजन्स उन्हें ट्रोल भी करने लगते हैं।

हाल ही में शहनाज गिल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड अंदाज देखकर फैंस दंग रह गए हैं। साथ ही उन्हें ट्रोल करते हुए कॉमेंट्स कर रहे हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं शहनाज गिल ने ब्लू कलर का बोल्ड आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो सिंड्रेला लुक देने की कोशिश कर रही हैं। वहीं उनके पोज को देखकर एक यूजर ने लिखा है- इज्जत महंगी चीज है इसे ऐसे नहीं दिखाते हैं। दूसरे यूजर ने लिखा है- ये क्या बवाल है। तीसरे ने लिखा है- ऐसे पब्लिक में पोज नहीं देते हैं।शहनाज गिल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनका हर एक लुक देखने के लिए फैंस भी उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं।शहनाज गिल अपना फोटोशूट करवाते हुए कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई इंटरनका पारा गर्म कर रही हैं।

विक्की कौशल की फिल्म बैड न्यूज का हिस्सा बनीं अनन्या पांडे, किरदार से भी उठा पर्दा

सैम बहादुर की सफलता के बाद से ही प्रशंसक विक्की कौशल की आने वाली फिल्म बैड न्यूज का इंतजार कर रहे हैं।इस फिल्म में विक्की की जोड़ी अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के साथ बनी है, जिसे पहली बार देखा जाएगा। पंजाबी गायक एमी विर्क भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं।ताजा खबर यह है कि अभिनेत्री अनन्या पांडे भी बैड न्यूज की स्टार कास्ट से जुड़ गई है। इसके साथ उनके किरदार से भी पर्दा उठ चुका है।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म बैड न्यूज में अनन्या मेहमान भूमिका में नजर आएंगी। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग पहले ही पूरी कर ली है।अनन्या फिल्म में एक लोकप्रिय फिल्म स्टार की भूमिका निभाती नजर आएंगी। उनका किरदार फिल्म की कहानी में नया मोड़ लाएगा।बैड न्यूज 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशन के कमान आनंद तिवारी ने संभाली है तो वहीं करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं।अनन्या को आखिरी बार खो गए हम कहां में देखा गया था, जिसमें उनकी अदाकारी की खूब प्रशंसा हुई।इन दिनों अनन्या अपनी आगामी फिल्म कंट्रोल की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी कर रहे हैं।इसके अलावा अनन्या, अक्षय कुमार और आर माधवन के साथ फिल्म शंकरा में नजर आएंगी।फिल्म की कहानी चेट्टूर शंकरन नायर के परपोते रघु पलाट और पत्नी पुष्पा पलाट द्वारा लिखी गई किताब द केस दैट शुक द एम्पायर पर आधारित है।

17 मई को रिलीज होगा पंचायत 3 का ट्रेलर?

28 मई को अमेजॉन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम वेब सीरीज

साल 2020 में लॉकडाउन के समय लोगों का झुकाव वेब सीरीज की तरफ ज्यादा बढ़ गया। कुछ वेब सीरीज को तो बहुत ही पसंद किया गया और मेकर्स अब उनके आगे के सीजन लेकर आ रहे हैं। उन वेब सीरीज में से एक पंचायत भी है जिसका तीसरा सीजन अब आने वाला है। इसका पहला सीजन 2020 में आया और दूसरा सीजन 2022 में आया था। अब पंचायत का तीसरा सीजन इसी साल 28 मई को रिलीज होने वाला है। पंचायत 3 के पोस्टर से लेकर टीजर तक और रिलीज डेट से लेकर ट्रेलर की रिलीज डेट का इंतजार फैंस को काफी रहा है. अब मेकर्स और कास्ट ने पंचायत 3 का ट्रेलर कब आएगा उसकी तारीख भी बता दी है। चलिए आपको भी वो तारीख बता देते हैं.पंचायत वेब सीरीज को टीवीएफ यानी द वायरल फीवर नाम के प्रोडक्शन में बनाया गया है। इसी के आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पंचायत का एक पोस्टर शेयर किया गया है। इसके साथ ही कैप्शन में बताया गया, ट्रेलर की तारीफ लॉक हो गई है। पोस्टर के ऊपर लिखा है कि पंचायत 3 का ट्रेलर 17 मई को रिलीज होगा। इस पोस्टर को देखकर आप आने वाली सीरीज की असल कहानी समझ सकते हैं। फिर भी वेब सीरीज देखने में काफी मजा आने वाला है। इसमें सचिव जी और प्रधान की बेटी की लव स्टोरी भी देखने को मिलेगी। वहीं बकासुर और प्रधान की दुश्मनी भी देखने को मिलेगी। कुल मिलाकर पंचायत 3 बहुत ही धमाल मचाने वाली है। दीपिक कुमार मिश्रा के निर्देशन में बनी पंचायत की तीनो सीरीज लाजवाब रही है। पंचायत 3 आने वाली 28 मई को अमेजॉन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी। इसमें जितेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, चंदन रॉय, सांविका और नीना गुप्ता अहम रोल में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंचायत यहीं नहीं रुकेगी बल्कि इसका चौथा पार्ट भी आने वाले एक-दो साल में रिलीज किया जा सकता है।

डबल आईस्मार्ट का टीजर 15 मई को मचाएगा धूम

राम पोथिनेनी-संजय दत्त की फिल्म का नया पोस्टर जारी

संजय दत्त और राम पोथिनेनी की बहुप्रतीक्षित फिल्म डबल आईस्मार्ट इस साल सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। दर्शकों को बेसब्री से फिल्म के रिलीज होने का इंतजार है। कुछ समय पहले फिल्म की शूटिंग से जुड़ी कुछ जानकारियां सामने आई हैं। वहीं अब फिल्म के निर्माता इसका टीजर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।डबल आईस्मार्ट के जरिए निर्देशक पुरी जगन्नाध और अभिनेता राम पोथिनेनी दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। फिल्म में संजय दत्त महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। वहीं अब निर्माता फिल्म का टीजर रिलीज करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए टीजर रिलीज की तारीख से भी पर्दा उठा दिया है। निर्माताओं ने घोषणा की है कि फिल्म का टीजर 15 मई, 2024 को लॉन्च किया जाएगा। इस दिन अभिनेता राम पोथिनेनी का जन्मदिन भी है।उन्होंने इस रोमांचक घोषणा को साझा करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर राम पोथिनेनी के लुक का एक आकर्षक पोस्टर साझा किया। पोस्टर में राम को चेहरे पर मास्क लगाए पावर-पैक अवतार में दिखाया गया है। बाघ धारी शर्ट और फटी जींस पहने राम एक हाथ में सिगरेट और दूसरे हाथ में पटाखे पकड़े नजर आ रहे हैं। पोस्टर में वह कड़ी नजरें गड़ाए हुए नजर आ रहे हैं। डबल आईस्मार्ट ब्लॉकबस्टर फिल्म आईस्मार्ट शंकर की अगली कड़ी है। फिल्म का निर्माण पुरी कनेक्ट्स के बैनर तले पुरी जगन्नाध और चार्मी कौर द्वारा किया जा रहा है।फिल्म की शूटिंग कुछ दिन पहले मुंबई में शुरू हुई थी। इस हाई-वोल्टेज एक्शन एंटरटेनर के लिए हॉलीवुड सिनेमैटोग्राफर जियानी जियानेली भी काम कर रहे हैं। डबल आईस्मार्ट तकनीकी रूप से उच्च मानकों के साथ उच्च बजट पर बनाया जा रहा है। निर्माता जल्द ही फिल्म के अन्य कलाकारों और क्रू का खुलासा करेंगे। इस हाई-बजट मनोरंजक फिल्म की शूटिंग वर्तमान में मुंबई में हो रही है, जिसमें प्रमुख कलाकार भाग ले रहे हैं। टीम जल्द ही फिल्म रिलीज करने की योजना बना रही है, इसलिए वे लगातार इससे जुड़ी कई जानकारियां साझा कर रहे हैं।

लायंसगेट के नए प्रोजक्ट में सुनील शेट्टी के साथ स्क्रीन साझा करेंगी पूजा भट्ट, साझा किया पोस्ट

अभिनेत्री पूजा भट्ट हाल ही में जल्द ही लायंसगेट इंडिया के नए प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। इसे लेकर वह बेहद उत्सुक हैं। इसमें पूजा भट्ट के साथ सुनील शेट्टी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसमें दोनों एक बार फिर से साथ में स्क्रीन साझा करेंगे। इससे पहले दोनों साथ में मल्टीस्टारर फिल्म बॉर्डर में साथ दिखाई दिए थे। पूजा ने अपने नए प्रोजेक्ट की झलक साझा करते हुए फैंस को इसकी जानकारी दी है।पूजा भट्ट ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर साझा की है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, लायंसगेट इंडिया के साथ मेरे अगले प्रोजेक्ट की एक झलक। उन्होंने सुनील शेट्टी को टैग करते हुए आगे लिखा, आपके साथ फिर से काम करने के लिए उत्सुक हूं। अभिनेत्री ने लायंसगेट के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट से ये तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में पूजा काले रंग की साड़ी में कैमरे के सामने खड़ी हुई नजर आ रही हैं। वहीं सूत्रों के मुताबिक, लायंसगेट की धमाकेदार नई एक्शन थ्रिलर में पूजा भट्ट आयरन लेडी के किरदार में नजर आ सकती हैं। वह इसमें एक मजबूत महिला भूमिका का किरदार निभाएंगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें।
यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी–कुछ करना चाहेंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीज़ों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएं।
ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे, आज खाली वक्त्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दु:ख–दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते–फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक–सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर–सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुज़ुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 14 मई 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : सप्तमी उत्तर रात्रि 04:21 तक
नक्षत्र : पुष्य दोपहर 01:05 तक
योग : गण्ड प्रात: 07:24 तक
करण : गर सायं 03:21 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:30 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:30 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गंगोत्पत्ति , गंगा सप्तमी , वृषभ संक्रांति सायं 05:53 , संक्रांति पुण्यकाल दोपहर से सूर्यास्त , भद्रा उत्तर रात्रि 04:20 से , गण्डमूल दोपहर 01:06 से

✽ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✽
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

किसान आंदोलन के कारण रेल यातायात प्रभावित

जयपुर, 13 मई (एजेंसियां)। उत्तर रेलवे के अम्बाला मण्डल के शंभू स्टेशन पर किसान आंदोलन के कारण उत्तर पश्चिम रेलवे पर संचालित चौबीस रेल गाड़ियां तीन दिन तक प्रभावित रहेगी। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार इस कारण एक दर्जन से अधिक रेलगाड़ियों को 14 से 16 मई तक रद्द कर दिया गया। इनमें गाडी संख्या 04571 भिवानी–धुरी रेलसेवा, गाडी संख्या 04572 धुरी–सिरसा रेलसेवा, गाडी संख्या 04574 लुधियाना–भिवानी रेलसेवा, गाडी संख्या 04575 हिसार–लुधियाना, गाडी संख्या 04576 लुधियाना–हिसार, गाडी संख्या 04743 हिसार–लुधियाना, गाडी संख्या 04744 लुधियाना–चूरू, गाडी संख्या 04746 लुधियाना–हिसार, गाडी संख्या 04745 चूरू–लुधियाना एवं गाडी संख्या 04573 सिरसा–लुधियाना रेलसेवा 14 से 16 मई तक प्रारंभिक स्टेशन से रद्द रहेगी।

उन्होंने बताया कि इसी तरह गाडी संख्या 14653 हिसार–अमृतसर रेलसेवा 15 से 17 मई तक रद्द रहेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 14654 अमृतसर–हिसार रेलसेवा एवं गाडी संख्या 14815 श्रीगंगानगर–ऋषिकेश, गाडी संख्या 14816 ऋषिकेश–श्रीगंगानगर रेल सेवा 14 से 16 मई तक प्रारंभिक स्टेशन से रद्द रहेगी।उन्होंने बताया कि इसके अलावा श्रीगंगानगर से प्रस्थान करने वाली गाडी संख्या 14526 श्रीगंगानगर–अंबाला रेलसेवा 14 से 16 मई तक बठिण्डा तक संचालित की जाएगी और यह रेलसेवा बठिण्डा–अंबाला के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 14525 अंबाला–श्रीगंगानगर रेलसेवा 14 से 16 मई तक अंबाला के स्थान पर बठिण्डा से संचालित होगी और यह रेलसेवा अंबाला –बठिण्डा के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। बाड़मेर से प्रस्थान करने वाली गाडी संख्या 14661 बाड़मेर–जम्मू तवी रेलसेवा 14 से 16 मई तक दिल्ली तक संचालित की जाएगी और यह रेलसेवा दिल्ली–जम्मूतवी के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।

इसी तरह गाडी संख्या 14662 जम्मू तवी–बाड़मेर रेलसेवा 14 से 16 मई तक जम्मू तवी के स्थान पर दिल्ली से संचालित की जाएगी और यह रेलसेवा जम्मूतवी–दिल्ली के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। श्रीगंगानगर से प्रस्थान करने वाली गाडी संख्या 14735 श्रीगंगानगर–अंबाला रेलसेवा 14 से 16 मई तक बठिंडा तक संचालित होगी और यह रेलसेवा बठिंडा –अंबाला के मध्य आंशिक रद्द रहेगी।

अंबाला से प्रस्थान करने वाली गाडी संख्या 14736 अंबाला–श्रीगंगानगर रेलसेवा 15 से 17 मई तक बठिंडा से संचालित होगी और यह रेलसेवा अंबाला–बठिण्डा के बीच आंशिक रद्द रहेगी। गाडी संख्या 14887 ऋषिकेश–बाडमेर 14 से 16 मई तक ऋषिकेश के स्थान पर बठिंडा से संचालित की जाएगी और यह रेलसेवा ऋषिकेश–बंठिडा के मध्य आंशिक रद्द रहेगी। बाडमेर से प्रस्थान करने वाली गाडी संख्या 14888 बाडमेर–ऋषिकेश रेलसेवा 14 से 16 मई तक बठिंडा तक संचालित होगी और यह रेलसेवा बंठिडा–ऋषिकेश के बीच आंशिक रद्द रहेगी।उन्होंने बताया कि इसके अलावा अजमेर से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या 12413 अजमेर–जम्मू तवी रेल सेवा 14 से 16 मई तक परिवर्तित मार्ग वाया जाखल–धूरी–लुधियाना होकर संचालित की जाएगी। इसी तरह जम्मू तवी से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या 12414 जम्मू तवी–अजमेर रेल सेवा 14 से 16 मई तक परिवर्तित मार्ग वाया लुधियाना–धूरी–जाखल होकर संचालित होगी।

नकाबपोश बदमाशों ने पर्ची थमाकर एक करोड़ रुपए रंगदारी मांगी

अलवर, 13 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर शहर में नकाबपोश बदमाशों द्वारा एक होटल पर पर्ची थमाकर एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार व्यापारी को थमाई पर्ची में लिखा, अभी तो ट्रेलर था, एक करोड़ चाहिए नहीं तो अगली गोली माथे में लगेगी। शहर के जेल सर्किल के पास बीती रात दस बजे साई लीला रेस्टोरेंट पर दो नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग की। उसके बाद रेस्टोरेंट के रिसेप्शन पर बैठे कर्मचारियो को रंगदारी की पर्ची थमाई और दोनो बदमाश फरार हो गए।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया।

शहर में नाकेबंदी की गई। शहर से बाहर जाने वाले एवं शहर की तरफ आने वाले सभी रास्तों पर देर रात तक वाहनों की जांच पड़ताल की गई। थानाधिकारी राजपाल सिंह ने बताया की रात्रि करीब 10 बजे साईं लीला रेस्टोरेंट पर दो बदमाशों ने हवाई फायरिंग कर रंगदारी की पर्ची फेक एक करोड रुपए की डिमांड की। इस दौरान दोनों बदमाश नकाब पहने हुए थे। नाकेबंदी कर आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल बदमाशों की तलाश की जा रही है।शहर में पर्ची देकर रंगदारी की घटना पहली नहीं है। इससे पहले भी अक्टूबर 2023 में टेल्को सर्किल पर ओल्ड राव होटल पर जोगी हुए मनजीत नेहरा गैंग के तीन बदमाशों ने 50 लाख रुपए की पर्ची दी थी और वहां से भाग गए थे। पुलिस ने इस मामले में नवीन, मोनू और गोपाल को गिरफ्तार किया था। इससे पहले भी तिजारा फाटक के समीप दूध मिष्ठान भंडार पर भी फायरिंग की घटना हुई थी जिसमें भी पर्ची थमाकर रंगदारी मांगी गई थी।

जैन समाज ने अजमेर में ढ़ाई दिन के झोपड़े को लेकर किया प्रदर्शन

अजमेर, 13 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर के सकल जैन समाज ने सोमवार को यहां प्रदर्शन कर ऐतिहासिक ढ़ाई दिन के झौपड़े की तारबंदी कराने, सभी वर्गों एवं धर्मों के लोगों की आवाजाही सुनिश्चित करने तथा सर्वे कराने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।जैन समाज ने इस मांग को लेकर प्रदर्शन किया और जिला कलक्टर भारती दीक्षित को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व अजमेर के हिन्दूवादी संगठनों से जुड़े नेताओं ने किया। अजमेर में दिगम्बराचार्य सुनीलसागर महाराज द्वारा गत सात मई को ढ़ाई दिन झौपड़े में भ्रमण पर अजमेर दरगाह अन्जुमन सचिव सरवर चिश्ती की कथित अभद्रता के खिलाफ उद्वेलित हिन्दूवादी संगठन, जैन समाज के महिला–पुरुषों ने जिला कलक्टर कक्ष के बाहर णमोकार महामंत्र का पाठ किया।

कोचिंग छात्र लापता, एक सप्ताह में दूसरी घटना

कोटा, 13 मई (एजेंसियां)। कोचिंग सिटी कहे जाने वाले कोटा में अभी एक सप्ताह पहले लापता हुये छात्र का सुराग भी नहीं लगा था कि एक और कोचिंग छात्र लापता हो गया जिसे पुलिस तलाश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार शहर के कुन्हाड़ी थाना इलाके में एक मकान में पेइंग गेस्ट के रूप में रह कर नीट की कोचिंग लेने के बाद परीक्षा दे चुका एक छात्र अमन कुमार सिंह (19) रविवार को अचानक लापता हो गया।

मूल रूप से बिहार का रहने वाला यह कोचिंग छात्र कोटा में रह कर पिछले दो साल से नीट की प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहा था।

उसने हाल ही में नीट की प्रवेश परीक्षा दी थी। छात्र अमन कुमार सिंह रविवार को अपना घर छोड़कर जाने का एक पत्र कमरे में रखकर लापता हो गया, जिसके बाद मामला कुन्हाड़ी थाने पहुंचा और अब पुलिस उसे तलाश कर रही है।

नीट की पांच मई को हुई प्रवेश परीक्षा के अगले ही दिन एक और कोचिंग छात्र गंगापुर जिले के बामनवास निवासी राजेन्द्र मीणा भी परीक्षा देने के बाद लापता हो गया था और इसके पहले उसने परिवारजनों के नाम संदेश छोडा था, अब पढ़ाई नहीं करनी है, इसलिये पांच साल के लिए घर छोड़ रहा हूं। इस छात्र का भी अभी सुराग नहीं मिला है और इसी बीच एक और छात्र लापता हो गया।

आज बिना पर्ची–बिना खर्ची मिल रही नौकरी : सैनी

रणजीत बोले- मोदी ने तीन दिन यूक्रेन युद्ध रुकवाया

हिसार, 13 मई (एजेंसियां)। नारनौंद की अनाज मंडी में आयोजित विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए सीएम नायब सैनी ने कहा कि जो भी अधिकारी गलत करेगा चक्कर कटवा देंगे। ऐसी हालत कर देंगे। अभी 4 जून तक चुनाव आचार संहिता लगी हुई है। इसके बाद सभी व्यवस्था कर देंगे कि लोगों को कोई दिक्कत न आए। सीएम हाउस आपका है कभी भी आ सकते हो। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार में खर्ची तथा पर्ची दोनों चलती थी। पैसे वालों को ही नौकरी मिलती थी। आज बिना पर्ची–बिना खर्ची नौकरी मिलती है।नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस को आज विपक्ष के नेता भी नहीं है। जो केजरीवाल कांग्रेस को पानी पी पी कर गाली देता था। बच्चों की कसम खाता था। अब कांग्रेस के गले मिल गए हैं। भ्रष्टाचारियों तथा परिवार को बचाने के लिए एकजुट हुए हैं। कांग्रेस घमंडिया गठबंधन के लोग इस देश को तोड़ने की बात करते हैं। इस गठबंधन युवराज राहुल गांधी उनका समर्थन करता है। पिछले 55 साल के कांग्रेस के शासन पर 10 साल का नरेंद्र मोदी का शासन बहुत भारी है। कोई ऐसा सिर नहीं रहेगा जिसपर छत न हो। हर परिवार को आवास दिया जाएगा। कांग्रेस महज 272 पर चुनाव लड़ रही है। जब 2029 का चुनाव आएगा तो कांग्रेस कहीं नही लड़ रही होगी।प्रदेश के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि हरियाणा में तो बी कंपनी हैं बापू बेटा कंपनी हैं। कांग्रेस हो भाजपा या जजपा सभी में बापू बेटा कंपनी है। जजपा इनेलो तो लोगों को बेवकूफ बनाना चाहती है। नारनौंद में 2019 में बहकाने वाले आए गए। खोपर चाबी घुमा कर चले गए थे। अब चाबी गुम हो गई तथा कमरा बंद हो चुका है। यह देश के भविष्य का चुनाव है। कांग्रेस ने देश के संविधान में 100 बार परिवर्तन किए। 90 बार कांग्रेस ने चुनी हुई सरकारों को गिराया। देश में आपातकाल लागू करने वाली कांग्रेस आज लोकतंत्र की बात रही है। कांग्रेस अपने परिवार के खोटे सिक्के, नकली नोट को चलाना चाहती है। सीएए का बिल नरेंद्र मोदी लेकर आए तो घमंडिया गठबंधन ने विरोध किया। छह महीने तक रोड बंद कर दिया था।

भाजपा प्रत्याशी चौधरी रणजीत सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के कहने पर तीन दिन तक यूक्रेन युद्ध बंद हुआ था। तब हमारे देश के 20 हजार बच्चे निकाले गए। चुनाव जीतने के बाद नरेंद्र मोदी अमरनाथ गुफा में गए थे। राहुल गांधी कोलंबिया जाते हैं। यह मेरा चुनाव नहीं राहुल गांधी व नरेंद्र मोदी के बीच का चुनाव है। हुड्डा साहब के समय में सारी नौकरी, पैसा, प्रोजेक्ट रोहतक में दिए जाते थे। ग्रीन ब्रिगेड ने बूथ कैप्चर किए जिसके बाद महम कांड हुआ था। ग्रीन ब्रिगेड का सरगना जेपी था। इस कारण चौधरी देवीलाल को इस्तीफा भी देना पड़ा था। उन्होंने कहा कि अब तक हर महीने 5 तारीख को हिसार आता था, अब हर सोमवार को हिसार में रहूंगा।

चाय को पूछते ही कांग्रेसियों की चढ़ रही त्यौरी : मनोहर लाल

चाय सुनते ही उन्हें मोदी याद आ जाता है

रोहतक, 13 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का कहना है कि जब गरीब आदमी कांग्रेसियों को चाय की पूछता है तो उनकी त्यौरी चढ़ जाती हैं, क्योंकि उनको चाय बेचने वाला मोदी याद आ जाता है। जब राम–राम कहते हैं तो फिर प्रधानमंत्री याद आ जाते हैं। कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव में 50 से ज्यादा सीट नहीं जीत पाएगी। वे सोमवार को कलानौर की अनाज मंडी में भाजपा की विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि कलानौर छोटा हरिद्वार है, जहां मंदिर, आश्रम से लेकर सेवा के लिए डेरे हैं। साढ़े नौ साल प्रदेश का मुख्यमंत्री रहते लोगों की सेवा की है। अब मोदी ने लोकसभा चुनाव लड़ने की जिम्मेदारी दी है। कांग्रेसी रोहतक के लोगों के बीच जब यह कहते हैं कि वे तो आपके बीच के हैं।

यह सुनकर बड़ी तकलीफ होती है। वे केवल अपने परिवार के हैं।पिता को बेटे के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता, जबकि भाजपा के लिए पूरा हरियाणा एक परिवार है। मनोहर लाल ने कहा कि 10 साल में मोदी ने जो काम कर दिए, उतने काम कांग्रेस 55 साल में भी नहीं कर सकी। इतना ही नहीं, कांग्रेसी जब किसी गरीब के घर जाते हैं तो बाहर लिखा होता है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बना मकान। घर के अंदर बैठते ही जब चाय के लिए पूछा जाता है तो कांग्रेसी बेचैन हो जाते हैं। क्योंकि उनको प्रधानमंत्री मोदी याद आ जाते हैं। चाय वाला कहकर कांग्रेसियों ने मोदी को बहुत कोसा है। नल के अंदर आ रहा जल व घर के अंदर जल रही बिजली भी मोदी ने दी है। बाहर निकलने पर जब कांग्रेसियों को राम–राम कही जाती है तो वे फिर बेचैन हो जाते हैं।

क्योंकि राम मंदिर प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में बना है। प्रधानमंत्री ने संदेश भेजा है कि कोई प्रत्याशी जिस भी जनसभा में आए तो उसकी तरफ से लोगों को राम–राम देना। इससे पहले भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर अरविंद शर्मा ने कहा कि कांग्रेस रोहतक की सीट हथियाना या चुराना चाहती है, ऐसे होने नहीं देंगे। जनसभा में लोकसभा प्रभारी राजीव जैन, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर, सतीश नांदल, जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, रेनू डाबला, सूरजमल किलोई व अन्य नेता भी मौजूद रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि साल 2019 में कांग्रेस प्रदेश की सभी 10 सीट हार गई थी, लेकिन सबसे ज्यादा गम रोहतक व सोनीपत सीट का था। सोनीपत से भूपेंद्र सिंह हुड्डा व रोहतक से दीपेंद्र हुड्डा चुनाव हारे थे। हुड्डा कह रहे थे कि पिछली बार सोनीपत व रोहतक में पूरा ध्यान नहीं दे सके। अबकी बार केवल बेटे दीपेंद्र चुनाव लड़ेगा। मनोहर लाल ने कहा कि इसकी वजह यह है कि बाप–बेटा गम कम करने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। क्योंकि सोनीपत से चुनाव नहीं लड़ रहे, रोहतक से भी हार गए तो गम कम होगा। उन्होंने कहा कि पिछली बार भाजपा 7503 वोट से जीती थी, अबकी बार 75 हजार से जीतेगी।

ट्रैक्टर को ओवरटेक करते बस पलटी,12 यात्री घायल

सिरसा, 13 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 09 पर गांव डिंग मोड़ के पास एक ट्रैक्टर को ओवरटेक करते समय राज्य परिवहन की बस पलट गई ओर पलटते हुए नीचे खेत में जा गिरी। बस में सवार यात्रियों में से 12 यात्री घायल हो गए जिनमें दो युवतियों व एक वृद्धा की स्थिति गंभीर मानी जा रही है।

सभी घायलों को एम्बुलेंस के सहारे सिरसा के जिला नागरिक अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। देखते ही देखते घटनास्थल पर जमघट लग गया।पुलिस के अनुसार आज बाद दोपहर राज्य परिवहन गुरूग्राम डिपो की एक बस सिरसा से गुरूग्राम जा रही थी कि मोड़ के पास आगे–आगे जा रहे ट्रेक्टर को ओवरटेक करते समय चालक बस से नियंत्रण खो बैठा जिससे यकायक बस पलट गई। जिससे बस में सवार यात्रियों में कोहराम मच गया। राहगिरो ने तुंरत यात्रियों को बस से निकालते हुए 112 पर कॉल कर पुलिस व एुम्बलेंस को को सूचित किया। पुलिस व एम्बुलेंस मौके पर पहुंची घायलों को तुंरत अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में कोमल (14) वर्ष निवासी डेरा सच्चा सौदा सिरसा,अनिता (35) टोहाना,नीलम (25) टोहाना,सुरजनाथ (70) सिरसा व महेंद्रपाल (61) सहित दर्जनभर लोग चाटिल हो गए। घायलों का उपचार कर रहे चिकित्सक डा.पंकज ने बताया कि घायलों का उपचार किया जा रहा है सभी घायलों की अभी पहचान नहीं हो पाई है। दो युवतियों व एक महिला की हालात चिंताजनक है मगर बाकि सभी खतरे से बाहर है।

चश्मदीद मदन लाल ने बताया कि बस तेज रफ्तार थी। ट्रैक्टर अपनी साइड पर जा रहा था। तेज रफ्तार बस को चालक नियंत्रित नहीं कर पाया जिससे वह यकायक पलटते हुए खेत में जा गिरी। यात्रियों को तुंरत बससे निकलालकर संभालते हुए एम्बुलेंस के जरिये सिरसा नागरिक अस्पताल भिजवाया।

भाजपा ऑपरेशन कमल की बात करने का स्वप्न देख रही क्योंकि एनडीए को हार दिख रही है: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को कहा भाजपा नेता ऑपरेशन कमल का सहारा लेने और कांग्रेस सरकार को गिराने की बात करने का दिवास्वप्न देख रहे हैं क्योंकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला एनडीए हार की ओर देख रहा है।

यहां पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कर्नाटक में एक और ऑपरेशन कमल असंभव है क्योंकि हमारा कोई भी विधायक बिकाऊ नहीं है। सिद्धरामैया ने कहा कि कांग्रेस सरकार के पतन के बारे में भाजपा के दावे दूरगामी और असंभव हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'महाराष्ट्र का विकास कर्नाटक में होगा और सरकार का पतन' कभी नहीं होगा। राज्य में भाजपा नेताओं ने पिछले एक साल के दौरान कई बार कोशिश की और असफल रहे। वे अब भी ऐसी उम्मीदें क्यों पाले हुए हैं? कांग्रेस का कोई भी विधायक खरीदे जाने के लिए तैयार नहीं है।

मुख्यमंत्री ने भविष्यवाणी की कि मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार हार जाएगी और इंडिया ब्लॉक का एक नेता अगला प्रधान मंत्री बनेगा।

सिद्धरामैया ने दावा किया कि राज्य विधान परिषद चुनाव में स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से कांग्रेस के छह उम्मीदवार भारी बहुमत से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी कांग्रेस नेता एकजुट हैं और परिषद चुनावों में पार्टी उम्मीदवारों की सफलता के लिए काम कर रहे हैं। इसी बीच डी.के.शिवकुमार ने कहा कि एकनाथ शिंदे की सरकार बचेगी या नहीं, इसमें संदेह है। जो लोग शिवसेना और एनसीपी से पलायन कर गए थे वे अब मातृ पार्टी में लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हार के डर से उद्धव ठाकरे की आलोचना की।

भारी बारिश से धान के साथ काटे गए केले हुए नष्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य में पूर्वी मानसून तेज हो गया है और विभिन्न स्थानों पर अच्छी बारिश हुई है, जिससे किसानों के चेहरे पर खुशी है। लेकिन दूसरी ओर, फसल बर्बाद होने से किसान परेशान हो गए हैं। पिछले तीन-चार दिनों से राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश हो रही है। चिक्कमगलूरु जिले के एनआर पुरा तालुक में कट्टीमनी गांव के पास एक पेड़ गिरने से एक महिला और बीदर जिले के चितागुप्पा तालुक के इतिगा गांव में बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई। बेंगलूरु, बेंगलूरु ग्रामीण, तुमकुरु, मैसूरु, हासन, चिक्कमगलूरु, चामराजनगर, बीदर, बेलगाम, हुब्बल्ली, धारवाड़ जिलों में अच्छी बारिश हुई। रायचूर शहर में भारी बारिश के कारण एपीएमसी परिसर में धान के ढेर पानी में डूब गए, जिससे भारी नुकसान हुआ। चामराजनगर तालुक में, देवराजपुर, बदामदलु और उथुमल्ली में बारिश हुई और काटे गए केले नष्ट हो गए और भारी नुकसान हुआ। यादगिर में बिजली गिरने से एक चरवाहे की मौत की घटना हुई। बारिश के कारण राज्य के अलग-अलग हिस्सों में तीन लोगों की मौत हो गई है। बेंगलूरु में भी अच्छी बारिश हुई है और हवा से जगह-जगह पेड़ उखड़ गए हैं। हासन जिले के विभिन्न गांवों में सुबह से ही बारिश हो रही है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक अगले तीन दिनों तक राज्य के सभी जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। कुल मिलाकर चिलचिलाती गर्मी से परेशान राज्य के लोगों को ठंडे मौसम से राहत मिली है।

पूर्व सीएम एसएम कृष्णा की तबीयत स्थिर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। फेफड़ों के संक्रमण से जूझ रहे वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा की हालत स्थिर है। डॉ. सत्यनारायण के नेतृत्व में वरिष्ठ डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही है जिनका पिछले एक हफ्ते से बेंगलूरु के मणिपाल अस्पताल में इलाज चल रहा है। वरिष्ठ डॉक्टरों की एक टीम ने उनके स्वास्थ्य पर बारीकी से नजर रखी है, जिनका फिलहाल आईसीयू यूनिट में इलाज चल रहा है और उन्होंने स्पष्ट किया है कि चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मणिपाल अस्पताल ने सोमवार को जारी स्वास्थ्य बुलेटिन में कहा कि कृष्णा पर दिन-ब-दिन इलाज का असर हो रहा है और फेफड़ों में संक्रमण के कारण उनके स्वास्थ्य पर कड़ी नजर रखी जा रही है। पिछले हफ्ते एसएम कृष्णा की सेहत में अचानक बदलाव के कारण उन्हें मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र समेत कई गणमान्य लोगों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

शहरी क्षेत्र के करीब आधे दर्जन बूथों पर हजारों मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से कटा

आयोग में शिकायत

दरभंगा (एजेंसियां)। बिहार के दरभंगा लोकसभा क्षेत्र में चुनाव के दौरान भारी संख्या में मतदाताओं के नाम काट दिए जाने से मतदाताओं ने बूथ संख्या 133, 134, 139, 140 और 142 पर जमकर हंगामा कर रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही सिटी एसपी शुभम आर्य और डीएसपी सदर अमित कुमार सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा है। फिलहाल पुलिस मतदाताओं को शांत कराने में लगी हुई है। वहीं, मौके पर पहुंचे नगर भाजपा विधायक संजय सरावगी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 17 महीने के महागठबंधन की सरकार के दौरान भाजपा समर्थक मतदाताओं का नाम काट दिया गया है। उन्होंने इसकी शिकायत चुनाव आयोग और जिला प्रशासन से करते हुए जांच कर दोषी कर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक, दरभंगा के शहरी इलाके के विभिन्न बूथों पर हजारों की संख्या मतदाताओं के नाम ही काट दिए गए हैं। मतदान करने पहुंचे मतदाता अपना नाम डिलीट देखकर आक्रोशित हो गए और बूथ 139 के बाहर हंगामा करने लगे। मतदाताओं के नाम काटे जाने के मामले को लेकर नगर भाजपा विधायक संजय सरावगी ने आर-ोप लगाया कि पिछले 17 महीने महागठबंधन की सरकार के दौरान राजद के लोगों ने भाजपा समर्थक हजारों मतदाताओं का नाम सोची-समझी राजनीति के तहत कटवा दिया है।

उन्होंने इसकी शिकायत डीएम सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी से करते हुए मतदाताओं के नाम काटे जाने की जांच करने की मांग की है। उन्होंने चुनाव आयोग और जिला प्रशासन से नाम काटे जाने में दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो मतदाता कभी भी दरभंगा छोड़कर बाहर नहीं गए हैं, उनके भी नाम को मतदाता सूची से काट दिया गया है।

इस संबंध में जिला उपनिर्वाचन पदाधिकारी कुमार गौरव ने कहा कि बूथ संख्या 139, 140 और 141 से कुछ मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायत आई है। ऐसे मतदाताओं के आधार कार्ड और ईपिक कार्ड की जांच कर मतदाता सूची से नाम का मिलान किया जा रहा है।

कन्हैया कुमार ने नीतीश कुमार और पीएम मोदी पर साधा निशाना , कहा-

नारे खूब लगे लेकिन जमीन पर नहीं हुआ काम

बेगूसराय(एजेंसियां)। देश के चर्चित चेहरा और जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष और वर्तमान में दिल्ली से कांग्रेस के उम्मीदवार कन्हैया कुमार आज बिहट स्थित अपने घर मक़सदपुर पहुंचे, जहां उन्होंने बूथ संख्या 228 बिहट मकसकदपुर पर अपना मतदान किया। इस मौके पर उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि लोक तंत्र के लिए सबसे बड़ा महापर्व चुनाव होता है। किसी भी मतदाता और नागरिक के लिए यह महापर्व है। अगर आप लोकतंत्र में विश्वास रखते हैं तो एक मतदाता होने के नाते यह यह आपकी प्रथम जिम्मेदारी है कि आप मतदान जरूर करें।

कन्हैया कुमार ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पीएम नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि जब कोरोना काल था तब मोदी जी नहीं आये अब चुनाव है तब वह बिहार में घूम रहे हैं। अभी घूमेंगे तब ही न प्रधानमंत्री बनेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि बिहार की धरती कब से इस बात की मांग कर रही है कि आप बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दीजिये। यह बात नीतीश कुमार ने कहना शुरू किया था। नीतीश जी तो अब मोदी जी के साथ गठबंधन की सरकार में हैं, रोड शो में साथ ही घूम रहे थे, तो उस समय नीतीश जी ने क्यों नहीं मोदी जी से मांग लिया बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा।

कन्हैया कुमार ने कहा कि हमें भरोसा है कि बेगूसराय के लोग सुधि मतदाता हैंइस बार वह बदलाव करेंगे। यह मन हमें दिख रहा है। न सिर्फ बेगूसराय, बिहार बल्कि पूरा इंडिया गठबंधन की लहर है और जो बात 400 से शुरू हुई थी एनडीए की बात अब फ्फीका नजर आ रहा है। जिस तरह से एक चरण दो चरण तीन चरण का मतदान हो रहा है, मुझे नहीं लगता है कि एनडीए की सरकार बनेगी।

कन्हैया कुमार ने आगे कहा कि यह मेरे लिए काफ्फी हर्ष की बात है कि वोट गिराने के लिए ही सही उन्हें इस अवसर पर घर आने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि आज उनके लिए काफ्फी हर्ष का दिन है कि जिस जगह से उन्होंने पढ़ाई की है उस समाज और उसी स्कूल में आकर वह मतदान कर रहे हैं। मेरे लिए यह एक इमोशनल ओर पॉलीटिकल वैल्यू का भी स्थान है।

बेगूसराय में लोकसभा निर्वाचन के चौथे चरण में मतदान की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

जिला में कुल सात विधानसभा क्षेत्र हैं, जिसमें 2070 मतदान केंद्रों पर लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करे हैं। जिला मे कुल पुरुष मतदाताओं की संख्या जहां 11,55036 है, वहीं महिला मतदाता की संख्या लगभग 10,40,994 है। इस बार चुनाव में थर्ड जेंडर 59 मतदाता भी शामिल है। यानि कि जिले में कुल 21,96089 मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग आज करना है। इसमें पीडब्लूएस पुरुष वोर्टस की संख्या 13,401 और महिला 8,288 शामिल है। मतदान केन्द्र से सौ मीटर दूरी तक धारा 144 लागू है। जिले में कुल दस प्रत्याशी चुनावी मैदान में है, जिनके भाग्य का फ़ैसला जनता आज करेगी। इसमें मुख्य मुकावला भाजपा के गिरिराज सिंह और सीपीआई के अवधेश रॉय के बीच है।

बीमार शिक्षक को जबरन दी गई थी चुनाव में ड्यूटी मतदान केंद्र पर मौत के बाद डीएम पर उठा सवाल

मुंगेर (एजेंसियां)। मुंगेर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में आज चौथे चरण के तहत मुंगेर, जमालपुर, लखीसराय, सूर्यगढा,बाढ़ ,मोकामा में आज 2029 मतदान केन्द्र पर मतदान प्रक्रिया सुबह 7:00 बजे से शुरू हो गई और मतदाता धीरे-धीरे भारी संख्या में मतदान करने के लिए पहुंचने लगे हैं। इस बीच मुंगेर से एक बुरी खबर आई जिसमें पीठासीन अधिकारी की हर्ट अटैक से मौत हो गई। मतदान केंद्र पर मौजूद लोगों ने कहा कि अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी, आननफानन में लोग उन्हें लेकर अस्पताल गये। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यह मामला बूथ संख्या 210 मध्य विद्यालय चकासिम इब्राहिम शंकरपुर की है।

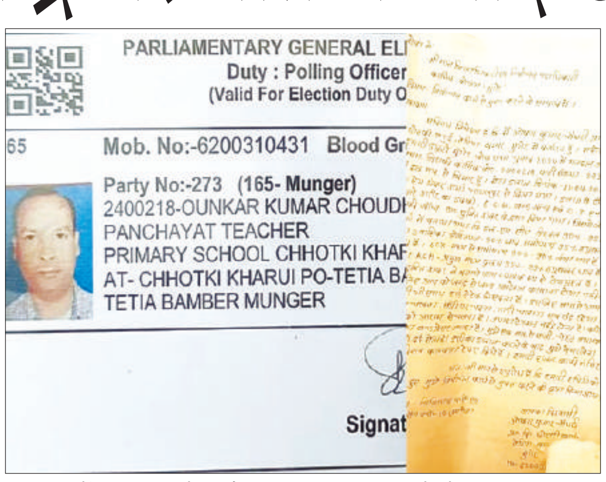

PARLIAMENTARY GENERAL EL
Duty : Polling Officer
(Valid For Election Duty O
65 Mob. No:-6200310431 Blood Gr
Party No:-273 (165- Munger)
2400218-OUNKAR KUMAR CHOUDH
PANCHAYAT TEACHER
PRIMARY SCHOOL CHHOTKI KHA
AT- CHHOTKI KHARUI PO-TETIA B
TETIA BAMBER MUNGER
Signat

परिजनों का आरोप है कि ओंकार चौधरी गंभीर रूप से बीमार थे। उन्होंने अपनी बीमारी को लेकर आवेदन भी दिया था लेकिन जिला प्रशासन के द्वारा उन्हें जबरन ड्यूटी दी गई जिस वजह से उनकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि शरीर अस्वस्थ रहने के बावजूद इनकी ड्यूटी लोकसभा चुनाव में लगाई गई थी। इन्होंने इसको लेकर आ-वेदन भी दिया था और जिला प्रशासन से गुहार लगाई थी कि उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें चुनावी ड्यूटी से दूर रखा जाय लेकिन जिला प्रशासन ने एक नहीं सुनी। आज उनकी हर्ट अटैक से मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद कोतवाली सहित कई थाने के पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और मामले की जांच कर रही है।

ओंकार कुमार चौधरी ने डीएम को आवेदन में लिखा था कि मैं विगत एक माह से बीमार हूं। मेरा इलाज 11 अप्रैल 2024 से भागलपुर के डॉक्टर हेमशंकर शर्मा से किया जा रहा है। इलाज के दौरान हमारे शरीर का एक्को, इसीजी, ब्लड जांच और सीटीएन्जीयोग्राफी की जांच डॉक्टर सुमित शंकर के द्वारा की गई। जांच में आए रिपोर्ट के बाद डॉक्टर सुमित शंकर ने कहा कि आप व्यापक रूप से रोग ग्रसित हैं। इसलिए आपको जल्द से जल्द ऑपरेशन करवाना होगा नहीं तो किसी भी समय हार्ट अटैक हो सकता है। उन्होंने कहा कि आज से आपको पैदल चलना, सीढ़ी चढ़ना, गाड़ी चलाना सब बंद रहेगा। आपको आराम से चलना है और ज्यादा टेंशन नहीं लेना है क्योंकि आपका ब्लड प्रेशर ज्यादा है। मुझे एक माह से छाती और बाएं हाथ में दर्द हो रहा है। इसी का इलाज करने के बाद मुझे कोलकाता रेफर किया गया है। हमारी हालत काफी गंभीर है इसलिए मेरी गंभीर स्थिति को देखते हुए मुझे निर्वाचन कार्य से मुक्त करने की कृपा की जाए। ओंकार कुमार चौधरी ने अपने आवेदन के साथ दस पन्नों की जांच की पर्ची और रिपोर्ट भी लगाया था, इसके बाद भी उन्हें चुनाव से मुक्त नहीं किया गया और आज उनकी जान चली गई।

कैंसर पीड़िता ने जीवन के अंतिम क्षण में वोट की जताई इच्छा

दरभंगा (एजेंसियां)। लोक सभा चुनाव को लेकर आमजन में काफ़ी उत्साह है। इस उत्साह की एक अच्छी तस्वीर यह देखने को मिली जब एक कैंसर पीड़ित महिला अपने अंतिम समय में मतदान करने की इच्छा प्रकट की जिसे घर वालों ने पूरा भी किया। यह तस्वीर दरभंगा जिले के बिशनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चौगमा गांव की है, जहां कैंसर रोग से पीड़ित शुभद्रा देवी को उनके पुत्र विजय कुमार मिश्रा ने स्ट्रेचर पर उन्हें लादकर विष्णुपुर चौगमा मध्य विद्यालय के बूथ संख्या 116 पर ले गये और उनसे मतदान करवाया।

इस संबंध में महिला के पुत्र विजय कुमार मिश्रा ने बताया कि माँ ने अपने जीवन के अंतिम क्षणों में नागरिक दायित्व को पूरा करते हुए आज मतदान किया है। माँ लंबे समय से अत्यधिक बीमार हैं और पिछले चार दिनों से केवल कुछ बूंद जल के सहारे हैं। पूछे जाने पर उन्होंने वोट गिराने की इच्छा जताई थी। कैंसर रोग से पीड़ित महिला शुभद्रा देवी को उनके पुत्र विजय कुमार मिश्रा ने स्ट्रेचर पर उन्हें लादकर विष्णुपुर चौगमा मध्य विद्यालय के बूथ संख्या 116 पर मतदान कराने लाये और उनका मतदान करवाया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com